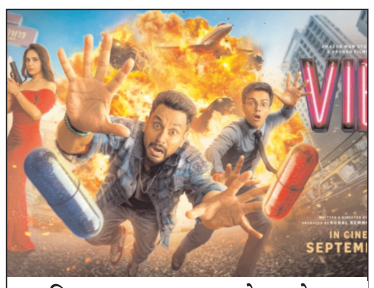

फिल्म 'वाइब' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज, एक्शन और कॉमेडी के तड़के में अनचाहे हीरो बने कुणाल खेमू

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 33
न्यूनतम - 28

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 245 RNI NO.43285/85 | संस्करण- नगर | मुजफ्फरनगर शुक्रवार 04 सितम्बर 2026 | श्रावण शुक्ल पक्ष 23 विक्रमी सम्वत | पृष्ठ 12 | मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

एयरफोर्स ने किया लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का सफल टेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एयरफोर्स ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम खगांतक-243 का सफल ड्रॉप टेस्ट किया है। इससे भारत की स्वदेशी हमला करने की क्षमता बढ़ेगी। इसमें 125 किलो का एमके-81 वॉरहेड लगाया गया है। यह बम 144 से 180 किलोमीटर की रेंज तक हमला कर सकता है। इसकी मदद से लड़ाकू विमान दुश्मन के

एयर डिफेंस सिस्टम की सीमा में गए बिना दूर के लक्ष्यों को निशाना बना सकते हैं। इसे मिग-29के और मिराज-2000 लड़ाकू विमानों में भी शामिल करने की योजना है। खगांतक-243 को नागपुर की स्टार्टअप कंपनी जेएसआर डायनेमिक्स ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर बनाया है। इंडियन एयरफोर्स ने इसका पहला टेस्ट पोखरण में सुखोई एसयू-30 एमकेआई से किया था। ग्लाइड बम में क्रूज मिसाइल की तरह अपना इंजन नहीं होता। यह हवा में बने लिफ्ट के सहारे लक्ष्य की ओर बढ़ता है। इसकी लागत कम होने के कारण इन्हें बड़ी संख्या में बनाया जा सकता है। खगांतक सीरीज में 306 और 225 जैसे भारी वेरिएंट भी शामिल हैं।

हर ओर 'सैलाब' का कहर 'पानी-पानी' हुआ आधा देश

- बिहार में खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर बह रही गंगा
- 13 जिलों में बाढ़, काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा

हिमाचल में 175 सड़कें बंद, एमपी के कई जिले चपेट में

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर गया।

बाढ़ की चपेट में बिहार के 13 जिले, 8 नदियां उफनाईं

बिहार के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 8 नदियां उफान पर हैं। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। पटना सिटी के भद्रघाट और महावीर घाट की सर्विस लेन पर घुटनों तक गंगा का पानी पहुंच गया है। सोन नदी पर स्थित रोहतास के इंद्रपुरी बैराज के सभी 69 गेट खोल दिए गए हैं। बैराज से सोन नदी में 6 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनने की आशंका है। बक्सर में नेशनल हाईवे पानी में डूब गया है। बेतिया में गंडक नदी के कटाव के कारण एक पक्का घर नदी में समा गया। वहीं, कैमूर में तेलहाड़ कुंड, करकटगढ़ और बंसी खोह जलप्रपात उफान पर हैं। भोजपुर में बाढ़ के हालात को लेकर पवन सिंह ने पोस्ट किया है। बाढ़ से जुड़ी कुछ फोटो के साथ बीजेपी एमएलसी ने फेसबुक पर लिखा- लोगों की तकलीफ देखकर मन दुखी है।

काशी में बाढ़, मोदी ने डीएम-मेयर को फोन किया

यूपी में लगातार बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ से रेस्क्यू किया गया है। काशी में गंगा-वरुणा का पानी अब घरों में घुसने लगा है। सड़कों पर नाव चल रही है। अब तक 407 परिवार घर छोड़ चुके हैं। सभी 84 घाट डूबे हुए हैं। मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है। इसी बीच, काशी के सांसद पीएम मोदी ने वाराणसी डीएम सत्येंद्र कुमार और मेयर अशोक तिवारी से बात की। उन्होंने शहर में बाढ़ के हालात की डिटेल में जानकारी ली। पीएम ने कहा-यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों को कम से कम परेशानी हो। बाढ़ प्रभावित लोगों को युद्धस्तर पर राहत पहुंचाते हुए उन्हें तत्काल जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराएं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का पानी आसपास की सड़कों पर बह रहा है। 500 से अधिक दुकानों और 20-25 होटलों में पानी घुस गया है।

आतंकियों के रडार पर 7 हजार कश्मीरी पंडित!

लश्कर के प्रॉक्सी ने लीक कर दी निजी जानकारी

सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट, सुरक्षा की है चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को लेकर आतंकी धमकी सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दरअसल लश्कर-ए-तैयबा के ऑनलाइन प्रॉक्सी फ्रंट यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल की ओर से जारी ताजा धमकी के बाद घाटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष पैकेज के तहत तैनात 7 हजार से अधिक कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, खतरे की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि धमकी के साथ कुछ कर्मचारियों की निजी जानकारी भी सार्वजनिक की गई है। इसमें उनके नाम, घर के पते और गाड़ियों के नंबर शामिल हैं। इससे कर्मचारियों में डर का माहौल है और उनकी सुरक्षा को लेकर प्रशासन पर दबाव बढ़ गया है।

धमकियों के पीछे बड़ी साजिश की आशंका

सुरक्षा से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, यूएलसी और द रेजिस्टेंस फ्रंट जैसे प्रॉक्सी ग्रुप्स की ओर से सार्वजनिक रूप से दी गई ऑनलाइन धमकियां, एक सोची-समझी मनोवैज्ञानिक युद्ध की रणनीति का हिस्सा हैं। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान की आईएसआई इन धमकियों के जरिए सुरक्षा बलों का ध्यान कर्मचारियों की सुरक्षा पर लगाने की कोशिश की जा रही है, ताकि आतंकी अपने दूसरे नेटवर्क को सक्रिय कर सकें। इस टेक्निक का इस्तेमाल आतंकी अपने दूसरे नेटवर्क को खड़ा करने के लिए करते हैं। स्थानीय नेटवर्क खड़ा किया है।

हल्द्वानी शुद्धिकरण पर खड़गे ने नड्डा को लिखा पत्र

कहा-24 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं, डीएम को कार्रवाई का दें निर्देश

हल्द्वानी (एजेंसी)। हल्द्वानी शुद्धिकरण मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। खड़गे ने पत्र में कहा कि घटना के 24 दिन बीत जाने के बावजूद जिम्मेदार व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई है। खड़गे ने लिखा कि 8 अगस्त को हल्द्वानी में उनकी जनसभा के बाद रामलीला मैदान के मंच का शुद्धिकरण कराया गया। उन्होंने नड्डा से कहा है कि वे राज्यसभा में दिए अपने आश्वासन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को निर्देशित करें और रामलीला मैदान में हुए शुद्धिकरण में शामिल व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। खड़गे ने कहा कि ऐसे लोगों को सबक देना जरूरी है। उनके मुताबिक, इस मामले में उनका रोष केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ है, जिससे समाज का एक बड़ा तबका प्रभावित होता है।

नड्डा ने राज्यसभा में की थी घटना की निंदा

13 अगस्त को राज्यसभा में मुद्दा उठाते हुए खड़गे ने आरोप लगाया था कि उनके भाषण के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने हवन कर मंच का शुद्धिकरण किया। उन्होंने खुद को अनुसूचित जाति से बताते हुए इसे आपत्तिजनक घटना बताया और दोषियों के खिलाफ अनटचेबिलिटी एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की थी। मामले पर नड्डा ने घटना की निंदा करते हुए कहा था कि भाजपा ऐसी किसी गतिविधि का समर्थन नहीं करती। उन्होंने मामले की गहराई से जांच कराने को कहा है।

उड़ान के बीच दोहा-बेंगलुरु फ्लाइट पायलट की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कतर के दोहा से बेंगलुरु आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट के पायलट की गुरुवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद फ्लाइट मस्कट डायवर्ट करना पड़ा। मेडिकल इमरजेंसी के बीच प्लेन की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। मेडिकल

टीम ने पायलट की जांच की। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। एयरलाइन के मुताबिक, अब पायलट की हालत ठीक है। इंडिगो ने बताया कि बेंगलुरु से एक विमान मस्कट भेजा जा रहा है, जो यात्रियों को लेकर बेंगलुरु पहुंचेगा। एयरलाइन ने कहा कि मस्कट में विमान का इंतजार कर रहे यात्रियों को खाना और पीने की चीजें दी जा रही हैं और उन्हें लगातार अपडेट किया जा रहा है। जिस विमान से यात्री बेंगलुरु वापस आएंगे उसके लिए नए क्रू की व्यवस्था भी की गई है।

एच-1बी वीजा पर भारतीय प्रोफेशनल के लिए नया संकट

नौकरी गई तो 60 दिन की मोहलत भी हो सकती है खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय प्रोफेशनल्स की लाइफलाइन माने जाने वाले एच-1 बी वीजा पर नया संकट मंडरा रहा है। अमेरिका में चल रही छंटनी के बीच इस साल की पहली छमाही में करीब 10 हजार भारतीय प्रोफेशनल्स को नौकरी जाने के

बाद अमेरिका छोड़कर भारत लौटना पड़ा। इन्हें 60 दिन के ग्रेस पीरियड में नई नौकरी नहीं मिल पाई। अमेरिकी सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेस के इस साल की पहली छमाही के आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। करीब 5,100 प्रोफेशनल्स पर संकट है।

नौकरी जाने पर अभी 60 दिन का समय

एच-1बी वीजा पर काम कर रहे किसी प्रोफेशनल की नौकरी चली जाती है तो मौजूदा नियमों के तहत उसे अधिकतम 60 दिन का ग्रेस पीरियड मिलता है। इस दौरान वह नया एम्प्लॉयर तलाश सकता है और अपना एच-1बी स्टेटस बनाए रखने की कोशिश कर सकता है। अगर इस अवधि में नई नौकरी नहीं मिलती तो उसे अमेरिका में रहने का वैध आधार खत्म होने से पहले देश छोड़ना पड़ सकता है। तय अवधि खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रुके रहना ओवरस्टे माना जा सकता है।

वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह

आभार

गुरूद्वारा श्री गुरू सिहं सभा
एवं
समस्त संगत का हार्दिक आभार!

'दरबार साहिब हॉल' के विस्तार एवं सौन्दर्यीकरण हेतु आयोजित पावन 'शिलान्यास' समारोह में परम आदरणीय एम0 जी0 चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री सतीश चन्द गोयल जी को मुख्य अतिथि के रूप में सुशोभित करने एवं नींव रखने का गौरव प्रदान करने हेतु हम हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करते है। गुरू घर की सेवा के इस पवित्र अवसर पर मिले असीम स्नेह और मान-सम्मान के लिए हम सदैव ऋणी रहेंगे।

सधन्यवाद,

प्रबंध समिति एवं समस्त परिवार :

एम0 जी0 पब्लिक स्कूल
सरकुलर रोड़, मुजफ्फरनगर

एम0 जी0 वर्ल्ड विज़न स्कूल
वसुन्धरा रेजिडेन्सी, परिक्रमा मार्ग, मुजफ्फरनगर

अनमोल वचन

आज श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पुनीत अवसर पर उनके द्वारा दिये गये उपदेश जो श्री श्रीमद्भगवद् गीता के रूप में संगृहीत हैं समयोचित हैं, सदैव प्रासंगिक रहेंगे। गीता के सभी अध्याय जीवन के सभी पहलुओं की विवेचना करते हैं। श्री कृष्ण कहते हैं कि सृष्टि चार प्रकार की होती है: पिण्डज अर्थात पेट में बच्चा बनकर तैयार होता है जैसे मनुष्य, पशु; दूसरे अण्डज जो अंडे के रूप में पेट से बाहर आता है; स्वेदज जो पसीने से उत्पन्न हो जैसे जूँ, खटमल आदि; चौथे उद्भिज जो भूमि को फाड़कर बाहर निकले जैसे वृक्ष, वनस्पति। इस प्रकार जलचर, थलचर, नभचर, वनचर आदि जीवों को उनके उनके कमार्नुसार ईश्वर ने बनाया। कोई राजमहल का राजा है तो कोई झोपड़ी का कंगाल। भगवान दयालु भी हैं और दयाळू भी। प्रत्येक जीव को उसके कमार्नुसार ही देते हैं, न कम न अधिक। जीवन एक पुस्तक है जैसे पुस्तक के पन्नों की संख्या निश्चित तथा सीमित होती है वैसे ही जीवन पुस्तक भी वर्ष, मास, दिन, घड़ी, पल आदि के रूप में निश्चित एवं सीमित है। पुस्तक में एक पृष्ठ आदि का अर्थात जन्म की तिथि तथा अन्त में मृत्यु की होती है। बीच के पृष्ठ हानि, लाभ, यश, अपयश, सुख, दुख आदि के। अतः मृत्यु जो निश्चित है और ईश्वर द्वारा पूर्व निर्धारित है उसका भय क्यों? वह आयेगी ही वह भी अपने निश्चित समय पर। इसलिये भगवान कृष्ण की शिक्षाओं पर चलते हुये केवल अच्छे कार्य करें ताकि अगले जन्म की पुस्तक अनुकूलता ही अनुकूलता हो।

वंश कश्यप का गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार, सातवां आरोपी अल्ताफ उर्फ भूरा गिरफ्तार, बाकी आरोपियों की तलाश में दबिश जारी

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र के बेलड़ा गांव में कहासुनी के बाद हुई मारपीट के दौरान जान बचाने के लिए नहर में छलांग लगाने वाले युवक वंश कश्यप की डूबने से मौत के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को क्षेत्राधिकारी लक्ष्मण सिंह वर्मा ने बताया कि पुलिस ने फरार चल रहे नामजद एवं प्रकाश में आए आरोपियों में से अल्ताफ उर्फ भूरा निवासी बेलड़ा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में अब तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि शेष आरोपियों की तलाश में पुलिस की दबिश लगातार जारी है।

जानकारी के अनुसार वंश कश्यप अपने साथी विपुल के साथ बेलड़ा गांव गया हुआ था। बताया गया कि गांव में ही रहने वाले शेखर नामक व्यक्ति के साथ किसी बात को लेकर उनकी कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इसी दौरान बेलड़ा निवासी रिजवान और उसके साथियों से बचने के लिए वंश कश्यप वहां से भाग निकला।

बताया गया कि अपनी जान बचाने के प्रयास में वंश ने नहर में छलांग लगा दी। नहर के तेज बहाव और गहराई के कारण वह डूब गया। काफी तलाश के बाद बुधवार शाम वंश का शव भोपा के पास नहर से बरामद किया गया। घटना की सूचना

मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कराया।

इस मामले में मृतक के जीजा जॉनी, निवासी महमूदपुर माजरा, की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने बुधवार को रिजवान, अफजाल, साहिल उर्फ भोलू, अल्बख्श उर्फ बख्शी, सुहैल उर्फ अजूबा तथा एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। गुरुवार को क्षेत्राधिकारी लक्ष्मण सिंह वर्मा ने बताया कि मामले में नामजद एवं प्रकाश में आए आरोपियों में से फरार चल रहे अल्ताफ उर्फ भूरा निवासी बेलड़ा को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

अंतिम संस्कार में पहुंचे जनप्रतिनिधि, सख्त कार्रवाई की मांग

वंश कश्यप के अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि पहुंचे। बघरा आश्रम के स्वामी यशवीर महाराज ने भी मौके पर पहुंचकर पुलिस-प्रशासन से मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की। ग्रामीणों में घटना को लेकर रोष देखने को मिला।

परिजनों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और नौकरी की मांग की

मृतक के परिजनों ने प्रशासन के समक्ष आर्थिक सहायता सहित कई मांगें रखी हैं। परिजनों और ग्रामीणों ने मृतक के परिवार को आर्थिक मदद दिए जाने, उसकी अविवाहित बहन वंशिका को सरकारी नौकरी देने, मृतक की मां को रोजगार उपलब्ध कराने तथा परिवार के कच्चे मकान को पक्का बनवाने की मांग की है। परिजनों का कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है और वंश की मौत के बाद उनके सामने जीवन-यापन का संकट खड़ा हो गया है। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को मामले में निष्पक्ष कार्रवाई और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी का भरोसा दिलाया है। पुलिस का कहना है कि घटना से जुड़े प्रत्येक पहलू की जांच की जा रही है तथा जो भी व्यक्ति मामले में दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उप गन्ना आयुक्त ने किया खतौली चीनी मिल क्षेत्र का दौरा

जलभराव से प्रभावित गन्ने की फसल का लिया जायजा, लाल सड़न रोग से बचाव के लिए रोगरोधी प्रजातियों की बुवाई की सलाह

खतौली। उप गन्ना आयुक्त, सहारनपुर ओ.पी. सिंह ने गुरुवार को सहकारी गन्ना विकास समिति खतौली के सचिव एस.पी. सिंह एवं खतौली चीनी मिल के महाप्रबंधक (गन्ना) कुलदीप राठी के साथ चीनी मिल क्षेत्र के जलप्लावित गांवों का भ्रमण कर गन्ने की फसल का निरीक्षण किया। उन्होंने जलभराव के कारण प्रभावित फसलों की स्थिति का मौके पर जायजा लिया और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं।

उप गन्ना आयुक्त ने सादपुर, मकसूदाबाद, भलेड़ी, हाजीपुर, अन्तवाड़ा, पाल, पलड़ा, ताजपुर, बुआड़ा कलां, बुआड़ा खुर्द, पुठ्ठा, खांजापुर एवं बसायच गांवों में पहुंचकर जलभराव से प्रभावित गन्ने की फसल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर जलभराव के कारण फसल प्रभावित मिली।

को. 0238 में लाल सड़न रोग की पुष्टि जलप्लावित क्षेत्रों में निरीक्षण के दौरान को. 0238 गन्ना प्रजाति में लाल सड़न रोग से प्रभावित पौधे पाए गए। इस पर उप गन्ना आयुक्त ने मौके पर मौजूद किसानों को रोग के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसानों को रोग प्रभावित गन्ना प्रजाति को बदलकर रोगरोधी एवं बेहतर उत्पादन देने वाली अन्य प्रजातियों की बुवाई करनी चाहिए। उन्होंने किसानों को को. 0118, को.शा. 18231, को. 98014, कोलख 16202 आदि गन्ना प्रजातियों की बुवाई करने की सलाह दी। महाप्रबंधक (गन्ना) कुलदीप राठी ने किसानों को आश्वस्त किया कि उक्त रोगरोधी गन्ना प्रजातियों का बीज चीनी मिल की ओर से उपलब्ध कराया जाएगा।

कैलेंडर वितरण का भी किया निरीक्षण

दौरे के दौरान उप गन्ना आयुक्त ने ग्राम पुठ्ठा में किसानों को किए जा रहे कैलेंडर वितरण का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वयं किसानों को कैलेंडर वितरित करते हुए कहा कि सभी किसान अपने कैलेंडर को अच्छी तरह जांच लें। यदि उसमें किसी प्रकार की त्रुटि दिखाई देती है तो तत्काल चीनी मिल अथवा सहकारी गन्ना विकास समिति के संबंधित कर्मचारियों से संपर्क कर संशोधन करा लें।

उन्होंने कहा कि कैलेंडर में दर्ज जानकारी की सही तरीके से जांच करना किसानों के लिए जरूरी है, ताकि आगामी पेराई सत्र के दौरान गन्ना आपूर्ति से संबंधित किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

शरदकालीन गन्ना बुवाई पर दिया जोर

उप गन्ना आयुक्त ओ.पी. सिंह ने किसानों को शरदकालीन गन्ना बुवाई के लाभों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शरदकालीन गन्ने की बुवाई करने से सामान्यतः बेहतर पैदावार प्राप्त की जा सकती है। इसके साथ ही किसान गन्ने के साथ सहफसली खेती अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं।

उन्होंने किसानों से नई एवं उन्नत गन्ना प्रजातियों को अपनाने का आह्वान किया। अधिकारियों ने बताया कि नई गन्ना प्रजातियों का गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध होने से किसानों को बेहतर उत्पादन प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

दौरे के दौरान उप गन्ना आयुक्त ने खतौली चीनी मिल के चीनी गोदाम का भी निरीक्षण किया।

चरथावल में घर से बिजली का तार चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

दीवार कूदकर घर में घुसे थे चोर, करीब 200 मीटर बिजली का तार और केबल बंडल लेकर हुए थे फरार; चोरी का माल और बाइक बरामद

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना पुलिस ने घर में घुसकर बिजली का तार चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया बिजली का तार और वारदात में इस्तेमाल एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक मामले में शामिल दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

दीवार कूदकर घर में घुसे थे चोर

पुलिस के अनुसार दधेड़ू खुर्द निवासी सरताज अली ने चरथावल थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि दो अज्ञात चोर घर की दीवार कूदकर अंदर दाखिल हुए और वहां रखा केबिल का बंडल तथा करीब 200 मीटर बिजली का तार चोरी कर लिया। चोरों ने घर की बिजली फिटिंग को भी नुकसान पहुंचाया। चोरी का सामान मोटरसाइकिल पर लादकर दोनों आरोपी जंगल की ओर फरार हो गए थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

चकरोड पर पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा

मामले की जांच कर रहे उपनिरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह ने पुलिस टीम के साथ आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दधेड़ू खुर्द चकरोड पर घेराबंदी कर चेकिंग शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार वहां से गुजरता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर उसने बाइक दौड़ाकर भागने का प्रयास किया, लेकिन कुछ दूरी पर उसकी मोटरसाइकिल बंद हो गई। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को मौके से पकड़ लिया।

सोनू उर्फ मोहम्मद अली गिरफ्तार

पुलिस पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम सोनू उर्फ मोहम्मद अली, निवासी मिमलाना रोड, मुजफ्फरनगर बताया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का बिजली का तार और एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस का कहना है कि बरामद मोटरसाइकिल का इस्तेमाल चोरी की वारदात में किया गया था। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के आधार पर मामले में शामिल अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है।

आगे की कार्रवाई में जुटी पुलिस

चरथावल थाना पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है और दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश देने की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस मुठभेड़ में मारे गए विपुल उर्फ खूनी की मौत की होगी मजिस्ट्रियल जांच

25 जुलाई को एसटीएफ और सिंघावली अहीर पुलिस से हुई थी मुठभेड़, गोली लगने के बाद अस्पताल में उपचार के दौरान हुई थी मौत

बागपत। 25 जुलाई 2026 को एसटीएफ फील्ड यूनिट मेरठ और सिंघावली अहीर थाना पुलिस के साथ हुई पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए विपुल उर्फ खूनी पुत्र नेत्रपाल सिंह, निवासी ग्राम भभीसा थाना कांधला जनपद शामली की मौत के मामले में अब मजिस्ट्रियल जांच होगी। जिला मजिस्ट्रेट बागपत के निर्देश पर पुलिस मुठभेड़ की घटना की जांच के लिए प्रभारी अधिकारी (द्वितीय)/डिप्टी कलेक्टर बागपत को नामित किया गया है। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 25 जुलाई 2026 को एसटीएफ फील्ड यूनिट मेरठ, थाना सिंघावली अहीर के थानाध्यक्ष एवं अन्य पुलिस बल के साथ हुई मुठभेड़ में विपुल उर्फ खूनी गोली लगने से घायल हुआ था। उसे तत्काल उपचार के लिए सीएचसी पिलाना भेजा गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक परीक्षण के बाद उसे जिला अस्पताल बागपत रेफर किया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

मुठभेड़ की घटना पर दर्ज है मुकदमा

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि घटना के संबंध में थाना सिंघावली अहीर में मुकदमा अपराध संख्या 248/2026 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं एवं शस्त्र अधिनियम की धारा 3/25/27 में मुकदमा दर्ज है। मामला विवेचनाधीन है। पुलिस मुठभेड़ की घटना की नियमानुसार मजिस्ट्रियल जांच कराना

आवश्यक होने के चलते जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय की ओर से जांच के लिए अधिकारी को नामित किया गया है।

एक माह में जांच पूरी करने के निर्देश

जिला मजिस्ट्रेट बागपत के निर्देश के अनुपालन में मुठभेड़ की मजिस्ट्रियल जांच शुरू की गई है। जांच अधिकारी को घटना की जांच एक माह में पूर्ण कर सात प्रतियों में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जांच को पारदर्शी बनाने के लिए आम लोगों से भी सहयोग मांगा गया है। जारी सूचना में कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति इस घटना के संबंध में अपना बयान अथवा कोई साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहता है, तो वह निर्धारित अवधि में किसी भी कार्यदिवस में जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अपना बयान या साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है।

15 दिन के भीतर दे सकते हैं बयान और साक्ष्य

जांच अधिकारी की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना में लोगों को 15 दिनों के अंदर उपस्थित होकर अपना बयान अथवा साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है। इससे घटना से संबंधित प्रत्यक्षदर्शियों अथवा अन्य लोगों को अपना पक्ष जांच के समक्ष रखने का मौका मिलेगा।

पुलिस और स्वास्थ्य विभाग से मांगे जाएंगे दस्तावेज

मजिस्ट्रियल जांच के तहत संबंधित अधिकारियों से घटना से जुड़े रिकॉर्ड और साक्ष्य जुटाए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक बागपत को भी सूचना भेजी गई है। वहीं संबंधित उपजिलाधिकारी और तहसीलदार को विज्ञप्ति को नोटिस बोर्ड पर चस्पा कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिला सूचना अधिकारी बागपत को घटना की जांच संबंधी सूचना कम से कम तीन समाचार पत्रों में प्रकाशित कराने तथा प्रकाशित खबरों की प्रतियां जांच अधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध कराने को कहा गया है। इसके अलावा मुख्य चिकित्साधिकारी को मुठभेड़ में घायल विपुल उर्फ खूनी का उपचार करने वाले चिकित्सकों/कर्मचारियों तथा पोस्टमार्टम से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बयान दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मुठभेड़ में शामिल पुलिसकर्मियों के भी दर्ज होंगे बयान

मुठभेड़ में शामिल समस्त पुलिस बल को जांच के संबंध में अपने-अपने बयान दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं थाना सिंघावली अहीर से मुठभेड़ से संबंधित साक्ष्य एवं अभिलेखों की सत्यापित प्रतियां उपलब्ध कराने को कहा गया है। बागपत जनपद के विभिन्न थानों के प्रभारियों से भी कहा गया है कि यदि उनके थाने में उक्त मुठभेड़ से संबंधित कोई साक्ष्य या अभिलेख उपलब्ध हो तो उसकी सत्यापित प्रति जांच अधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध कराई जाए।

मृतक के परिजनों को भी बयान के लिए सूचित करने के निर्देश

जांच के दौरान मृतक विपुल उर्फ खूनी के परिजनों को भी अपना बयान अथवा साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए व्यक्तिगत रूप से सूचित करने का निर्देश थाना कांधला, जनपद शामली के प्रभारी निरीक्षक को दिया गया है। इस तरह पुलिस मुठभेड़ और विपुल की मौत से जुड़े सभी उपलब्ध साक्ष्यों एवं संबंधित पक्षों के बयानों को जांच का हिस्सा बनाया जाएगा।

मजिस्ट्रियल जांच की प्रक्रिया शुरू होने के बाद अब पुलिस मुठभेड़ से जुड़े घटनाक्रम, पुलिसकर्मियों के बयान, चिकित्सकीय रिकॉर्ड, पोस्टमार्टम से संबंधित दस्तावेज और अन्य साक्ष्यों की जांच की जाएगी।

खतौली सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल तस्वीर: तीन साल से बंद पड़ा हेल्थ एटीएम

लाखों रुपये की लागत से लगी मशीन बनी शोपीस, मरीजों को सामान्य जांच के लिए भी दूसरी व्यवस्थाओं पर रहना पड़ रहा निर्भर

मुजफ्फरनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खतौली में मरीजों को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावों के बीच व्यवस्थाओं की बदहाल तस्वीर सामने आई है। अस्पताल परिसर में मरीजों की सुविधा के लिए लगाया गया हेल्थ एटीएम तीन साल से अधिक समय से बंद पड़ा है। लाखों रुपये की लागत से स्थापित की गई यह मशीन लंबे समय से धूल फांक रही है, जिससे मरीजों को इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके साथ ही सीएचसी परिसर के शौचालय की स्थिति भी बेहद खराब बताई जा रही है। शौचालय में गंदगी का ढेर लगा होने के कारण मरीजों और उनके तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर साफ-सफाई की खराब व्यवस्था को लेकर मरीजों में नाराजगी है।

तीन साल से बंद है हेल्थ एटीएम

मरीजों का कहना है कि अस्पताल में आधुनिक जांच सुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हेल्थ एटीएम लगाया गया था। इससे विभिन्न सामान्य स्वास्थ्य जांच आसानी से उपलब्ध होने की उम्मीद थी, लेकिन मशीन लंबे समय से बंद पड़ी है। मरीजों का सवाल है कि जब मशीन का संचालन ही नहीं होना था तो लाखों रुपये खर्च कर इसे लगाने

का क्या औचित्य है? लोगों का आरोप है कि हेल्थ एटीएम को दोबारा शुरू कराने को लेकर संबंधित अधिकारी गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। मशीन बंद होने के कारण अस्पताल आने वाले मरीजों को सामान्य जांच के लिए भी अस्पताल की अन्य व्यवस्थाओं पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इससे खासतौर पर उन मरीजों को परेशानी होती है, जो कम समय और कम खर्च में जांच की सुविधा चाहते हैं।

शौचालय में गंदगी से मरीज परेशान

सीएचसी की सफाई व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अस्पताल परिसर स्थित शौचालय में गंदगी जमा होने की शिकायत है। बदबू और गंदगी के कारण मरीज एवं तीमारदार शौचालय का इस्तेमाल करने से बच रहे हैं। मरीजों का कहना है कि अस्पताल में आने वाले लोगों में बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और बीमार व्यक्ति शामिल होते हैं। ऐसे में स्वच्छ और इस्तेमाल योग्य शौचालय की व्यवस्था बेहद जरूरी है। इसके बावजूद शौचालय की नियमित सफाई नहीं होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

मजबूरी में बाहर जाना पड़ रहा

मरीजों और तीमारदारों का कहना है कि शौचालय की खराब स्थिति के कारण कई लोगों को मजबूरी में अस्पताल परिसर से बाहर शौचालय की तलाश में जाना पड़ता है। उनका कहना है कि गंदगी के कारण संक्रमण फैलने का खतरा भी बना रहता है।

लोगों का आरोप है कि साफ-सफाई को लेकर कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। मरीजों ने अस्पताल प्रशासन से शौचालय की नियमित सफाई कराने और परिसर में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के दावों पर सवाल

हेल्थ एटीएम का वर्षों से बंद रहना और शौचालय की खराब स्थिति ऐसे समय में सामने आई है, जब सरकारी अस्पतालों में आधुनिक एवं डिजिटल स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। मरीजों का कहना है कि अस्पताल में मशीनें लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका नियमित संचालन और रखरखाव भी जरूरी है। लोगों ने अधिकारियों से मांग की है कि बंद पड़े हेल्थ एटीएम को जल्द से जल्द चालू कराया जाए और अस्पताल की सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाए, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और बुनियादी सुविधाएं मिल सकें।

सीएचसी प्रभारी ने कहा–जल्द होगा सुधार

इस संबंध में खतौली सीएचसी प्रभारी कपिल कुमार ने कहा कि अस्पताल की व्यवस्थाओं में जल्द सुधार किया जाएगा। उन्होंने हेल्थ एटीएम और साफ-सफाई से जुड़ी समस्याओं को दूर कराने का आश्वासन दिया है।

खतौली थाने में अग्निशमन विभाग ने कराया फायर सेफ्टी का लाइव डेमो

गैस सिलेंडर में आग लगाकर पुलिसकर्मियों को सिखाए बचाव के तरीके, आपात स्थिति में घबराने के बजाय सूझबूझ से काम लेने की दी सीख

मुजफ्फरनगर। खतौली थाने में अग्निशमन विभाग की टीम ने पुलिसकर्मियों को आग से बचाव और आपात स्थिति में आग पर काबू पाने के तरीकों की जानकारी देने के लिए फायर सेफ्टी का लाइव डेमो किया। इस दौरान टीम ने गैस सिलेंडर में आग लगाकर उसे सुरक्षित तरीके से बुझाने की प्रक्रिया मौके पर करके दिखाई। फायर बी ग्रेड अग्निशमन विभाग की टीम राहुल के नेतृत्व में खतौली थाने पहुंची। टीम ने थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल समेत थाने के पुलिसकर्मियों को आग लगने की स्थिति में बचाव और राहत कार्य शुरू करने की जानकारी दी।

सिलेंडर में आग लगाकर दिखाया लाइव डेमो

प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन टीम ने गैस सिलेंडर में आग लगाई और फिर निर्धारित सुरक्षा प्रक्रिया के तहत आग पर काबू पाने का तरीका पुलिसकर्मियों को समझाया। टीम ने बताया कि गैस सिलेंडर में आग लगने पर सबसे पहले घबराने के बजाय स्थिति का आकलन करना जरूरी है। टीम ने बताया कि यदि कोई प्रशिक्षित व्यक्ति मौजूद हो तो परिस्थितियों के अनुसार गैस की सप्लाई बंद करना प्राथमिक कदम होना चाहिए। इसके साथ ही आग की स्थिति के मुताबिक उपयुक्त अग्निशमन उपकरण का इस्तेमाल करने की जानकारी भी दी गई।

आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकालने की जानकारी

अग्निशमन विभाग की टीम ने पुलिसकर्मियों को आग लगने के बाद बचाव कार्य की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। पुलिसकर्मियों को बताया गया कि आग फैलने से रोकने के साथ-साथ आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना भी प्राथमिकता होनी चाहिए। डेमो के दौरान आग बुझाने वाले उपकरणों के सही इस्तेमाल की जानकारी भी दी गई। टीम ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में जल्दबाजी और घबराहट के बजाय प्रशिक्षित तरीके से कार्रवाई करने से जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

घबराएं नहीं, तुरंत दें सूचना

अग्निशमन विभाग की टीम ने पुलिसकर्मियों को जागरूक करते हुए कहा कि आग लगने की स्थिति में घबराएं नहीं और सबसे पहले स्वयं तथा आसपास मौजूद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। स्थिति गंभीर होने पर तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना देकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया जाना चाहिए। थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल समेत खतौली थाने के सभी पुलिसकर्मी लाइव डेमो के दौरान मौजूद रहे। प्रशिक्षण के माध्यम से पुलिसकर्मियों को आगजनी की घटनाओं में तत्काल और सुरक्षित कार्रवाई के लिए व्यवहारिक जानकारी दी गई।

गौशालाओं में व्यवस्थाओं की खामियां देख भड़के गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष, दिए कड़े निर्देश

मुजफ्फरनगर की तीन गौशालाओं का औचक निरीक्षण, गोवंश को गुणवत्तापूर्ण संतुलित पशु आहार देने और खुले में रखने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। प्रदेश में गोवंश संरक्षण और संवर्धन के साथ गौशालाओं की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल एवं सदस्य दीपक गोयल ने गुरुवार को मुजफ्फरनगर जनपद का भ्रमण किया। इस दौरान आयोग के पदाधिकारियों ने जिले की प्रमुख गौशालाओं और गो-संरक्षण केंद्रों का औचक निरीक्षण कर वहां गोवंश के स्वास्थ्य, खान-पान, पेयजल, साफ-सफाई, शेड और सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

तीन प्रमुख गौशालाओं का किया औचक निरीक्षण

आयोग के उपाध्यक्ष एवं सदस्य ने तुगलकपुर (पुरकाजी) स्थित विशाल काऊ सेंचुरी, विकासखंड सदर के रामपुर तिराहा स्थित गौशाला तथा विकासखंड चरथावल की पीपल शाह गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गौशालाओं में संरक्षित गोवंश की संख्या, उनके रखरखाव, स्वास्थ्य और भोजन-पानी की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही गौशालाओं में उपलब्ध संसाधनों और सुरक्षा प्रबंधों को भी परखा गया।

चोकर के बजाय संतुलित पशु आहार देने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान गौशालाओं की व्यवस्थाओं में और सुधार की आवश्यकता बताते हुए आयोग के उपाध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों और गौशाला संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने गोवंश के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के लिए केवल पारंपरिक चोकर पर निर्भर रहने के बजाय उच्च गुणवत्तायुक्त संतुलित पशु आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोवंश को पर्याप्त एवं पौष्टिक आहार मिलना चाहिए, ताकि उनका स्वास्थ्य बेहतर बना रहे।

आयोग के उपाध्यक्ष ने गौशालाओं में गोवंश को अनावश्यक रूप से बांधकर रखने के बजाय उन्हें खुले स्थान में रखने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा और बेहतर प्रबंधन के लिए बड़े एवं छोटे पशुओं तथा मादा गोवंश को अलग-अलग श्रेणी के बाड़ों में रखने को कहा।

उन्होंने गौशाला प्रबंधकों को गोवंश के लिए पर्याप्त स्थान, स्वच्छ पेयजल और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान गोवंश से संबंधित अभिलेखों की भी जानकारी ली गई। आयोग के पदाधिकारियों ने भरण-पोषण, आवक-जावक तथा स्वास्थ्य जांच से संबंधित सभी रजिस्टर और रिकॉर्ड पूर्ण एवं पारदर्शी रखने के सख्त निर्देश दिए। अधिकारियों को स्पष्ट किया गया कि गौशालाओं में संरक्षित गोवंश से संबंधित रिकॉर्ड में किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता नहीं होनी चाहिए। गौशाला परिसरों में नियमित साफ-सफाई कराने के निर्देश भी दिए गए।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर।

शुद्धिपत्र

पत्रांक:- 1094/निर्माण/सा०प्रा०/2026-27 **दिनांक:- 02/09/2026**

निर्माण विभाग के समस्त पंजीकृत/वर्ष 2026-27 में नवीनीकृत/किसी भी शासकीय विभाग में निर्माण कार्य हेतु पंजीकृत/नवीनीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि राज्य वित्त योजना के अन्तर्गत आमन्त्रित ई-निविदा पत्रांक संख्या941/E-Tender/P.W.D/NPP/2026-27 दिनांक 20.08.2026 के क्रमांक-17 पर अंकित कार्य में तकनीकी त्रुटि होने के कारण ई-निविदा को अपरिहार्य कारण से निरस्त किया जाता है।

अवर अभियन्ता (निर्माण)
नगर पालिका परिषद
मुज़फ़्फ़रनगर।

सहायक अभियन्ता (निर्माण)
नगर पालिका परिषद
मुज़फ़्फ़रनगर।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
मुज़फ़्फ़रनगर।

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शुक्रवार 04 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

विवादित होर्डिंग को लेकर सपा नेता-भाजपा समर्थक आमने-सामने, फाड़े जाने के बाद थाने पहुंचा मामला

तीन लोगों पर 170 बीएनएस के तहत कार्रवाई, 20-20 हजार रुपये के मुचलके पर पाबंद

मुजफ्फरनगर। भोपा रोड पर लगाए गए एक विवादित होर्डिंग को लेकर समाजवादी पार्टी और भाजपा से जुड़े लोगों के बीच शुरू हुआ विवाद अब पुलिस थाने तक पहुंच गया है। बीती देर रात सपा नेता गौरव जैन, सलमान त्यागी समेत कई पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने मौके पर पहुंचकर होर्डिंग का विरोध किया और उसे फाड़ दिया। सूचना मिलते ही नई मंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। सपा नेताओं का आरोप था कि होर्डिंग के माध्यम से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और इंडिया गठबंधन से जुड़े नेताओं को राष्ट्रविरोधी बताया गया है। इसी को लेकर सपा नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताते हुए विरोध दर्ज कराया। वहीं, होर्डिंग लगाने वाले भाजपा समर्थक एवं समाजसेवी राजेश गोयल ने पोस्टर फाड़े जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि होर्डिंग में भारत माता का चित्र भी बना हुआ था और उसे फाड़े जाने से उन्हें दुख पहुंचा है। विवाद के बाद गुरुवार को नई मंडी थाना प्रभारी आनंद देव मिश्र ने दोनों पक्षों को थाने बुलाकर बातचीत की। पुलिस ने सपा नेता गौरव जैन, होर्डिंग लगाने वाले भाजपा समर्थक एवं समाजसेवी

राजेश गोयल तथा पोस्टर की छपाई करने वाले प्रिंटिंग प्रेस संचालक को इस प्रकरण में आरोपी मानते हुए तीनों के खिलाफ 170 बीएनएस के तहत कार्रवाई की। तीनों को 20-20 हजार रुपये के मुचलके पर पाबंद किया गया। पुलिस ने भविष्य में इस प्रकार का कृत्य दोबारा नहीं करने की हिदायत देते हुए नोटिस दिया और इसके बाद सभी को थाने से छोड़ दिया।

होर्डिंग को लेकर देर रात गरमाया मामला भोपा रोड पर लगाए गए विवादित होर्डिंग को लेकर सपा नेताओं ने आपत्ति जताई थी। सपा नेताओं का आरोप था कि होर्डिंग में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित इंडिया गठबंधन के नेताओं को राष्ट्रविरोधी बताया गया है। इसी के विरोध में बीती देर रात सपा नेता गौरव जैन, सलमान त्यागी समेत कई पार्टी नेता और कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने होर्डिंग को लेकर विरोध दर्ज कराया और देखते ही देखते होर्डिंग को फाड़ दिया गया। सूचना मिलने पर नई मंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने मामले को आगे बढ़ने से रोकने के लिए दोनों पक्षों को थाने बुलाकर बातचीत की।

तीन लोगों पर हुई 170 बीएनएस के तहत कार्रवाई

नई मंडी थाने में दोनों पक्षों से बातचीत के बाद पुलिस ने सपा नेता गौरव जैन, भाजपा समर्थक एवं समाजसेवी राजेश गोयल और पोस्टर की प्रिंटिंग करने वाले प्रिंटिंग प्रेस संचालक के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने तीनों को 20-20 हजार रुपये के मुचलके पर पाबंद किया। साथ ही भविष्य में इस प्रकार का विवाद दोबारा उत्पन्न न करने की हिदायत दी गई और नोटिस देकर थाने से छोड़ दिया गया। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने विवादित होर्डिंग को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर का माहौल खराब करने के उद्देश्य से प्रायोजित तरीके से ऐसे पोस्टर और होर्डिंग लगाए जा रहे हैं, जिनमें विपक्ष के बड़े नेताओं को राष्ट्रविरोधी बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी की विचारधारा अथवा राजनीतिक गतिविधियों से असहमति हो सकती है, लेकिन किसी राजनीतिक दल या नेता को राष्ट्रविरोधी बताकर प्रचारित करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध की अपनी मयार्दा होती है। जिया चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि दोबारा इस तरह के पोस्टर या होर्डिंग जिले में लगाए गए तो समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक और कानूनी दायरे में रहकर उनका विरोध करेगी।

किसी को देशभक्ति का प्रमाणपत्र बांटने का अधिकार नहीं

जिया चौधरी ने कहा कि बीती रात गौरव जैन, सलमान त्यागी सहित पार्टी नेताओं ने इसी पोस्टर का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि किसी को भी राजनीतिक नेताओं को देशभक्ति का प्रमाणपत्र बांटने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध को राष्ट्रविरोध से जोड़ना उचित नहीं है। यदि किसी दल की विचारधारा या नीतियों से असहमति है तो उसका राजनीतिक और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जा सकता है।भाजपा समर्थक एवं समाजसेवी राजेश गोयल बोले- भारत माता का चित्र भी फाड़ा गया वहीं होर्डिंग लगाने वाले भाजपा समर्थक एवं समाजसेवी राजेश गोयल ने कहा कि पोस्टर को लेकर एक पार्टी ने आपत्ति जताई और उसे फाड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि पोस्टर की सामग्री को लेकर आपत्ति होना अलग बात है, लेकिन उसमें भारत माता का चित्र भी बना हुआ था। राजेश गोयल ने कहा कि भारत माता के चित्र को भी फाड़े जाने से उन्हें दुख हुआ है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाकर बातचीत की और इसके बाद मुचलका पाबंद की कार्रवाई की। इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस के पूर्व नगर अध्यक्ष अब्दुल्ला आरिफ भी मामले को लेकर नई मंडी थाने पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को स्पष्ट करना चाहिए

पिन्ना बाईपास पर मौत का कहर: कार-बाइक की भीषण टक्कर में युवक की दर्दनाक मौत

मजदूरों को मेहनताना देने दद्देडू जा रहा था आशीष, रास्ते में हुआ हादसा, चार मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया, कार पुलिस के कब्जे में

मुजफ्फरनगर। शहर कोतवाली क्षेत्र के पिन्ना बाईपास पर गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। कार और बाइक की जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार 32 वर्षीय युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान आशीष पुत्र प्रमोद निवासी ग्राम परासौली, थाना बुढ़ाना क्षेत्र के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद कुछ समय के लिए बाईपास पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था को संभालते हुए सामान्य कराया।

मजदूरों को पैसे देने के लिए घर से निकला था आशीष

बताया गया कि आशीष भट्टे पर लेबर ठेकेदारी का काम करता था। रोज की तरह वह अपने कामकाज के सिलसिले में घर से निकला था। गुरुवार को उसे मजदूरों को उनके मेहनताने के पैसे देने के लिए दद्देडू जाना था। इसी काम के लिए वह बाइक पर सवार होकर पिन्ना बाईपास से गुजर रहा था। किसी को अंदाजा नहीं था कि मजदूरों को मेहनत की कमाई देने के लिए

निकला आशीष खुद कभी वापस घर नहीं लौटेगा। बाईपास पर अचानक उसकी बाइक एक कार से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त बताई जा रही है कि आशीष गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर जा गिरा।

हादसे के बाद मौके पर जुटी राहगीरों की भीड़

दुर्घटना के बाद पिन्ना बाईपास पर चीख-पुकार मच गई। आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने अपने वाहनों को रोककर घायल युवक की मदद करने का प्रयास किया। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को अपने कब्जे में ले लिया। हादसे के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात को सुचारू कराया।

कार में शराब की बोतलें होने की राहगीरों ने दी जानकारी

हादसे के बाद मौके पर मौजूद कुछ राहगीरों ने पुलिस को बताया कि दुर्घटनाग्रस्त कार में शराब की बोतलें दिखाई दे रही थीं। राहगीरों की इस सूचना के बाद पुलिस ने कार को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हालांकि कार में शराब की बोतलें मिलने और हादसे के समय चालक की स्थिति क्या थी, इस संबंध में पुलिस की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

चार छोटे बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

शाहपुर में दिनदहाड़े बड़ी चोरी से मचा हड़कंप, नूर मस्जिद के इमाम के कमरे का ताला तोड़कर लाखों का माल साफ!

परिवार के साथ बाजार और डॉक्टर के यहां गए थे इमाम नौशाद, पीछे से चोरों ने सूने कमरे को बनाया निशाना; सोने-चांदी के आभूषण और भारी नकदी लेकर फरार हुए बदमाश

मुजफ्फरननगर। कस्बा शाहपुर के मोहल्ला कश्यावान स्थित माता वाली गली में दिनदहाड़े हुई चोरी की एक बड़ी वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। यहां स्थित नूर मस्जिद में इमामत करने वाले इमाम नौशाद के कमरे का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने-चांदी के कीमती आभूषण और भारी मात्रा में नकदी चोरी कर फरार हो गए। घटना उस समय हुई, जब इमाम नौशाद अपने परिवार के साथ बाजार और डॉक्टर के यहां गए हुए थे।

दिनदहाड़े सूने कमरे को निशाना बनाकर की गई इस वारदात ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद डायल 112 की टीम और कस्बा चौकी प्रभारी राहुल कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

सुबह 10 से 11 बजे के बीच वारदात को दिया गया अंजाम

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इमाम नौशाद अपने परिवार के साथ किसी काम से घर से बाहर निकले थे। परिवार पहले बाजार गया और इसके बाद डॉक्टर के यहां भी गया। इसी दौरान सुबह करीब 10 बजे से 11 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने मौके का फायदा उठाया। चोरों ने कमरे का ताला तोड़ा और अंदर दाखिल होकर सामान की तलाशी ली। इसके बाद कमरे में रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

जब इमाम नौशाद अपने परिवार के साथ वापस लौटे तो कमरे का ताला टूटा देखकर उनके होश उड़ गए। अंदर जाकर सामान की जांच की गई तो कीमती आभूषण और नकदी गायब मिली। चोरी की जानकारी फैलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।

दिनदहाड़े चोरी से मोहल्ले में मचा हड़कंप

नूर मस्जिद के इमाम के कमरे में दिनदहाड़े चोरी की खबर कुछ ही देर में पूरे मोहल्ले में फैल गई। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए। लोगों ने पुलिस से जल्द से जल्द चोरों का पता लगाकर गिरफ्तार करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चोरों ने जिस तरह दिन के समय सूने कमरे का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्हें घर के खाली होने की जानकारी थी या उन्होंने पहले इलाके की निगरानी की होगी। हालांकि, चोरों को इमाम के परिवार के बाहर जाने की जानकारी कैसे मिली, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

सूचना मिलते ही पुलिस ने संभाला मोर्चा

चोरी की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद कस्बा चौकी प्रभारी राहुल कुमार भी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने कमरे का बारीकी से निरीक्षण किया और चोरी के तरीके को समझने का प्रयास किया। कमरे के टूटे ताले समेत आसपास के स्थानों का भी जायजा लिया गया। पुलिस ने पीड़ित परिवार और आसपास मौजूद लोगों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई।

सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी पुलिस

चोरों की पहचान और उनके भागने के रास्ते का पता लगाने के लिए पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि सुबह 10 से 11 बजे के बीच इलाके में कोई संदिग्ध व्यक्ति या वाहन तो नहीं आया था। पुलिस आसपास के रास्तों, गलियों और प्रमुख स्थानों पर लगे कैमरों की फुटेज भी देख सकती है, ताकि वारदात से पहले और बाद में संदिग्धों की गतिविधियों का पता लगाया जा सके।

चोरी गए सामान की कीमत का लगाया जा रहा अनुमान

इमाम नौशाद के कमरे से चोरी हुए सोने-चांदी के आभूषण और नकदी की वास्तविक कीमत कितनी है, इसका पूरा आकलन किया जा रहा है।

गन्ना बांधते समय जहरीले सांप ने डसा, मेरठ में उपचार के दौरान युवक की मौत

खेत में साथियों के साथ गन्ना बांधने गया था 38 वर्षीय सतबीर, जिला अस्पताल से मेरठ रेफर होने के बाद तोड़ा दम; शुक्रताल में गंगा में प्रवाहित किया गया शव

मुजफ्फरनगर/छपार। थाना छपार क्षेत्र के गांव महरायपुर में उस समय मातम छा गया, जब खेत में गन्ना बांधते समय जहरीले सांप के डसने से एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक अपने साथियों के साथ गांव खुड्डा के जंगल में गन्ना बांधने के लिए गया था। अचानक सांप के डसने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां से गंभीर हालत में चिकित्सकों ने उसे मेरठ रेफर कर दिया। मेरठ में उपचार के दौरान गुरुवार सुबह युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक का शव गांव लाने के बाद परिजन उसे शुक्रताल लेकर पहुंचे, जहां गंगा में शव प्रवाहित कर दिया गया। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर है।

गन्ना बांधते समय सांप ने डसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव महरायपुर निवासी 38 वर्षीय सतबीर पुत्र फूलसिंह अपने साथियों के साथ गांव खुड्डा के जंगल में गन्ना बांधने के लिए गया था। खेत में गन्ने की फसल को बांधने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक एक जहरीले सांप ने सतबीर को डस लिया। सांप के डसने के बाद सतबीर की हालत बिगड़ने लगी। साथियों ने घटना की जानकारी उसके परिजनों को दी। परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लेकर गए।

जिला चिकित्सालय से मेरठ किया गया रेफर

परिजनों के अनुसार जिला चिकित्सालय में सतबीर को उपचार के लिए भर्ती कराया गया। बताया गया कि वहां सांप के जहर के उपचार के लिए आवश्यक टीका उपलब्ध नहीं हो सका, जिसके बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे मेरठ रेफर कर दिया। परिजन आनन-फानन में सतबीर को मेरठ लेकर पहुंचे और वहां उसका उपचार शुरू कराया गया। चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हो सका।

उपचार के दौरान गुरुवार सुबह मौत

मेरठ में उपचार के दौरान गुरुवार सुबह सतबीर की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन शव को लेकर गांव महरायपुर पहुंचे। युवक की अचानक हुई मौत से परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं सतबीर की मौत की खबर गांव में फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने के लिए पहुंचने लगे।

शुक्रताल में गंगा में प्रवाहित किया शव

परिजनों ने सतबीर के शव को अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के तहत शुक्रताल ले जाकर गंगा में प्रवाहित कर दिया। इस दौरान परिजनों और ग्रामीणों की आंखें नम रहीं। 38 वर्षीय युवक की सांप के डसने से हुई मौत ने गांव में गम का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीणों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें इस दुख की घड़ी में हिम्मत रखने की बात कही।

मीरापुर के प्राचीन भैरव मंदिर मे चोरी, दानपात्र तोड़कर हजारों की नकदी ले उड़ा चोर

लोहे की रॉड से दानपात्र का ताला तोड़ा, मंदिर भवन में भी चोरी का प्रयास, व्यवस्थापक ने पकड़ने की कोशिश की तो हमला कर जंगल की ओर भागा आरोपी, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात

मुजफ्फरनगर। मीरापुर कस्बे के प्राचीन भैरव मंदिर में दिनदहाड़े चोरी की वारदात से सनसनी फैल गई। मंदिर परिसर में घुसे एक चोर ने पहले लोहे की रॉड से दानपात्र का ताला तोड़ा और उसमें रखी हजारों रुपये की नकदी चोरी कर ली। इसके बाद आरोपी मंदिर भवन में घुसकर अन्य सामान व नकदी पर हाथ साफ करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान मंदिर व्यवस्थापक मौके पर पहुंच गए। उन्हें देखकर आरोपी ने भागने की कोशिश की और पकड़ने पर व्यवस्थापक के साथ धक्का-मुक्की व हमला कर फरार हो गया। चोरी की पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

बताया गया कि मंदिर व्यवस्थापक सतीश चावड़ी किसी काम से बाजार गए हुए थे। मंदिर में उनकी गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर एक युवक परिसर में दाखिल हो गया। आरोपी ने पहले आसपास की स्थिति को देखा और इसके बाद मंदिर के आंगन में रखे लोहे के दानपात्र को निशाना बनाया। चोर ने अपने साथ लाई गई लोहे की रॉड की मदद से दानपात्र का ताला तोड़ दिया। ताला टूटने के बाद आरोपी ने दानपात्र के अंदर रखी नकदी निकाल ली और वहां से मंदिर भवन की ओर चला गया।

छह महीने की दान राशि पर चोर ने किया हाथ साफ

मंदिर व्यवस्थापक के मुताबिक दानपात्र में पिछले करीब छह महीने से श्रद्धालुओं द्वारा दी जा रही दान राशि जमा थी। दानपात्र खोले जाने का समय नजदीक होने के कारण उसमें हजारों रुपये की नकदी जमा थी। आरोपी ने दानपात्र से पूरी नकदी निकाल ली। इसके बाद उसने मंदिर भवन के अंदर भी प्रवेश किया और वहां रखी अन्य नकदी व सामान चोरी करने का प्रयास करने लगा। इसी दौरान मंदिर व्यवस्थापक सतीश चावड़ी बाजार से वापस मंदिर पहुंच गए। मंदिर परिसर में पहुंचते ही उनकी नजर टूटे हुए दानपात्र पर पड़ी। ताला टूटा देखकर उन्हें चोरी का शक हुआ। उन्होंने मंदिर भवन में मौजूद संदिग्ध युवक को देख लिया और उसे पकड़ने का प्रयास किया। सतीश चावड़ी ने आरोपी को पकड़ लिया और शोर मचाना शुरू कर दिया। पकड़े जाने पर

व्यवस्थापक पर किया हमला, जंगल की ओर भागा व्यवस्थापक द्वारा शोर मचाने और पकड़ लिए जाने के बाद आरोपी घबरा गया। उसने खुद को छुड़ाने के लिए सतीश चावड़ी के साथ धक्का-मुक्की की और उन पर हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी मौके से भाग निकला और जंगल की ओर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। दिनदहाड़े मंदिर में हुई चोरी की जानकारी मिलते ही इलाके में चर्चा फैल गई। मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में आरोपी की गतिविधियां कैद हो गई हैं। फुटेज में आरोपी को मंदिर परिसर में प्रवेश करते और दानपात्र का ताला तोड़ते हुए देखा गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की जांच की और आरोपी की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

पुलिस को दी शिकायत, जल्द खुलासे की मांग

उपचार के दौरान महिला की मौत पर हर्ष मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल में हंगामा, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

महावीर चौक स्थित अस्पताल में 60 वर्षीय महिला की मौत के बाद बवाल, परिजनों ने चिकित्सकों पर देरी और इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया, अस्पताल प्रबंधन ने आरोपों को नकारा

मुजफ्फरनगर। शहर के महावीर चौक स्थित हर्ष मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल में गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे उपचार के दौरान एक करीब 60 वर्षीय महिला की मौत के बाद जमकर हंगामा हो गया। महिला की मौत से गुस्साए परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और कर्मचारियों पर उपचार में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। परिजनों का आरोप है कि समय पर चिकित्सक ने उपचार शुरू नहीं किया और इलाज के दौरान भी कई स्तर पर लापरवाही बरती गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने अस्पताल में उपचार को लेकर सवाल उठाए और विरोध किया तो उनके साथ कथित तौर पर मारपीट की गई। वहीं अस्पताल के चिकित्सक ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि महिला को बेहद गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था और बिस्तर पर लिटाते ही उनकी हृदय गति रुक गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

सांस लेने में परेशानी के बाद अस्पताल लेकर पहुंचे थे परिजन

मृतका की पहचान करीब 60 वर्षीय शीला निवासी न्यामू के रूप में हुई है। मृतका के भतीजे अमित कुमार के अनुसार शीला को गुरुवार सुबह अचानक सांस लेने में काफी परेशानी होने लगी थी। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें उपचार के लिए महावीर चौक स्थित हर्ष मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल लेकर

पहुंचे। परिजनों के मुताबिक अस्पताल पहुंचने के बाद उन्होंने महिला को उपचार के लिए आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया। उनका आरोप है कि आपातकालीन विभाग की फीस जमा कराने के बावजूद चिकित्सक के आने में देरी हुई।

बिस्तर खाली नहीं होने का भी लगाया आरोप

परिजनों का कहना है कि अस्पताल पहुंचने के बाद उन्हें कुछ समय तक मरीज के लिए बिस्तर मिलने का इंतजार करना पड़ा। परिजनों का आरोप है कि महिला की हालत पहले से गंभीर थी और ऐसी स्थिति में तत्काल उपचार की आवश्यकता थी, लेकिन कथित तौर पर उपचार प्रक्रिया में देरी हुई।

इसी दौरान महिला की हालत और बिगड़ने का आरोप परिजनों ने लगाया है। उनका कहना है कि यदि समय पर उपचार मिल जाता तो शायद महिला की जान बच सकती थी।

सिरिंज और नस बदलने को लेकर भी सवाल

मृतका के भतीजे अमित कुमार ने उपचार के दौरान सिरिंज से संबंधित समस्या होने का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि उपचार के दौरान सिरिंज को लेकर समस्या सामने आने के बावजूद मरीज की नस बदलने की दिशा में कथित तौर पर ध्यान नहीं दिया गया। परिजनों का आरोप है कि उपचार में हुई इन कथित लापरवाहियों के चलते शीला की हालत लगातार बिगड़ती चली गई और आखिरकार उनकी मौत हो गई। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अस्पताल प्रबंधन ने उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही से इनकार किया है।

मौत के बाद परिजनों का फूटा गुस्सा, अस्पताल में हंगामा

गुरुवार दोपहर महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया और चिकित्सकों तथा अस्पताल कर्मचारियों से उपचार के संबंध में जवाब मांगने लगे। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने जब महिला की मौत के कारण और उपचार में हुई कथित लापरवाही को लेकर सवाल उठाए तो अस्पताल के कुछ कर्मचारियों ने उनके साथ मारपीट की। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

चिकित्सक ने कहा- बेहद गंभीर हालत में लाई गई थीं महिला

वहीं अस्पताल के चिकित्सक डॉ. अजय गुप्ता ने परिजनों द्वारा लगाए गए उपचार में लापरवाही के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। डॉ. गुप्ता के अनुसार करीब 60 वर्षीय शीला को अस्पताल में अत्यंत गंभीर अवस्था में लाया गया था। उनका कहना है कि महिला का रक्तचाप और शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बेहद कम था। चिकित्सक के मुताबिक मरीज की गंभीर स्थिति के बारे में परिजनों को जानकारी देने के बाद उन्हें भर्ती किया गया।

डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि महिला को बिस्तर पर लिटाते ही उनकी हृदय गति रुक गई। उनका दावा है कि मरीज की स्थिति इतनी गंभीर थी कि चिकित्सकीय प्रक्रिया के तहत नली लगाने तक का समय नहीं मिल सका।

अस्पताल ने भी तीमारदारों पर लगाया अभद्रता का आरोप

परिजनों द्वारा लगाए गए मारपीट के आरोपों को भी अस्पताल प्रबंधन ने खारिज किया है। डॉ. अजय गुप्ता का कहना है कि अस्पताल के किसी कर्मचारी ने तीमारदारों के साथ मारपीट नहीं की। इसके विपरीत अस्पताल की ओर से आरोप लगाया गया कि मरीज के साथ आए कुछ लोगों ने अस्पताल के कर्मचारियों के साथ अभद्रता की और हाथापाई की। इस तरह घटना को लेकर अस्पताल और मृतका के परिजनों की ओर से एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संभाली स्थिति

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों से जानकारी ली और हंगामे को शांत कराया।

फिलहाल महिला की मौत को लेकर परिजनों और अस्पताल प्रबंधन के अलग-अलग दावे सामने आए हैं। एक ओर जहां परिजन उपचार में लापरवाही और मारपीट का आरोप लगा रहे हैं, वहीं अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि महिला की हालत पहले से बेहद गंभीर थी और चिकित्सकीय उपचार शुरू होने से पहले ही उनकी हृदय गति रुक गई। सिविल लाइन थाना प्रभारी निरीक्षक इंद्रजीत सिंह ने बताया कि महावीर चौक स्थित एक अस्पताल पर महिला की मौत की सूचना मिली थी जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची थी लेकिन मामले में कोई तहरीर नहीं आई है तहरीर आएगी तो तो कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं

युद्ध जान-माल, अर्थव्यवस्था और शांति के लिए विनाशकारी है। रूस-यूक्रेन व पश्चिम एशिया संघर्ष से वैश्विक आपूर्ति, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पर गहरा संकट पड़ा है। भारत संवाद व कूटनीति से शांति का समर्थक है। युद्ध मानव सभ्यता की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक है। इतिहास गवाह है कि किसी भी युद्ध ने समस्याओं का स्थायी समाधान करने के बजाय नई जटिलताओं को जन्म दिया है। अपनी जीत का डंका बजाने वाला देश भी वास्तव में बहुत कुछ खो देता है। युद्ध के परिणाम जान-माल की भारी क्षति, आर्थिक बर्बादी, विस्थापन और सामाजिक अस्थिरता के रूप में सामने आते हैं।यह केवल दो देशों या दो पक्षों के बीच सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर सीमाओं को पार कर अर्थव्यवस्था, व्यापार, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा करता है। रूस-यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष इसके उदाहरण हैं। इनसे बनी परिस्थितियों से पता चलता है कि आज की परस्पर जुड़ी हुई वैश्विक व्यवस्था में किसी एक क्षेत्र की अस्थिरता का असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है।भारत हमेशा वैश्विक शांति का समर्थक रहा है और युद्ध के बजाय महात्मा बुद्ध के मार्ग पर चलने का संदेश देता रहा है। इसी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए किर्गिस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के मौके पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतहीन युद्ध के बजाय इसके अंत की ओर बढ़ने की वकालत की।गौरतलब है कि पिछले करीब साढ़े चार वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध का सबसे बड़ा प्रभाव ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर पड़ा है। रूस दुनिया के प्रमुख तेल, गैस और उर्वरक उत्पादक देशों में से एक है, जबकि यूक्रेन गेहूं, मक्का और सूरजमुखी जैसे कृषि उत्पादों का महत्त्वपूर्ण निर्यातक रहा है।मगर युद्ध के कारण इन वस्तुओं का उत्पादन, परिवहन और निर्यात प्रभावित हो रहा है। काला सागर के रास्ते अनाज की आपूर्ति में रुकावट ने कई देशों में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों और खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। यह क्षेत्र ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए महत्त्वपूर्ण है। होर्मुज जलमार्ग को बंद किए जाने से तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है, जिससे भारत समेत कई देशों को ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है।संघर्ष के इन मोर्चों से समुद्री मार्गों में जोखिम बढ़ा है और जहाजों के लंबे वैकल्पिक रास्ते अपनाने से माल ढुलाई की लागत भी बढ़ी है, जिसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ा है।

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है।

दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले

(ललित गर्ग)

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है।

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत को ऐसी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसकी ओर दुनिया आश्चर्य और विश्वास दोनों के साथ देख रही है। इस विकास दर ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है एवं एक उजाला बिखेरा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वृद्धि ऐसे समय दर्ज हुई है, जब परिस्थितियां सामान्य नहीं थीं। महंगाई, ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पथ मजबूत बना रहा। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। यानी एक वर्ष में आर्थिक वृद्धि की गति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया है। घरेलू मांग की मजबूती, सरकारी पूंजीगत व्यय, विनिर्माण, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों का योगदान इस प्रदर्शन के पीछे महत्वपूर्ण रहा है।

आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी समझ में आता है, जब उसे उसके वैश्विक संदर्भ में देखा जाए। आज दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं केवल आर्थिक नीतियों से प्रभावित नहीं हो रहीं, बल्कि युद्ध, कूटनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंध भी उनकी दिशा तय कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया का तनाव ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति तंत्र के लिए चिंता पैदा करता है। इन परिस्थितियों में भारत का अपेक्षाकृत तेज आर्थिक विकास यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने लिए ऐसे मजबूत घरेलू आधार तैयार किए हैं, जो बाहरी झटकों को सहने की क्षमता रखते हैं। यही वह परिवर्तन है जो भारत को केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। करोड़ों उपभोक्ताओं की मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बुनियादी ढांचे पर निवेश और बदलती उपभोग संस्कृति ने अर्थव्यवस्था को आंतरिक गति प्रदान की है। जब वैश्विक बाजार अनिश्चित होते हैं, तब घरेलू मांग अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा-कवच का काम करती है। इसीलिए वर्तमान विकास दर में घरेलू मांग की मजबूती को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए। इस आर्थिक प्रदर्शन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वृद्धि केवल एक क्षेत्र के सहारे नहीं टिकी है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत धीरे-धीरे उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्यतः सेवा क्षेत्र की शक्ति के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब देश में उत्पादन बढ़ाने, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में किए गए प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। निर्माण क्षेत्र भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़कें, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, आवास, औद्योगिक गलियारे और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश का प्रभाव केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों में नहीं दिखाई देता, बल्कि उससे भविष्य की आर्थिक क्षमता भी निर्मित होती है। सरकारीएजेंसियां

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है। जनधन खातों से लेकर डिजिटल भुगतान तक और राजमार्गों से लेकर रेलवे के आधुनिकीकरण तक, आर्थिक गतिविधियों का एक व्यापक तंत्र तैयार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश के बड़े बाजार को अधिक एकीकृत करने में भूमिका निभाई है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबारी वातावरण को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अनेक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निवेश को बढ़ावा दिया है। इन नीतियों का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद के ताजा आंकड़े इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत अवश्य देते हैं।

आम नागरिक के लिए आर्थिक विकास का अर्थ तभी सार्थक है, जब उसके जीवन में रोजगार के अवसर बढ़ें, आय में वृद्धि हो, महंगाई नियंत्रित रहे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हों तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार आए। सकल घरेलू उत्पाद हमें अर्थव्यवस्था की गति बताता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उस विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक किस प्रकार पहुंच रहा है। इसलिए भारत की अगली चुनौती तेज विकास से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। आर्थिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी रोजगार है। विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विस्तार इसलिए आशाजनक है क्योंकि ये बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन भविष्य में भारत को ऐसे उद्योगों की आवश्यकता होगी, जो बड़ी संख्या में युवाओं को सम्मानजनक और स्थायी रोजगार दे सकें। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि उसे कौशल, शिक्षा, तकनीक और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं तो यही युवा शक्ति भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ऊर्जा बन सकती है।

भारत का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर बनना नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना होना चाहिए। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं को इतना मजबूत करना है कि भारत वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सके। आज दुनिया चीन के विकल्प के रूप में विभिन्न उत्पादन केंद्रों की तलाश कर रही है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, तकनीकी क्षमता और लोकतांत्रिक व्यवस्था जैसी विशिष्ट ताकतें हैं। यदि भारत विनिर्माण, अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है, तो वह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में कहीं अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। 2047 का विकसित भारत केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि देशवासियों की सामूहिक आकांक्षा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर इस यात्रा में एक उत्साहजनक पड़ाव है, मंजिल नहीं। भारत को लगातार उच्च विकास दर, मजबूत वित्तीय व्यवस्था और स्थिर आर्थिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पर भी समान ध्यान देना होगा। इतिहास

भारत की आर्थिक कहानी अब केवल आंकड़ों की कहानी नहीं रह गई है। यह आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की कहानी बन रही है। दुनिया जब युद्ध और आर्थिक अस्थिरता की छाया में अपनी दिशा तलाश रही है, तब भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन उसे एक भरोसेमंद और संभावनाशील शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारत ने यह संदेश दिया है कि वैश्विक संकटों के बीच भी उसकी आर्थिक बुनियाद मजबूत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही आर्थिक नीतियों और योजनाओं को अब अगले चरण में अधिक रोजगार, अधिक निवेश, अधिक उत्पादन और अधिक समान अवसरों से जोड़ना होगा। भारत के आर्थिक आकाश पर उगता यह उजाला तभी स्थायी प्रकाश बनेगा, जब विकास की रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यही 2047 के विकसित भारत की वास्तविक कसौटी होगी और यही आर्थिक शक्ति को जनशक्ति में बदलने का मार्ग भी। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जन्माष्टमी

श्रीकृष्ण भक्ति में नर्तकी ने बेचा घर, बनाया सोने का मुकुट, कान्हा ने दिखाया ऐसा चमत्कार, देखते रह गए पंडित पुजारी

(ज्योति साह)

भगवान कृष्ण की एक ऐसी भक्त भी थी जिसने अपना घर बेचकर ठाकुरजी के लिए मुकुट बनवाया। वह थी तो एक नर्तकी लेकिन उसका मन एकदम साफ और हृदय श्रीकृष्ण भक्ति से परिपूर्ण था। जब वह सोने का मुकुट लेकर मंदिर पहुंची तो कान्हाजी ने ऐसा चमत्कार दिखाया कि वहां मौजूद पंडित और पुजारी भी देखते रह गए। चलिए विस्तार से जानें नर्तकी की भक्ति और ठाकुरजी के चमत्कार की कथा। श्रीकृष्ण अपने भक्तों पर हमेशा कृपा बनाए रखते हैं लेकिन, समय-समय पर उनकी परीक्षा भी जरूर लेते हैं। कहते हैं कि जिसने अपने जीवनभर की कमाई, कर्म और स्वयं को भगवान कृष्ण को समर्पित कर दिया श्रीकृष्ण ने उन्हें अपनी शरण में ले लिया। इसी का एक उदाहरण है एक नर्तकी की कथा, जिसने श्रीकृष्ण की भक्ति में अपने पूरी संपत्ति यहां तक की अपना घर भी बेच दिया। उससे सोने का मुकूट बनवाया और ले जाकर ठाकुरजी को अर्पित कर दिया। तब कान्हाजी ने भी कुछ ऐसी लीला रची और चमत्कार दिखाया कि मंदिर के पंडित, पुजारी और वहां मौजूद सभी लोग दंग रह गए। चलिए विस्तार से जानें इस श्रीकृष्ण भक्त की कथा। दक्षिण भारत में एक बार बहुत सारे संतों श्रीहरि नाम का संकीर्तन करते हुए जा रहे थे। तभी एक नगर आया और वहां उन्होंने सोचा कि अब कोई ऐसा स्थान मिल जाए जहां हम बैठें और ठाकुर जी सेवा कर सकें। उसी क्षण उन्हें एक घर दिखाई दिया जो दिखने में बहुत अद्भुत था। उसके आंगन में कई प्रकार के पुष्प, पौधे आदि लगे हुए थे। सारे संत वहीं जाकर बैठ गए और बाल गोपाल की सेवा में लग गए। तब उस घर में रह रही महिला ने ऊपर से झांककर देखा कि उसके घर संत आए हैं।

नर्तकी संतों को देखकर हुई प्रसन्न – पहले के समय में संत अगर कहीं ठहरना चाहें तो उनका पूरा सम्मान, सहयोग और सेवा की जाती है। ऐसे में महिला को बहुत प्रसन्नता हुई की उसके घर संत पधारे हैं और इसी प्रसन्नता के साथ वह तुरंत नीचे गई। वहां, जाकर संतो से कहा की बताइए आपकी मैं किस प्रकार सेवा करूं, आपके लिए क्या कर सकती हैं। तब संतों ने ठाकुरजी की सेवा के लिए जो-जो पात्र और सामग्री मांगी वह सब महिला ने लाकर उन्हें दे दिया। संत रातभर वहीं ठहरे और भगवान कृष्ण के कीर्तन व सेवा में लगे रहे। अगले दिन जब सुबह संत आगे की ओर बढ़ने के लिए तैयार हुए तब महिला जाकर एक थाली में अद्भुत प्रकार की दक्षिणा, जिसमें स्वर्ण और कई चीजें शामिल थीं। वो सब लेजाकर संतों को देने लगी।

संतो ने दक्षिणा नहीं की स्वीकार, नर्तकी हुई दुखी – संत दक्षिणा लेने के लिए तो तैयार थे लेकिन, पहले के समय संत दक्षिणा लेने से पहले यह जरूर पूछते थे कि इस सामग्री का धन तुम्हारे पास कैसे आया। अथार्त, तुम्हारा क्या व्यापार है और तुम क्या काम करती हो। ऐसा प्रश्न करते ही महिला के हाथ कांपने लगे और उसके मुख से प्रसन्नता गायब हो गई। चेहरा एकदम मुरझाया हुआ लगने लगा। फिर, उसने उत्तर देते हुए कहा की मैं आपसे झूठ नहीं कहूंगी, मैं एक नगर नर्तकी हूं और इससे मुझे जो धन प्राप्त होता है उससे ही मैं अपना घर चलाती हूं। यह सुनते ही संतो ने दक्षिणा लेने से मना कर दिया। फिर, नर्तकी खूब विलाप करने लगी और संतों से कहा कि आप जो कहेंगे वो मैं करूंगी लेकिन, मेरी यह दक्षिणा स्वीकार कर लीजिए। यह पहली बार था कि अपने कर्मों का दुख हो रहा था।

श्रीकृष्ण भक्ति में घर बेचने को तैयार हुई नर्तकी – संतों की टोली को महिला पर करुणा आई और उन्होंने महिला से कहा कि, यह दक्षिणा तो हम नहीं ले सकते लेकिन अगर तुम अपने कर्मों पर इतनी ग्लानि हो तो इसका एक उपाय बताते हैं। यह सुनते ही महिला ने अपने आंसू पोछे और उनसे उपाय पूछते हुए कहा कि आप जैसा कहेंगे वैसा मैं करुंगी। इस पर संतो ने कहा कि शुरू से लेकर अब तक तुमने जितना भी धन-संपत्ति आदि कमाया है वो सबकुछ भगवान कृष्ण की सेवा में लगा दो। यह बात सुनकर महिला दुखी नहीं थी बल्कि, बहुत प्रसन्न हुई की संत उसकी दक्षिण स्वीकार कर लेंगे और वह अपनी सारी संपत्ति श्रीकृष्ण को सौंप रही है। संतो ने सारी धन-संपत्ति से ठाकुरजी के लिए स्वर्ण का मुकुट बनवाने के लिए कहा।

ठाकुरजी के लिए बनवाया सोने का मुकुट – जिस प्रकार का मुकुट संतो ने नर्तकी से बनवाने को कहा उसने ठीक वैसा ही मुकुट बनवाया। इसके निर्माण होने तक संतों की टोली वहीं ठहरी रही और श्रीहरि का कीर्तन करते रही। मुकुट बहुत ही अद्भुत बनकर तैयार हुआ। तब संतो ने कहा कि इसे दक्षिण भारत में तिरुचिरापल्ली के श्रीरंगनाथ मंदिर में इसे ले जाकर भेंट कर दो। महिला सभी संतो के साथ मुकुट लेकर मंदिर पहुंच गई। वहां के महात्मा ने भी उसे अंदर प्रवेश करने दिया। जिस पर लोगों ने बहुत विरोध किया लेकिन, इतने बड़े महात्मा के सामने कोई कुछ बोल सका।

खेतों में अनाज भरपूर, फिर भी थाली में पोषण की कमी; भारत के सामने खाद्य सुरक्षा की नई चुनौती

हाल के वर्षों में युद्धों और भू-राजनीतिक तनावों ने खाद्य संकट का एक नया चेहरा दिखाया है। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। युद्ध से पहले रूस और यूक्रेन गेहूं, सूरजमुखी तेल और मक्के के प्रमुख निर्यातकों में शामिल थे। युद्ध ने उत्पादन और निर्यात दोनों को प्रभावित किया, जिससे वैश्विक बाजार में खाद्य वस्तुओं की कीमतों और आपूर्ति पर दबाव बढ़ा। 'सेंटर फार स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' के जून 2026 के विश्लेषण के अनुसार, युद्ध के चार साल बाद भी यूक्रेन का 2025 का अनाज निर्यात 2020 की तुलना में लगभग 35 फीसद कम रहा।

(सुनिधि मिश्रा)

वैश्विक युद्ध, जलवायु परिवर्तन, महंगाई और बढ़ती आबादी ने खाद्य सुरक्षा को दुनिया के सामने बड़ी चुनौती बना दिया है। भारत ने खाद्यान्न उत्पादन और कुपोषण कम करने में अहम प्रगति की है।

वैश्विक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन और दुनिया में बढ़ते युद्धों ने केवल अर्थव्यवस्था, महंगाई, पर्यावरण और ऊर्जा संकट को ही गहरा नहीं किया है, बल्कि खाद्य संकट को भी एक नई चुनौती के रूप में सामने ला दिया है। खाद्य संकट अब केवल भूख का प्रश्न नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और आर्थिक विकास से भी जुड़ गया है। बढ़ती आबादी, सीमित संसाधनों और महंगाई के दबाव के कारण करोड़ों लोगों की थाली तक सुरक्षित, पर्याप्त और पौष्टिक भोजन नहीं पहुंच पा रहा है। इसलिए खाद्य सुरक्षा को अब केवल अनाज की उपलब्धता के बजाय उत्पादन, पहुंच, क्रय-शक्ति और वितरण से जुड़ी व्यापक चुनौती के रूप में समझना होगा।

हाल के वर्षों में युद्धों और भू-राजनीतिक तनावों ने खाद्य संकट का एक नया चेहरा दिखाया है। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। युद्ध से पहले रूस और यूक्रेन गेहूं, सूरजमुखी तेल और मक्के के प्रमुख निर्यातकों में शामिल थे। युद्ध ने उत्पादन और निर्यात दोनों को प्रभावित किया, जिससे वैश्विक बाजार में खाद्य वस्तुओं की कीमतों और आपूर्ति पर दबाव बढ़ा। 'सेंटर फार स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' के जून 2026 के विश्लेषण के अनुसार, युद्ध के चार साल बाद भी यूक्रेन का 2025 का अनाज निर्यात 2020 की तुलना में लगभग 35 फीसद कम रहा। रूस के महत्त्वपूर्ण उर्वरक निर्यातक होने के कारण युद्ध का असर कृषि लागत पर भी पड़ा। पश्चिम एशिया के संघर्षों ने समुद्री व्यापार मार्गों को जोखिम में डालकर खाद्य आपूर्ति की अनिश्चितता और बढ़ा दी है।

इन परिस्थितियों ने दुनिया की सरकारों को यह सोचने पर विवश किया है कि खाद्य सुरक्षा अब राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र की पांच एजंसियों द्वारा जारी रिपोर्ट 'विश्व में खाद्य सुरक्षा एवं पोषण की स्थिति, 2026' के अनुसार, वर्ष 2025 में दुनिया की करीब 7.8 फीसद आबादी यानी लगभग 64.5 करोड़ लोग भूख से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा लगातार तीसरे वर्ष घटा है। वर्ष 2024 में यह 8.1 फीसद और 2022 में 8.6 फीसद था। हालांकि इस सुधार को स्थायी उपलब्धि मानना जल्दबाजी होगी, क्योंकि पौष्टिक भोजन की कीमत लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में एक पौष्टिक थाली की औसत वैश्विक कीमत लगभग 4.28 डालर प्रतिदिन हो गई, जबकि 2017 में यह 2.94 डालर थी।

अप्रैल 2026 में जारी 'खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट' भी चिंताजनक तस्वीर प्रस्तुत करती है। इसके अनुसार 47 देशों में लगभग 26.6 करोड़ लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। पहली बार एक ही वर्ष में गाजा और सूडान में अकाल जैसी स्थितियां सामने आई। स्पष्ट है कि वैश्विक स्तर पर खाद्य संकट का स्वरूप एक समान नहीं है। दक्षिण एशिया और लातिन अमेरिका में स्थिति में कुछ सुधार दिखता है, लेकिन अफ्रीका और पश्चिम एशिया के अनेक हिस्सों में संकट लगातार गहरा रहा है। ऐसे में भारत की स्थिति उपलब्धि और चुनौती, दोनों का मिश्रण है।

गौरतलब कि भारत में कुपोषित लोगों का अनुपात 2004-06 के 21.1 फीसद से घटकर 2023-25 में 9.8 फीसद रह गया है। इस अवधि में कुपोषित लोगों की संख्या भी लगभग 24 करोड़ से घटकर 14.25 करोड़ रह गई। दो दशकों में हुआ यह सुधार निश्चित रूप से महत्त्वपूर्ण है, लेकिन दूसरी ओर 2025 में भारत की करीब 35.5 फीसद आबादी, यानी 52 करोड़ से अधिक लोग पौष्टिक और संतुलित भोजन का खर्च वहन करने की स्थिति में नहीं थे। यह आंकड़ा 2017 के 59.8 फीसद से कम जरूर हुआ है, लेकिन अभी भी काफी बड़ा है। भारत में पौष्टिक भोजन की अनुमानित कीमत 2025 में करीब 4.11 डालर प्रतिदिन रही।

यहीं भारत के खाद्य संकट का सबसे बड़ा विरोधाभास सामने आता है। देश में अनाज की कमी नहीं है, लेकिन संतुलित पोषण की कमी अब भी गंभीर है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में लगभग 35.5 फीसद बच्चों का कद उनकी उम्र के अनुपात में कम है और 19.3 फीसद बच्चे कम वजन की समस्या से जूझ रहे हैं। दूसरी ओर, महिलाओं में रक्ताल्पता और शहरी क्षेत्रों में बढ़ता मोटापा एक अलग चिंता पैदा कर रहे हैं। सस्ता और अधिक प्रसंस्कृत भोजन कई परिवारों के लिए मजबूरी बन रहा है। परिणामस्वरूप भारत एक साथ अल्पपोषण और मोटापे के दोहरे बोझ का सामना कर रहा है।

गौरतलब है कि केंद्रीय कृषि मंत्रालय के नवंबर 2025 के अंतिम अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2024-25 में देश ने करीब 35.77 करोड़ टन खाद्यान्न का उत्पादन किया। चावल और गेहूं का उत्पादन रिकार्ड स्तर पर रहा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली भी लगभग 80 करोड़ से अधिक लोगों तक सस्ता अनाज पहुंचा रही है। इसलिए भारत की मूल चुनौती अब केवल अधिक अनाज पैदा करना नहीं, बल्कि हर परिवार की थाली में विविधता और पोषण सुनिश्चित करना है।

इस चुनौती की जड़ें कई स्तरों पर फैली हैं। खाद्य महंगाई, डीजल और उर्वरकों की बढ़ती लागत तथा दालों और तिलहनों के आयात पर निर्भरता कृषि व्यवस्था पर दबाव डालती है। गरीबी और आय की असमानता यह तय करती है कि परिवार आय का कितना हिस्सा पौष्टिक भोजन पर खर्च कर सकता है। गांव और शहर के बीच की आर्थिक दूरी भी भोजन की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। वहीं, अनियमित मानसून, सूखा, बाढ़, भूजल का अत्यधिक दोहन और मिट्टी की घटती उर्वरता भविष्य की खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे हैं।

इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में किसान है। अगर खाद्य सुरक्षा राष्ट्रीय प्राथमिकता है, तो किसान की आर्थिक सुरक्षा को उससे अलग नहीं किया जा सकता। छोटे और सीमांत किसानों के लिए बीज, खाद, डीजल और सिंचाई की बढ़ती लागत के साथ मौसम का जोखिम तथा बाजार में कीमतों की अनिश्चितता बड़ी चुनौती है। फसल बीमा, बेहतर भंडारण, प्रसंस्करण सुविधाओं और डिजिटल बाजार तक पहुंच को मजबूत करना जरूरी है। किसान की आय स्थिर होगी, तो कृषि उत्पादन भी अधिक टिकाऊ बनेगा और देश की खाद्य सुरक्षा की नींव मजबूत होगी।

आगे का रास्ता स्पष्ट है। भारत को जलवायु-अनुकूल कृषि, सूखा और गर्मी सहने वाली फसल किस्मों, सटीक खेती तथा स्मार्ट सिंचाई जैसी तकनीकों को तेजी से अपनाना होगा। मिलेट्स यानी मोटे अनाजों, दालों और स्थानीय अनाजों को बढ़ावा देना पोषण और पर्यावरण, दोनों के लिए उपयोगी होगा। इसके साथ, बेहतर भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण में निवेश, आपूर्ति शृंखला को मजबूत करना और भोजन की बर्बादी कम करना भी आवश्यक है। स्थानीय खाद्य प्रणालियों को मजबूत किए बिना दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा संभव नहीं है।

इक्कीसवीं सदी में जिस देश के पास उपजाऊ मिट्टी, पर्याप्त और स्वच्छ पानी, स्वस्थ किसान तथा हर नागरिक तक पौष्टिक भोजन की पहुंच होगी, वही आर्थिक और रणनीतिक रूप से मजबूत होगा। भारत ने अनाज उत्पादन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। अब अगली मंजिल बेहतर थाली की है। सवाल यह नहीं होना चाहिए कि देश कितना अनाज पैदा करता है, बल्कि यह कि क्या हर भारतीय को संतुलित, सुरक्षित, पौष्टिक और सस्ता भोजन उपलब्ध है। भारत को खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर पोषण, किसान और पर्यावरण- इन तीनों की सुरक्षा को एक साथ साधना होगा। आखिरकार खाद्य संकट केवल खेत-खलिहान का सवाल नहीं, बल्कि राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा का प्रश्न है।

हापुड़ की सुख स्टील फैक्ट्री में भीषण आग, कई किमी दूर तक दिखीं लपटें; 3 कर्मचारी मामूली झुलसे

हापुड़। धौलाना थाना क्षेत्र के फेज-3 औद्योगिक इलाके में गुरुवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब सुख स्टील प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री के शेड नंबर-3 में भीषण आग लग गई। फैक्ट्री में फोम के गद्दे बनाने का काम भी होता था और मौके पर भारी मात्रा में ईपीई पैकेजिंग फोम रखा हुआ था। फोम में आग लगते ही कुछ ही देर में लपटें विकराल हो गईं और काले धुएं का गुबार आसमान में फैल गया। आग की लपटें और धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से साफ दिखाई दे रहा था।आग की भयावहता को देखते हुए फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। अंदर काम कर रहे कर्मचारियों और मजदूरों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। हालांकि समय रहते अधिकांश मजदूर फैक्ट्री से बाहर निकल गए और बड़ा जनहानि का हादसा टल गया।

शेड नंबर-3 में लगी आग ने देखते ही देखते लिया विकराल रूप

शुरूआती जानकारी के मुताबिक आग फैक्ट्री के शेड नंबर-3 में लगी थी। इस शेड में बड़ी मात्रा में ईपीई पैकेजिंग फोम रखा हुआ था। फोम अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण आग ने तेजी से पूरे हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया।देखते ही देखते शेड से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और काले धुएं का घना गुबार आसमान में छा गया। आसपास के औद्योगिक क्षेत्र में भी आग की सूचना फैलते ही लोगों में दहशत का माहौल बन गया। **आग की चपेट में आया लाखों रुपये का सामान**

भीषण आग के कारण शेड में रखा भारी मात्रा में फोम और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। शुरूआती अनुमान के अनुसार लाखों रुपये के सामान के

नुकसान की बात सामने आ रही है। हालांकि वास्तविक नुकसान का आकलन आग पूरी तरह बुझने और फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से विवरण उपलब्ध कराए जाने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

आग की तेज लपटों के कारण दमकल कर्मियों के सामने भी चुनौती बड़ी थी, क्योंकि फैक्ट्री में रखे फोम के कारण आग तेजी से फैलने का खतरा बना हुआ था।

तीन कर्मचारी मामूली झुलसे, अस्पताल में भर्ती

हादसे के दौरान फैक्ट्री में काम कर रहे तीन कर्मचारियों के मामूली रूप से झुलसने की जानकारी सामने आई है। आग लगने के बाद उन्हें तत्काल रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया और उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, फैक्ट्री में मौजूद अन्य मजदूरों ने समय रहते सूझबूझ दिखाई और आग फैलने से पहले ही अंदर से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। शुरूआती जानकारी के अनुसार किसी अन्य कर्मचारी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है।

आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग सक्रिय हो गया। चीफ फायर ऑफिसर अजय शर्मा के नेतृत्व में दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग को चारों तरफ से घेरकर बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों ने लगातार पानी की बौछार करते हुए आग को नियंत्रित करने का प्रयास किया। आग की तीव्रता और शेड में रखे फोम की वजह से अभियान के दौरान दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

समय रहते काबू पाया, सात शेड और सामान सुरक्षित

दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि आग को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया, जिससे फैक्ट्री के बाकी सात शेड आग की चपेट में आने से बच गए। इन शेडों में रखा सामान भी सुरक्षित बचा लिया गया। यदि आग दूसरे शेडों तक पहुंच जाती तो नुकसान काफी अधिक हो सकता था। दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से बड़े नुकसान को टालने में सफलता मिली।

आग लगने के कारणों की जांच शुरू

घटना की सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंची। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है। संबंधित विभागों की ओर से घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है और आग लगने की वजह की जांच की जा रही है। आग शॉर्ट सर्किट, मशीनरी में तकनीकी खराबी या किसी अन्य कारण से लगी, इसका पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। प्रशासन और दमकल विभाग की टीम नुकसान का भी आकलन कर रही है। औद्योगिक क्षेत्र में मची अफरा-तफरी भीषण आग के दौरान फैक्ट्री से उठती ऊंची लपटों और काले धुएं के कारण आसपास के इलाके में भी दहशत का माहौल रहा। लोग फैक्ट्री के आसपास जमा हो गए और आग की भयावहता को देखते रहे। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन दमकल विभाग की टीम मौके पर निगरानी कर रही है, ताकि दोबारा आग भड़कने की स्थिति न बने। प्रशासन की जांच के बाद ही हादसे की पूरी तस्वीर और नुकसान का वास्तविक आंकड़ा सामने आएगा।

शामली में जर्जर मकान बना खतरा: सैकड़ों वर्ष पुरानी छत गिरने की आशंका से सहमा परिवार, एडीएम से लगाई गुहार

शामली। झिंझाना कस्बे के मोहल्ला कानूनगोयान निवासी आदित्य मित्तल ने सैकड़ों वर्ष पुराने जर्जर मकान की छत से पैदा हो रहे खतरे को लेकर जिलाधिकारी को शिकायत पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने जर्जर छत को उतरवाने तथा रास्ते पर लगाए गए लोहे के जाल और ताले को हटवाने की मांग की है।झिंझाना कस्बे के मोहल्ला कानूनगोयान निवासी आदित्य मित्तल शामली कलैक्टेट पहुचा। जहां उसने अपर जिलाधिकारी सतेन्द्र कुमार को शिकायत पत्र सौपा जिसमें आदित्य मित्तल ने बताया कि करीब 225 गज जमीन पर उनके पिता और उनके दो दिवंगत ताऊ भाइयों के संयुक्त हिस्से हैं। उनके अनुसार दोनों ताऊ के हिस्से का मकान सैकड़ों वर्ष पुराना और जर्जर हालत में है, जबकि उनका परिवार समय-समय पर मरम्मत कर तीसरी मंजिल पर रह रहा है।आरोप है कि तीसरी मंजिल की छत पर उनके ताऊ के पुत्र गोविंदा ने लोहे का जाल लगाकर ताला लगा रखा है। बरसात के दौरान छत पर पानी भर जाता है, जिससे पानी नीचे रिसता है और मकान में सीलन बढ़ने के साथ ही कड़ियों वाली जर्जर छत के गिरने का खतरा बना हुआ है।पीडित का कहना है कि तीसरी मंजिल पर आने-जाने के लिए केवल एक रास्ता है, जबकि भूतल वाले हिस्से के रास्ते पर भी ताला लगा होने के कारण परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि नीचे के कमरों की जमीन धंसने की आशंका भी बनी हुई है।आदित्य मित्तल ने अपर जिलाधिकारी से मामले में हस्तक्षेप कर जर्जर मकान और छत की स्थिति का निरीक्षण कराने तथा आवश्यक कार्रवाई कर परिवार को खतरे से निजात दिलाने की मांग की है।

शामली में नहर पटरी पर पेड़ों की कटाई पर विवाद: 1200 से अधिक शीशम के पेड़ों पर चला आरा, उठ रहे सवाल

शामली। जनपद में पूर्वी यमुना नहर की पटरियों पर वर्षों से खड़े हरे-भरे शीशम के पेड़ों के कटान का मामला सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर सवाल खड़े हो गए हैं। नहर की पटरी पर खड़े भारी-भरकम पेड़ों पर आरा चलने से जहां हरियाली प्रभावित हो रही है, वहीं पेड़ों के कटान की अनुमति, मूल्यांकन और नीलामी की प्रक्रिया को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि ठेकेदारों द्वारा विभागीय अधिकारियों की कथित मिलीभगत से पेड़ों का कटान कराया जा रहा है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।ठेकेदारों की ओर से पेड़ों को नीलामी के बाद काटे जाने की बात कही जा रही है। दूसरी ओर संबंधित विभागीय अधिकारियों की ओर से मामले पर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आने के कारण कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पेड़ों की बाकायदा नीलामी हुई है तो उसकी पूरी प्रक्रिया, मूल्यांकन और कटान की अनुमति सार्वजनिक रूप से स्पष्ट की जानी चाहिए, ताकि किसी तरह का संदेह न रहे।पेड़ों की नीलामी को लेकर भी उठ रहे सवाल

मामले में चर्चा है कि वर्ष 2025 में पूर्वी यमुना नहर की पटरियों पर खड़े पेड़ों की नीलामी करीब 21 लाख रुपये में हुई थी। इसके बाद दोबारा नीलामी

करीब 12 लाख रुपये में किए जाने की बात भी सामने आ रही है। हालांकि नीलामी की रकम और पूरी प्रक्रिया की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। इसी वजह से स्थानीय लोगों की नजर अब विभागीय अभिलेखों और नीलामी प्रक्रिया पर टिकी हुई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि एक ही क्षेत्र में खड़े पेड़ों की नीलामी अलग-अलग समय पर अलग-अलग रकम में हुई है तो इसके पीछे के कारण भी स्पष्ट किए जाने चाहिए। पेड़ों की वास्तविक संख्या, उनकी प्रजाति, आकार, आयु और लकड़ी के मूल्यांकन के आधार पर नीलामी की प्रक्रिया होने की बात कही जाती है। ऐसे में पूरे मामले में पारदर्शिता बेहद जरूरी मानी जा रही है। जधेडी पटरी पर करीब 1200 पेड़ों का मूल्यांकन बताया जा रहा है कि जधेडी क्षेत्र में पूर्वी यमुना नहर की पटरी पर सिंचाई विभाग की ओर से करीब 1200 पेड़ों का मूल्यांकन किया गया है। इसके लिए दो अलग-अलग मूल्यांकन तैयार किए जाने की जानकारी सामने आई है। इनमें एक मूल्यांकन करीब 2 लाख 42 हजार 576 रुपये का बताया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर कांधला क्षेत्र में नहर पटरी के किनारे काटे जा रहे हरे-भरे शीशम के पेड़ों को लेकर स्थिति और भी अस्पष्ट बताई जा रही है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि यहां काटे जा रहे पेड़ों का अभी तक मूल्यांकन नहीं हुआ है। इसके बावजूद भारी-भरकम पेड़ों का कटान जारी होने से सवाल उठ रहे हैं कि आखिर पेड़ों को काटने की अनुमति किस आधार पर दी गई और उनके मूल्य का निर्धारण किस प्रक्रिया के तहत किया गया। नहर पटरियों पर हजारों पेड़ों के होने का दावा स्थानीय लोगों के अनुसार पूर्वी यमुना नहर की विभिन्न पटरियों पर पेड़ों की संख्या करीब 1500 से 1900 के बीच हो सकती है। इनमें बड़ी संख्या में शीशम के पुराने और भारी-भरकम पेड़ शामिल बताए जा रहे हैं। ऐसे में यदि बड़े पैमाने पर पेड़ों का कटान हो रहा है तो इससे पर्यावरण और स्थानीय हरियाली पर भी असर पड़ना तय माना जा रहा है। लोगों का आरोप है कि कीमती शीशम की लकड़ी को काटकर बाहर ले जाया जा रहा है। हालांकि पेड़ों की वास्तविक संख्या, काटे गए पेड़ों की संख्या, लकड़ी की कीमत और नीलामी से संबंधित आधिकारिक आंकड़े अभी सामने नहीं आए हैं। यही वजह है कि स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। अधिकारियों से जवाब मांगने पर नहीं मिली स्पष्ट जानकारी

पेड़ों के कटान को लेकर जब सिंचाई विभाग के अधिकारियों से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। शामली के जिलेदार अंजुम से भी मामले के संबंध में संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका फोन नहीं उठ सका। अधिकारियों से संपर्क नहीं होने के कारण यह स्पष्ट नहीं हो सका कि संबंधित पेड़ों के कटान की अनुमति कब जारी की गई, कितने पेड़ों का मूल्यांकन किया गया, कितने पेड़ों की नीलामी हुई और नीलामी की प्रक्रिया में किस-किस स्तर के अधिकारी शामिल रहे। विभाग की ओर से आधिकारिक बयान सामने आने के बाद ही तस्वीर पूरी तरह साफ हो सकेगी। एक ओर केंद्र और प्रदेश सरकार लगातार हरियाली बढ़ाने और अधिक से अधिक पौधे लगाने पर जोर दे रही है। 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियानों के जरिए लोगों को पौधरोपण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर नहर की पटरियों पर वर्षों से खड़े हरे-भरे पेड़ों के कटान की तस्वीरें और जानकारी सामने आने से स्थानीय स्तर पर पर्यावरण को लेकर चिंता बढ़ गई है।

अंकित बालियान हत्याकांड: मोहित-सुमित एनकाउंटर पर मानवाधिकार आयोग सख्त, डीएम से मांगी विस्तृत रिपोर्ट

NATIONAL HUMAN RIGHTS COMMISSION

शामली। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड के कथित आरोपियों मोहित और सुमित की पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत के मामले में उत्तर प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग ने शामली के जिलाधिकारी से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने डीएम को 13 नवंबर 2026 तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर 2026 को होगी।यह कार्रवाई आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर की ओर से दाखिल शिकायत के आधार पर की गई है। शिकायत में मुठभेड़ की परिस्थितियों और उससे जुड़े घटनाक्रम की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग की गई थी।मानवाधिकार आयोग के आदेश में 31 अगस्त को शामली के पुलिस अधीक्षक की ओर से भेजी गई रेडियोग्राम, फैक्स और ईमेल सूचना का भी अवलोकन किए जाने का उल्लेख है।अमिताभ ठाकुर की शिकायत में 30 अगस्त की रात करीब 8:19 बजे अरुण चहल की ओर से एक्स पर किए गए पोस्ट का भी जिक्र किया गया है। शिकायत के मुताबिक, पोस्ट में दोनों कथित आरोपियों के पुलिस के हत्थे चढ़ने और उसी रात उनके एनकाउंटर की आशंका जताई गई थी। इसके बाद सामने आए घटनाक्रम की स्वतंत्र जांच की मांग की गई है।शिकायत में सुमित के पिता धर्मपाल के बयान की भी जांच कराने की मांग की गई है। धर्मपाल ने पुलिस पर अपने दूसरे बेटे को थर्ड डिग्री देने के आरोप लगाए थे। अब मानवाधिकार आयोग द्वारा जिलाधिकारी से रिपोर्ट तलब किए जाने के बाद मुठभेड़ से जुड़े घटनाक्रम, पुलिस कार्रवाई और शिकायत में लगाए गए आरोपों पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

बिजनौर में त्योहारों को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम एसपी ने पीस कमेटी संग बनाई सुरक्षा की रणनीति; हुड़दंगियों पर होगी सख्त कार्रवाई

बिजनौर। आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और अन्य त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए बिजनौर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कानून व्यवस्था, सुरक्षा और आपसी सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी जसजीत कौर और नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई (के.के. बिश्नोई) ने संयुक्त रूप से अधिकारियों, धर्मगुरुओं और पीस कमेटी के सदस्यों के साथ त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा की।बैठक में प्रशासन ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था, अफवाह या माहौल

बिगाड़ने की कोशिश को गंभीरता से लिया जाएगा। सभी विभागों को अपने-अपने स्तर पर व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए।गंगा-जमुनी तहजीब को बनाए रखने पर जोर

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि बिजनौर गंगा-जमुनी तहजीब का जनपद है, जहां सभी पर्व आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सहित सभी आगामी त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हों।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंदिरों में होने वाले कार्यक्रमों, शोभायात्राओं और झांकियों को लेकर पहले से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं, ताकि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में जिलाधिकारी ने नगर पालिका और संबंधित विभागों को मंदिरों तथा प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और पेयजल की उपलब्धता बनाए रखने को कहा गया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन स्थानों पर जन्माष्टमी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, वहां व्यवस्थाओं को पहले से दुरुस्त कर लिया जाए। सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं की नियमित निगरानी भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। त्योहारों के दौरान मंदिरों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील और अधिक भीड़ वाले क्षेत्रों को चिह्नित कर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया। जन्माष्टमी पर निकलने वाली शोभायात्राओं और जुलूसों के रूट का पहले से निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि किसी भी संभावित समस्या को समय रहते दूर किया जा सके।

रंग संसार

फिल्म 'वाइब' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज, एक्शन और कॉमेडी के तड़के में अनचाहे हीरो बने कुणाल खेमू

मुंबई : हंसी, एक्शन, दोस्ती और रोमांच से भरपूर फिल्म वाइब का ट्रेलर आधिकारिक तौर पर जारी कर दिया गया है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज की यह हाई-स्टेक्स एक्शन-कॉमेडी दर्शकों के लिए एक जबरदस्त मनोरंजन लेकर आ रही है। इस फिल्म की पूरी कहानी दो पक्के दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी सामान्य जिंदगी अचानक से एक बहुत ही खतरनाक मिशन में बदल जाती है। दोस्तों की जोड़ी और खतरनाक मिशनफिल्म में दो खास दोस्तों की कहानी दिखाई गई है। इनमें से एक किरदार हार्दिक का है जिसे कुणाल खेमू ने निभाया है और दूसरा किरदार बग्स का है जिसे स्पर्श श्रीवास्तव निभा रहे हैं। देश पर एक बहुत बड़ा खतरा मंडरा रहा होता है। इसी बीच ये दोनों दोस्त अनचाहे हीरो बनकर सामने आते हैं और देश को इस संकट से उबारने के मिशन पर निकल पड़ते हैं। इस खतरनाक मिशन की पूरी जिम्मेदारी प्रीति जी जिंटा संभालती नजर आ रही हैं। फिल्म में प्रीति जिंटा मैडम एच के किरदार में दिखाई दे रही हैं। वह अपने अब तक के बेहद अलग और काफी दमदार एक्शन-कॉमेडी अंदाज में दर्शकों के सामने आ रही हैं। जारी हुए ट्रेलर में मजेदार पंचलाइंस, दोनों दोस्तों की आपस में नोकझोंक, हाई-ऑक्टेन एक्शन दृश्य, पेपी म्यूजिक और कई अप्रत्याशित ट्विस्ट देखने को मिल रहे हैं। इस फिल्म से जुड़ी एक खास बात यह भी है कि कुणाल खेमू ने खुद इस फिल्म को लिखा है, डायरेक्ट किया है और प्रोड्यूस भी किया है। कुणाल खेमू के साथ मिलकर चिराग निहलानी ने भी इसे प्रोड्यूस किया है। इसके अलावा फिल्म में वंशिका धीर, यशपाल शर्मा और दिनेश लाल यादव जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राज काज

भारत का सर्विसेज पीएमआई अगस्त में बढ़कर 54.1 रहा, रोजगार वृद्धि 15 महीनों के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली। भारत के सर्विसेज सेक्टर में अगस्त में जोरदार वृद्धि देखने को मिली है और एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बढ़कर 54.1 पर पहुंच गया है। इससे रोजगार वृद्धि भी 15 महीनों के उच्च स्तर पर रही है। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक निजी सर्वेक्षण में दी गई। इससे पहले जुलाई में एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई 53.3 पर था। सर्वेक्षण में सेवा प्रदाताओं ने बढ़त की वजह अच्छी मांग और बाजार पहलों से नए बिजनेस में वृद्धि होने को बताया है।इस दौरान अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों से मांग भी बनी रही है और नए निर्यात ऑर्डर करीब जुलाई के समान ही बढ़े हैं। एचएसबीसी के डेटा के मुताबिक, अगस्त में भारतीय सेवा प्रदाताओं को ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, जापान, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका और यूएई से नए निर्यात ऑर्डर मिले थे। इसके अलावा, भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में रोजगार तेजी से बढ़ा है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 11 प्रतिशत कंपनियों ने बताया कि उनके यहां कर्मचारियों की संख्या बढ़ी है। साथ ही, पिछले 15 महीनों में नौकरी पैदा होने की दर सबसे ज्यादा रही, क्योंकि कंपनियां अपनी कस्टमर सर्विस, सेल्स और डिजिटल ऑपरेशन को बेहतर बना रही हैं। एचएसबीसी की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि अगस्त में सर्विस सेक्टर की गतिविधियां तेजी से बढ़ीं, जिसमें बेहतर आउटपुट और नए बिजनेस का योगदान रहा। भंडारी ने कहा, "रोजगार में तेजी से बढ़ोतरी हुई और नौकरियां पैदा होने का आंकड़ा 15 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया।"उन्होंने यह भी कहा कि कीमतों का दबाव बहुत कम बढ़ा। इसके अलावा, अगस्त में एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स 54.3 पर रहा, जो जुलाई के बराबर ही है, क्योंकि सर्विस सेक्टर में तेज ग्रोथ ने मैन्युफैक्चरिंग में आई सुस्ती की भरपाई कर दी। एचएसबीसी के डेटा से यह भी पता चला कि कुल रोजगार में 14 महीनों में सबसे तेजी से बढ़ोतरी हुई। सर्विस सेक्टर में जबरदस्त हायरिंग ने मैन्युफैक्चरिंग में रोजगार की कमी की भरपाई से कहीं ज्यादा असर दिखाया है। कुल नए ऑर्डर की मात्रा में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई, जबकि कम्पोजिट इनपुट लागत महंगाई सात महीने के निचले स्तर पर आ गई है।

दैनिक राशिफल शुक्रवार 04 सितम्बर 2026

मेष – अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है।

वृष – अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

मिथुन : बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

कर्क – अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, ङ्कषचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

सिंह– दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

कन्या – सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। सुख-आनंद कारक समय है। आगे बढड्डे के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी।

तुला – भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक – व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है।

धनु – खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें।

मकर – मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें।

कुंभ – शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है।

मीन – स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा।

दैनिक पंचांग

4 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.42 बजे से
चंद्र	वृष में	तुला	08.53 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	11.08 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.24 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.29 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	17.15 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.48 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.19 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.59 बजे से
		मिथुन	23.57 बजे से
		कर्क	02.10 बजे से
		सिंह	04.26 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 247 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 00.14 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 23.04 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 15.44 बजे को समाप्त। **करण** बालव 13.21 बजे तदनन्तर कौलव 00.14 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 07° 15' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872822 **जूलियन दिन** 2461287.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 21 **विशेष** श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, संत ज्ञानेश्वर जयंती, आद्याकाली जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

रोहाना क्षेत्र में अवैध खनन पर पुलिस का शिकंजा, चार डंपर सीज

मुजफ्फरनगर। रोहाना चौकी क्षेत्र में कथित रूप से चल रहे अवैध खनन के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन सामग्री से भरे चार बड़े डंपरों को सीज कर दिया। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में सक्रिय खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि चौकी प्रभारी मोहित कुमार के तीन दिन पूर्व निजी कारणों से छुट्टी पर जाने के बाद अवैध खनन करने वालों ने इसे मौका समझ लिया और रात के अंधेरे में खनन का खेल शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में तड़के करीब 3 बजे से सुबह उजाला होने तक बालू और मिट्टी का कथित अवैध खनन किया जा रहा था। भारी-भरकम डंपरों की आवाजाही से ग्रामीणों में भी नाराजगी थी। ग्रामीणों का कहना है कि तेज रफ्तार से दौड़ते डंपरों के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ था।

छुट्टी पर रहते हुए भी चौकी प्रभारी ने कराई कार्रवाई

बताया जा रहा है कि छुट्टी पर गए चौकी प्रभारी मोहित कुमार को अपने सूत्रों के माध्यम से क्षेत्र में अवैध खनन की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने रोहाना चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक बच्चू सिंह को फोन पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही एसआई बच्चू सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छापेमारी की।

पुलिस की अचानक हुई कार्रवाई से कथित खनन में जुटे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस टीम ने मौके से चार डंपरों को कब्जे में लेकर सीज कर दिया। कार्रवाई के बाद खनन गतिविधियों से जुड़े लोगों में खलबली मची हुई है।

पुलिसकर्मी के संरक्षण की भी चर्चा

वहीं, इस पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में कई तरह की चर्चाएं भी सामने आ रही हैं। सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि क्षेत्र में चल रहे कथित अवैध खनन को पुलिस विभाग के ही एक कर्मचारी का अप्रत्यक्ष संरक्षण प्राप्त था और चौकी प्रभारी के छुट्टी पर जाने की सूचना कथित तौर पर खनन माफियाओं तक पहुंचाई गई।

हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस अथवा संबंधित अधिकारी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

डंपर छुड़ाने को लेकर पैरवी की चर्चा

चार डंपरों के सीज होने के बाद कथित तौर पर कुछ स्थानीय प्रभावशाली लोगों द्वारा इन्हें छुड़ाने के लिए पुलिस स्तर पर पैरवी किए जाने की भी चर्चा है। कार्रवाई के बाद खनन से जुड़े लोगों में जहां हड़कंप है, वहीं पुलिस पर किसी प्रकार का दबाव बनाए जाने की चर्चाएं भी क्षेत्र में गर्म हैं।

फिलहाल चार डंपरों को सीज किए जाने की कार्रवाई के बाद पुलिस प्रशासन की नजरें अवैध खनन गतिविधियों पर टिकी हैं। यदि जांच में अवैध खनन की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

चिकित्सक डॉ. सत्य प्रकाश मुद्गल की तीसरी पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

खतौली। क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार एवं चिकित्सक रहे स्वर्गीय डॉ. सत्य प्रकाश मुद्गल की तीसरी पुण्यतिथि पर गुरुवार को जानसठ रोड स्थित आयोजित श्रद्धांजलि एवं स्मृति समारोह में उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से अधिवक्ता, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक पहुंचे। सभी ने डॉ. सत्य प्रकाश मुद्गल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि डॉ. सत्य प्रकाश मुद्गल बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। चिकित्सक के रूप में उन्होंने लोगों की सेवा की, वहीं पत्रकारिता के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने समाज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को बेबाकी से उठाया और आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से सामने रखा। जरूरतमंदों की सहायता के लिए भी वह सदैव तत्पर रहते थे। उनके कार्यों में समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा भावना स्पष्ट दिखाई देती थी।

वक्ताओं ने कहा कि डॉ. मुद्गल का जीवन केवल एक चिकित्सक अथवा पत्रकार के रूप में ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील सामाजिक व्यक्ति के रूप में भी प्रेरणादायी रहा। उन्होंने अपने व्यवहार, विचार और कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया। उनके द्वारा स्थापित सामाजिक सरोकारों और आदर्शों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों का सम्मान

श्रद्धांजलि समारोह के दौरान हाल ही में आयोजित डॉ. सत्य प्रकाश मुद्गल ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किए जाने पर उनके अभिभावकों और शिक्षकों में भी उत्साह देखने को

मिला। आयोजकों ने कहा कि विद्यार्थियों को सम्मानित करने का उद्देश्य उनमें शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ सकारात्मक सोच, सामाजिक मूल्यों और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए अतिथियों ने डॉ. सत्य प्रकाश मुद्गल से जुड़ी अपनी यादें और संस्मरण साझा किए। वक्ताओं ने उनके पत्रकारिता जीवन, सामाजिक कार्यों, सहज एवं सरल व्यवहार, मिलनसार व्यक्तित्व तथा समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद किया। उनके जीवन से जुड़े संस्मरण सुनाते समय कई अवसरों पर कार्यक्रम का माहौल भावुक हो गया।

नई पीढ़ी तक पहुंचाए जाएंगे उनके विचार और आदर्श

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुज मुद्गल ने किया। उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए डॉ. सत्य प्रकाश मुद्गल के जीवन और उनके कार्यों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. मुद्गल की स्मृतियों को जीवंत रखने तथा उनके सामाजिक एवं शैक्षिक विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन किए जाते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि डॉ. मुद्गल ने अपने जीवन में जिस प्रकार समाजसेवा, शिक्षा, चिकित्सा और पत्रकारिता को महत्व दिया, उससे युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

मोरना-भोकरहेड़ी मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक ने दंपती को मारी टक्कर, पति-पत्नी घायल

बारात घर मोड़ के पास हुआ हादसा, सड़क पर गिरकर घायल हुए दोनों; 108 एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, पुलिस ने शुरू की जांच

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र में मोरना-भोकरहेड़ी मार्ग पर गुरुवार सुबह एक सड़क हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी घायल हो गए। हादसा गांव छछरौली में बारात घर मोड़ के पास उस समय हुआ, जब सामने से आ रही एक अज्ञात बाइक ने दंपती की बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद दोनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना देकर घायलों की मदद की।

मोरना जाते समय हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के गांव मजलिसपुर तौफीर निवासी 50 वर्षीय पीतम सैनी गुरुवार सुबह अपनी पत्नी सनतेश के साथ बाइक पर सवार होकर मोरना की ओर जा रहे थे। बताया गया कि सुबह करीब 10:15 बजे जब दंपती भोकरहेड़ी-मोरना मार्ग पर गांव छछरौली स्थित बारात घर मोड़ के पास पहुंचे, तभी एक अज्ञात बाइक सवार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। अचानक हुई टक्कर के कारण पीतम सैनी और उनकी पत्नी सनतेश बाइक समेत सड़क पर जा गिरे। हादसे में दोनों को चोटें आईं और वे घायल हो गए।

ग्रामीणों ने संभाला मोर्चा, पुलिस को दी सूचना

हादसा होते ही आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और सड़क पर घायल पड़े पति-पत्नी को संभाला। ग्रामीणों ने तत्काल डायल-112 पुलिस को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। इसी बीच 108 एंबुलेंस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

स्थानीय डॉक्टर ने दिया प्राथमिक उपचार

हादसे के बाद स्थानीय चिकित्सक डॉक्टर योगेंद्र सिंह ने भी घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। इसके अलावा भाजपा नेता प्रदीप निर्वाल, अरुण कुमार चौहान और कल्लू ठाकुर ने मौके पर पहुंचकर घायलों की मदद की और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया।

अज्ञात बाइक सवार की तलाश में जुटी पुलिस

हादसे के बाद टक्कर मारने वाला अज्ञात बाइक सवार मौके से चला गया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और हादसे के कारणों के साथ-साथ अज्ञात बाइक सवार के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ घटना से संबंधित अन्य तथ्यों की जानकारी भी जुटा रही है। फिलहाल घायल पति-पत्नी का अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। हादसे के बाद मार्ग पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

अजनान के परिवार के दर्द में साथ खड़े हुए विधायक पंकज मलिक, एक लाख रुपये की आर्थिक मदद

तालाब में डूबने से 17 वर्षीय अजनान की मौत के बाद पीड़ित परिवार से मिले विधायक के भाई निशांत मलिक, हरसंभव सहयोग का दिलाया भरोसा

मुजफ्फरनगर। चरथावल क्षेत्र के ग्राम निर्धना में तालाब में डूबने से हुई 17 वर्षीय अजनान पुत्र महफूज की दर्दनाक मौत के बाद पीड़ित परिवार की मदद के लिए चरथावल विधायक पंकज मलिक आगे आए हैं। बुधवार को विधायक की ओर से उनके भाई निशांत मलिक पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान उन्होंने परिवार को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की।

अजनान की असमय मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों के बीच पहुंचे निशांत मलिक ने अजनान के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि इस कठिन समय में परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। विधायक पंकज मलिक की ओर से पीड़ित परिवार के साथ हरसंभव सहयोग और सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा भी दिलाया गया।

18 घंटे के सर्च अभियान के बाद मिला था शव

बताया गया कि गत 27 जुलाई को अजनान तालाब में डूब गया था। घटना की जानकारी मिलते ही उसकी तलाश के लिए सर्च अभियान शुरू किया गया। ग्रामीणों और संबंधित टीमों द्वारा करीब 18 घंटे तक तलाश किए जाने के बाद 28 जुलाई की सुबह अजनान का शव तालाब से बरामद किया गया था। शव बरामद होने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई और पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया था। जवान बेटे की मौत से परिवार में गम का माहौल बना हुआ है।

पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा

बुधवार को पीड़ित परिवार के घर पहुंचे निशांत मलिक ने परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि किसी परिवार के लिए अपने बच्चे को खोने का दर्द बेहद कठिन होता है। दुख की इस घड़ी में विधायक पंकज मलिक और उनका परिवार पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने परिवार को आश्वस्त किया कि आवश्यकता पड़ने पर हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान कर परिवार की तत्काल जरूरतों में सहयोग का प्रयास किया गया।

परिजनों ने जताया आभार

आर्थिक सहायता मिलने और परिवार के बीच पहुंचकर संवेदना व्यक्त करने पर अजनान के परिजनों ने विधायक पंकज मलिक और उनके भाई निशांत मलिक का आभार जताया। परिजनों ने कहा कि दुख की इस घड़ी में जनप्रतिनिधि द्वारा उनके घर पहुंचकर संवेदना व्यक्त करना और आर्थिक सहयोग देना उनके लिए महत्वपूर्ण है।

इस दौरान समाजसेवी मास्टर आरिफ, मोहम्मद एजाज, जरीश प्रधान, उस्मान प्रधान, प्रवेज सलमानी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दर्दनाक हादसे ने गांव को झकझोर दिया था

अजनान की तालाब में डूबने की घटना के बाद गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई थी। 17 वर्षीय किशोर की तलाश के लिए लंबे समय तक सर्च अभियान चलाया गया। करीब 18 घंटे बाद शव मिलने से परिवार की उम्मीदें भी टूट गईं। पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई। अब विधायक पंकज मलिक की ओर से परिवार को दी गई आर्थिक सहायता और हरसंभव सहयोग के भरोसे से पीड़ित परिजनों को इस मुश्किल समय में सहारा देने का प्रयास किया गया है।

कृषक प्रशिक्षण के दूसरे दिन 984 किसानों को दी आधुनिक खेती की जानकारी

बघरा और चितौड़ा कृषि विज्ञान केंद्रों पर हुआ प्रशिक्षण, श्री अन्न, जैविक खेती, मृदा परीक्षण, फसल अवशेष प्रबंधन और पशुपालन पर विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

मुजफ्फरनगर। आत्मा योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन कृषि विज्ञान केंद्र बघरा एवं चितौड़ा में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में जनपद के सभी विकासखंडों से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। बघरा केंद्र पर 548 तथा चितौड़ा केंद्र पर 436 किसानों ने प्रतिभाग किया। कृषि विज्ञान केंद्र चितौड़ा में डॉ. पूजा ने किसानों को श्री अन्न की विभिन्न फसलों ज्वार, बाजरा, मंडवा, रागी, कांगनी और कोदो की आधुनिक खेती की जानकारी दी। साथ ही श्री अन्न से तैयार खाद्य पदार्थों की पौष्टिकता और मानव स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव के बारे में बताया तथा किसानों को इसकी खेती के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. यशपाल सिंह ने बागवानी संबंधी जानकारी देते

हुए आम के बागों में एकांतर फलन की समस्या और उसके समाधान पर चर्चा की। डॉ. रीना देवी ने फसल अवशेष प्रबंधन के लाभ और मिट्टी पर इसके प्रभाव की जानकारी दी। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने गन्ने के साथ सहफसली खेती के फायदे बताए, जबकि डॉ. दिनेश कर्णवाल ने पशुओं में होने वाली बीमारियों और टीकाकरण के संबंध में जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र बघरा में श्रीमती मीतू ने कृषि यंत्रों, पराली प्रबंधन और मशरूम की खेती पर जानकारी दी। डॉ. हंसराज ने किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर ही उर्वरकों का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. वीरेंद्र ने फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों से बचाव के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन की जानकारी दी।

डॉ. वंदना ने पशुओं के रख-रखाव, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, बीमारियों और बांझपन की रोकथाम के उपाय बताए। श्री रवि कुमार, विषय वस्तु विशेषज्ञ ने जैविक खेती से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को होने वाले लाभों की जानकारी दी। वहीं उप कृषि निदेशक प्रमोद सिरोही ने किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाकर उत्पादन बढ़ाने, लागत कम करने और आय में वृद्धि के लिए विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई।

खतौली-के.के. पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे नन्हे-मुन्ने बने आकर्षण का केंद्र

खतौली। फलावदा रोड स्थित के.के. पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास, भक्ति और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव कुमार जैन, प्रबंधक राकेश कुमार एवं पार्थ अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर तथा भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। नर्सरी से कक्षा द्वितीय तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने आकर्षक वेशभूषा में मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सभी का दिल जीत लिया। राधा-कृष्ण के रूप में सजे बच्चों ने विशेष आकर्षण बटोरा। इसके अलावा विद्यार्थियों ने

सुदामा, अर्जुन, बलराम और ग्वाल-बाल की भूमिकाएं निभाकर भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों को जीवंत कर दिया।

श्रीकृष्ण के भजनों पर बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए सुंदर नृत्य ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में कक्षा प्रथम के विद्यार्थियों ने कालिया नाग मर्दन की आकर्षक झांकी प्रस्तुत की। झांकी में बच्चों के अभिनय और प्रस्तुति को देखकर उपस्थित अभिभावकों एवं शिक्षकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य संजीव कुमार जैन ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन मानवता को धर्म, प्रेम, मित्रता, त्याग और कर्तव्य का संदेश देता है। बच्चों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में अच्छे संस्कार अपनाने चाहिए। प्रबंधक राकेश कुमार ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं स्टाफ को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के समापन पर सभी बच्चों को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वाती, राधा, पिंकी, अनामिका, अनीता, गीता, अवनीश और निधि सहित समस्त विद्यालय स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

नवनियुक्त पुरकाजी ब्लॉक अध्यक्ष मनीष चौधरी का बरला में जोरदार स्वागत

भाकियू टिकैत कार्यकर्ताओं ने संगठन का पटका पहनाकर किया अभिनंदन, मनीष चौधरी बोले—किसानों की समस्याओं के समाधान और संगठन के विस्तार को देंगे प्राथमिकता

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के नवनियुक्त पुरकाजी ब्लॉक अध्यक्ष मनीष चौधरी का बरला गांव में कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। बरला निवासी इरफान त्यागी के निवास पर आयोजित बैठक में बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष को संगठन का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि मनीष चौधरी संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ सभी कार्यकर्ताओं और किसानों को साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसानों से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और उनके समाधान के लिए संगठन को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता देने का भरोसा

स्वागत समारोह के दौरान नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष मनीष चौधरी ने

कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वह पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन में सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना उनकी प्राथमिकता होगी। किसानों की समस्याओं को लेकर हर स्तर पर आवाज उठाई जाएगी और जरूरतमंद एवं पीड़ित व्यक्ति के लिए उनके दरवाजे 24 घंटे खुले रहेंगे। मनीष चौधरी ने कहा कि किसान संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने के लिए लगातार कार्य किया जाएगा। किसानों की समस्याओं की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों तक उनकी बात पहुंचाई जाएगी और समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

संगठन विस्तार पर भी दिया जोर

बैठक के दौरान नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष ने संगठन के विस्तार की दिशा में भी कदम बढ़ाया। इस दौरान रिजवान त्यागी, अखलद, नौमान, उस्मान त्यागी, रियाज, बिट्टू, मेनपाल, इस्तेखार, इंतखाब, जाइस आदि ने भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की सदस्यता ग्रहण की। नए सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन से जुड़े पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि सभी सदस्य किसानों की समस्याओं को मजबूती से उठाने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

कार्यकर्ताओं ने जताया भरोसा

कार्यकर्ताओं ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर एकजुट होकर संघर्ष करना समय की जरूरत है। उन्होंने नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष मनीष चौधरी से उम्मीद जताई कि वह संगठन के सभी कार्यकर्ताओं के साथ समान रूप से समन्वय बनाकर काम करेंगे और किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाएंगे।

बैठक में संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने तथा अधिक से अधिक किसानों को संगठन से जोड़ने पर भी चर्चा की गई।

ये कार्यकर्ता रहे मौजूद

इस अवसर पर अश्वनी जिला महासचिव, पप्पन, रब्बान, कय्यूम, शमशाद, राशिद, एजाज, शाह आलम, लालू समेत बड़ी संख्या में भाकियू टिकैत के कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के अंत में कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पुरकाजी ब्लॉक अध्यक्ष मनीष चौधरी को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और संगठन को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिवसेना को पहुंचाएं, जनकल्याणकारी कार्यों को बनाएं आधार: एकनाथ शिंदे

25 राज्यों में एंबुलेंस उपलब्ध कराएगी शिवसेना, दो माह में संगठनात्मक एक्शन प्लान प्रस्तुत करने के निर्देश

नई दिल्ली/मुजफ्फरनगर। शिवसेना आम जनता और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाली पार्टी है। पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता को जनकल्याणकारी कार्यों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिवसेना को पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। यह आह्वान शिवसेना के मुख्य नेता एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नई दिल्ली में आयोजित विभिन्न राज्यों के शिवसेना राज्य प्रमुखों की समीक्षा बैठक में किया। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक सेवा कार्यकाल के अवसर पर शिवसेना देश के 25 राज्यों में एंबुलेंस उपलब्ध कराएगी।

बैठक में शिवसेना के राष्ट्रीय सचिव कैप्टन अभिजीत अडसूल सहित दिल्ली, गुजरात, मध्य प्रदेश, हरियाणा, ओडिशा, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश समेत 15 राज्यों के राज्य प्रमुख एवं कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

जनसमस्याओं को लेकर प्रभावी आंदोलन के निर्देश

एकनाथ शिंदे ने पदाधिकारियों को शिक्षा, खेल, रोजगार, महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क और कृषि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्थानीय स्तर पर प्रभावी ढंग से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम जनता के न्यायसंगत अधिकारों के लिए आवश्यकता पड़ने पर शिवसेना की संघर्षपूर्ण शैली में आंदोलन भी किए जाएं।

राज्यों में होंगी खेल प्रतियोगिताएं

संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से आने वाले महीनों में विभिन्न राज्यों में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन पर भी जोर दिया गया। इसके माध्यम से

युवाओं को संगठन से जोड़ने और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की बात कही गई।

संगठनात्मक विस्तार पर विशेष जोर

बैठक में सभी राज्यों में संगठनात्मक नियुक्तियां जल्द से जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए। राज्य स्तरीय पदाधिकारियों के साथ महिला अघाड़ी, युवासेना और अन्य संबद्ध संगठनों के पदाधिकारियों की नियुक्तियां भी शीघ्र पूरी करने को कहा गया।

सभी राज्य प्रमुखों को अपने-अपने राज्यों की राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों तथा आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए अगले दो महीनों के भीतर ठोस एक्शन प्लान (कृति आराखडा) पार्टी नेतृत्व के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

स्थानीय समस्याओं के समाधान में पहल करें पदाधिकारी

शिंदे ने कहा कि पदाधिकारियों को केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जनता की रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान के लिए स्वयं पहल करनी चाहिए। पीने के पानी, सड़क, स्वास्थ्य सेवाओं, ठोस कचरा प्रबंधन, स्कूलों की मरम्मत और स्वच्छ शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

अंतिम गांव और अंतिम घर तक सदस्यता अभियान

शिवसेना के विस्तार के लिए देशभर में व्यापक सदस्यता पंजीकरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य पार्टी को अंतिम गांव और अंतिम घर तक पहुंचाना है। पदाधिकारियों से बूथ स्तर तक संगठन का नेटवर्क मजबूत करने का आह्वान किया गया।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर सेवा सप्ताह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन तथा उनके 25 वर्षों के सफल सार्वजनिक सेवा कार्यकाल के अवसर पर देशभर में विभिन्न सामाजिक उपक्रम आयोजित करने का संकल्प राज्य प्रमुखों ने व्यक्त किया। सेवा सप्ताह के दौरान रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, युवाओं के लिए रोजगार मेले तथा जरूरतमंद छात्रों को कॉपी-किताबें एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित करने जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

एकनाथ शिंदे ने कहा कि "शिवसेना के पदाधिकारी केवल राजनीति के लिए नहीं, बल्कि समाज सेवा के लिए काम करते हैं। बूथ स्तर तक पार्टी के नेटवर्क को मजबूत करना और जनता के सुख-दुख में उनके साथ खड़े होना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है।"

नीलगाय से टकराई स्कूटी, एक-एक कर बुझ गए परिवार के तीन चिराग

बीमार पिता को दवाई दिलाने निकले थे दो बेटे, सड़क हादसे में पिता समेत दोनों बेटों की मौत; किराए के मकान में रह रहा परिवार अब आर्थिक संकट में

मुजफ्फरनगर। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के मोहल्ला मल्लूपुरा में किराए के मकान में रहने वाले एक गरीब परिवार पर नीलगाय के कारण हुआ सड़क हादसा ऐसा कहर बनकर टूटा कि महज कुछ दिनों के भीतर परिवार के तीन सदस्य हमेशा के लिए दुनिया छोड़ गए। बीमार पिता को दवाई दिलाने के लिए स्कूटी से निकले दो बेटों और पिता की हादसे के बाद उपचार के दौरान एक-एक कर मौत हो गई। परिवार में अब मातम के साथ-साथ रोजमर्रा की जिंदगी चलाने का भी बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

दवाई लेने जा रहे थे पिता और दोनों बेटे

जानकारी के अनुसार, मल्लूपुरा निवासी करीब 80 वर्षीय अशफाक की तबीयत खराब थी। बीमार पिता को दवाई दिलाने के लिए उनके दोनों बेटे करीब 38 वर्षीय मोहम्मद नाहिद और करीब 35 वर्षीय मोहम्मद साजिद 29 अगस्त की सुबह उन्हें स्कूटी पर लेकर चरथावल की ओर जा रहे थे।

बताया गया कि जैसे ही तीनों दधेड़ू पार कर रजवाहे की पुलिया के पास पहुंचे, तभी जंगल की तरफ से अचानक एक नीलगाय सड़क पर आ गई। कुछ ही पल में स्कूटी नीलगाय से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी सवार तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

हादसे की सूचना मिलते ही चरथावल पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को उपचार के लिए सीएचसी चरथावल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर मोहम्मद साजिद को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजन साजिद को बेहतर उपचार के लिए मेरठ के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद 30 अगस्त को उपचार के दौरान साजिद की मौत हो गई।

बड़े भाई की मौत के अगले दिन नाहिद ने भी तोड़ा दम

एक बेटे की मौत से परिवार अभी सदमे से उबर भी नहीं पाया था कि दुखों का दूसरा पहाड़ टूट पड़ा। हादसे में घायल मोहम्मद नाहिद का मुजफ्फरनगर के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। हालत लगातार गंभीर बनी हुई थी। आखिरकार 1 सितंबर को उपचार के दौरान नाहिद ने भी दम तोड़ दिया।नाहिद की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। वह अपने पीछे दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। बताया जा रहा है कि उनकी सबसे छोटी बेटी की उम्र महज डेढ़ वर्ष है।

पांच दिन तक जिंदगी और मौत से जूझते रहे अशफाक

हादसे में घायल परिवार के बुजुर्ग 80 वर्षीय अशफाक भी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती थे। रुड़की रोड स्थित डिवाइन अस्पताल में उनका करीब पांच दिन तक उपचार चला। परिजन लगातार उनके ठीक होने की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन 2 सितंबर की रात अशफाक ने भी दम तोड़ दिया। इस तरह महज कुछ दिनों के अंतराल में एक ही परिवार के पिता और उनके दोनों बेटों की मौत हो गई। हादसे ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया है।

सांसद हरेंद्र मलिक ने पहुंचकर बंधाया ढांढस

मोहम्मद साजिद की मौत की सूचना मिलने के बाद मुजफ्फरनगर लोकसभा क्षेत्र के सपा सांसद हरेंद्र मलिक भी पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर दुख साझा किया और उन्हें ढांढस बंधाया। सांसद ने परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाते हुए कहा कि प्रशासन के स्तर से पीड़ित परिवार को जो भी सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है, उसके लिए प्रयास किया जाएगा। सभासद ने सरकार और जनप्रतिनिधियों से लगाई मदद की गुहार नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के वार्ड नंबर-7 के सभासद मोहम्मद खालिद ने बताया कि पीड़ित परिवार बेहद गरीब है और लंबे समय से किराए के मकान में रहकर किसी तरह अपना गुजर-बसर कर रहा था। उन्होंने बताया कि बीमार पिता को दवाई दिलाने निकले दोनों बेटों और उनके पिता की हादसे के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। परिवार के कमाने वाले सदस्यों के चले जाने से अब परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

सभासद मोहम्मद खालिद ने जिलाधिकारी, सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों से पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए हरसंभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

डेढ़ साल की मासूम समेत तीन बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

मोहम्मद नाहिद की मौत ने उनके मासूम बच्चों को बेसहारा कर दिया है। नाहिद अपने पीछे दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। इनमें सबसे छोटी बेटी की उम्र महज डेढ़ साल बताई जा रही है। जिस उम्र में बच्चों को पिता के स्नेह और संरक्षण की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, उस उम्र में उनके सिर से पिता का साया उठ गया। परिवार पहले ही आर्थिक रूप से कमजोर था और किराए के मकान में रहकर जीवन यापन कर रहा था। अब परिवार के कमाने वाले सदस्यों की मौत के बाद बच्चों की परवरिश और भविष्य को लेकर गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

एक हादसा और उजड़ गया पूरा परिवार

नीलगाय के अचानक सड़क पर आने से हुई इस दुर्घटना ने एक ही परिवार की पूरी तस्वीर बदल दी। एक तरफ पिता की बीमारी का इलाज कराने की उम्मीद थी, तो दूसरी तरफ कुछ ही दिनों में पिता और दोनों बेटों की मौत ने परिवार को गहरे सदमे में पहुंचा दिया। अब पीड़ित परिवार को सिर्फ संवेदना ही नहीं, बल्कि ठोस आर्थिक और सामाजिक मदद की जरूरत है। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से उम्मीद है कि परिवार की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए सरकारी योजनाओं के तहत सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही समाज के सक्षम लोगों से भी आगे आकर इस बेसहारा परिवार की मदद करने की अपील की गई है।

भाजपा पश्चिम क्षेत्र की नई कार्यकारिणी घोषित, नवाब सिंह नागर ने सौंपी जिम्मेदारियां

ठाकुर हरीश सिंह समेत चार नेताओं को क्षेत्रीय महामंत्री की कमान, विनोद त्यागी सहित 10 नेताओं को बनाया क्षेत्रीय उपाध्यक्ष

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने गुरुवार को अपनी नई क्षेत्रीय कार्यकारिणी की घोषणा कर दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति के उपरांत घोषित की गई कार्यकारिणी में संगठन के विभिन्न पदों पर वरिष्ठ एवं सक्रिय कार्यकताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नई कार्यकारिणी में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री और सदस्यों को शामिल किया गया है। नई कार्यकारिणी में ठाकुर हरीश सिंह को क्षेत्रीय महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। उनके साथ अशोक मोंगा, संजीव सिक्का (गोयल) और रूपेन्द्र सैनी को भी क्षेत्रीय महामंत्री बनाया गया है। वहीं विनोद त्यागी सहित 10 नेताओं को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

10 नेताओं को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

भाजपा पश्चिम क्षेत्र की नई कार्यकारिणी में विनोद त्यागी, मानसिंह गोस्वामी, हरेन्द्र जाटव, प्रवीण मित्तल, बिजेन्द्र कश्यप, अंकुर राणा, राजीव सिसोदिया, प्रदीप सैनी, विनोद चौधरी और सुभाष वाल्मीकी को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।

चार क्षेत्रीय महामंत्री बनाए गए

संगठन में महामंत्री का पद बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। नई कार्यकारिणी में अशोक मोंगा, हरीश सिंह, संजीव सिक्का (गोयल) और रूपेन्द्र सैनी को क्षेत्रीय महामंत्री नियुक्त किया गया है। इन नेताओं पर संगठन को मजबूत करने, पार्टी कार्यक्रमों के संचालन और कार्यकताओं के बीच समन्वय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रहेगी।

25 नेताओं को क्षेत्रीय मंत्री की जिम्मेदारी

क्षेत्रीय कार्यकारिणी में अजय भारद्वाज भराला, कुमुदिनी चौधरी (सैनी), हरजिंदर कौर, सुखविंदर सोम, नितिन मलिक, महेश बाली, दीपक ऋषि गौंड़, वरुण गोयल, सौरव पाल लोधी और आयुष पवार सहित कुल 10 नाम क्षेत्रीय मंत्री के रूप में सूचीबद्ध हैं। घोषित सूची में क्षेत्रीय मंत्री पद के लिए अन्य नामों का भी उल्लेख किया गया है।

12 नेताओं को बनाया गया कार्यकारिणी सदस्य

नई कार्यकारिणी में मनोज शर्मा, गीता शर्मा, नितिन शर्मा, राजे कसाना, रवीना सिंह, कृष्ण चंद सैनी, रोहिल वाल्मिकी, हरमीत बख्शी, हेमंत लोधी, ललित गर्ग मोदी, संजय राणा, सतेन्दर चौधरी और राजीव लोचन प्रजापती को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। भाजपा की पश्चिम क्षेत्र की नई टीम में अलग-अलग सामाजिक वर्गों और क्षेत्रों से जुड़े नेताओं को स्थान देकर संगठनात्मक संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है। नई कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही भाजपा कार्यकताओं और पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल है। माना जा रहा है कि नई टीम आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और चुनावी तैयारियों में अहम भूमिका निभाएगी।

फर्जी अस्पतालों के खिलाफ हिंदू संघर्ष समिति की मुहिम को मिला बड़ा समर्थन

सिसौली पहुंचकर भाकियू राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत से की महत्वपूर्ण वार्ता, अनैतिक सिफारिशों से किया स्पष्ट इंकार

मुजफ्फरनगर। जनपद में फर्जी एवं मानकों के विपरीत संचालित अस्पतालों के खिलाफ हिंदू संघर्ष समिति की मुहिम लगातार तेज होती जा रही है। पिछले कई महीनों से चलाए जा रहे इस अभियान के तहत समिति की शिकायतों और प्रयासों के बाद स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन द्वारा कई अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा चुकी है।

समिति के संज्ञान में ऐसे कुछ मामले भी आए, जिनमें कार्रवाई के बाद संबंधित अस्पतालों को दोबारा खुलवाने अथवा कार्रवाई में राहत दिलाने के लिए कुछ संगठनों के लोगों द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों पर दबाव बनाने की बात सामने आई। मामले को गंभीरता से लेते हुए हिंदू संघर्ष समिति ने आपात बैठक कर इस संबंध में सीधे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत से वार्ता करने का निर्णय लिया।

इसी क्रम में हिंदू संघर्ष समिति से जुड़े करीब दो दर्जन हिंदू संगठनों के सैकड़ों पदाधिकारी सिसौली पहुंचे और भाकियू राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने उनके समक्ष फर्जी एवं नियम-विरुद्ध अस्पतालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान तथा कार्रवाई के बाद कथित रूप से सिफारिश किए जाने के मामलों को विस्तार से रखा।

वार्ता के दौरान नरेश टिकैत ने स्पष्ट किया कि फर्जी अथवा नियम-विरुद्ध अस्पतालों के पक्ष में अधिकारियों पर दबाव बनाना या इस प्रकार की अनैतिक सिफारिश करना भारतीय किसान यूनियन की नीति नहीं है। उन्होंने कहा कि भाकियू का कोई भी पदाधिकारी ऐसे कार्य के लिए जनपद के किसी अधिकारी से सिफारिश नहीं करेगा।

नरेश टिकैत के इस स्पष्ट आश्वासन का हिंदू संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने स्वागत किया। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि फर्जी अस्पतालों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान किसी व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध नहीं, बल्कि आम जनता के स्वास्थ्य और मरीजों के हितों की रक्षा के उद्देश्य से है। निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने वाले अथवा नियमों के विपरीत संचालित पाए जाने वाले अस्पतालों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए।

समिति ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही अथवा नियमों से समझौता सीधे आम लोगों के जीवन से जुड़ा गंभीर विषय है। ऐसे मामलों में प्रशासन को किसी भी राजनीतिक, सामाजिक अथवा संगठनात्मक दबाव से ऊपर उठकर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।

सिसौली पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में हिंदू संघर्ष समिति के संयोजक नरेंद्र पंवार, साधु अरुण प्रताप सिंह, देशराज चौहान, राजेश शर्मा, पवन मित्तल, पवन पांचाल, विजेंद्र धीमान, वैभव यादव, टीटू गुर्जर, मनोज पाटिल, पंकज ठाकुर, चेयरमैन अनिल चौधरी, अभिषेक गर्ग, बालेंद्र प्रधान, अंकित राजपूत, पुष्पेंद्र मलिक, संदीप धीमान, धर्मेंद्र प्रधान, आनंद पाल प्रधान, मास्टर इंद्रचंद, कुलदीप चौधरी, विकास त्यागी, मोहित राणा, विनीत चौधरी और जितेंद्र सिंह सहित विभिन्न हिंदू संगठनों के सैकड़ों पदाधिकारी मौजूद रहे।

हिंदू संघर्ष समिति ने कहा कि फर्जी एवं मानकों के विपरीत संचालित अस्पतालों के खिलाफ अभियान आगे भी पूरी मजबूती के साथ जारी रहेगा तथा जनहित से जुड़े इस मुद्दे पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर प्रशासन अलर्ट, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

जनसंख्या गणना के दूसरे चरण की तैयारियों की जिला स्तरीय समीक्षा, शुद्धता, पारदर्शिता, गोपनीयता और समयबद्धता पर विशेष जोर; प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को दिया जाएगा व्यवहारिक प्रशिक्षण

मुजफ्फरनगर। भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण यानी जनसंख्या गणना की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जनगणना कार्य के सफल एवं सुचारु क्रियान्वयन के लिए गुरुवार को जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने की। बैठक में जनगणना से जुड़े विभिन्न विभागों द्वारा अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिला जनगणना अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक स्तर पर शुद्धता, पारदर्शिता, निष्पक्षता, गोपनीयता और निर्धारित समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए।

देश की विकास योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं जनगणना के आंकड़े

बैठक को संबोधित करते हुए अपर जिलाधिकारी अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने कहा कि जनगणना देश के सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक राष्ट्रीय कार्यों में शामिल है। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के माध्यम से देश और प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक तथा जनसांख्यिकीय स्वरूप को समझने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं के निर्माण, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सरकारी संसाधनों के वैज्ञानिक और सटीक आवंटन के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनगणना-2027 के कार्य को पूरी गंभीरता, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरा कराया जाए।

जिला जनगणना अधिकारी ने निर्देश दिए कि द्वितीय चरण की जनसंख्या गणना से संबंधित सभी प्रारंभिक गतिविधियों को निर्धारित समय में पूरा किया जाए। जनगणना के लिए निर्धारित क्षेत्रों, मकानों और परिवारों से संबंधित तैयारियों का विभागवार और क्षेत्रवार परीक्षण कर लिया जाए, ताकि वास्तविक गणना के समय किसी प्रकार की परेशानी सामने न आए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार और प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित जानकारी निर्धारित प्रपत्र अथवा डिजिटल माध्यम में पूरी सावधानी के साथ सही-सही दर्ज की जानी चाहिए। आंकड़ों में किसी भी प्रकार की त्रुटि से जनगणना के अंतिम परिणामों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है।

प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण की समीक्षा बैठक में जनगणना कार्य में लगाए जाने वाले प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण की तैयारियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण की व्यवस्थित रूपरेखा तैयार की जाए और सभी संबंधित कार्मिकों को उनके दायित्व, कार्यप्रणाली, निर्धारित प्रक्रियाओं तथा डिजिटल माध्यम से आंकड़े एकत्र करने और दर्ज करने की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रगणक और पर्यवेक्षक जनसंख्या गणना की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होंगे। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें अपने क्षेत्राधिकार, कार्यक्षेत्र, गणना प्रक्रिया और तकनीकी उपकरणों के संचालन की पूरी जानकारी हो। प्रशिक्षण के दौरान संभावित समस्याओं और उनके समाधान के संबंध में भी कार्मिकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि वास्तविक जनगणना के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियागत समस्या उत्पन्न न हो।

एडिशनल कमिश्नर उद्योग से आईआईए प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात, उद्यमियों की समस्याओं पर हुई गंभीर चर्चा

एमएसएमई फैसिलिटेशन काउंसिल की कार्यप्रणाली में सुधार और औद्योगिक प्लॉटों की उपलब्धता का मुद्दा प्रमुखता से उठा

मुजफ्फरनगर। जिला उद्योग केंद्र में एडिशनल कमिश्नर ऑफ इंडस्ट्रीज (उद्योग), मेरठ मंडल उमेश कुमार सिंह के साथ इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के प्रतिनिधिमंडल की परिचयात्मक एवं महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में उद्यमियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और उद्योग जगत के सामने आ रही समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया गया।

बैठक में डिप्टी कमिश्नर उद्योग जैस्मिन फौजदार एवं सहायक महाप्रबंधक आशीष कुमार भी मौजूद रहे। आईआईए की ओर से डिवीजनल चेयरमैन पवन कुमार गोयल, पूर्व चेयरमैन अशोक अग्रवाल, आईआईए युवा विंग के कैप्टन अनमोल अग्रवाल, एफ.सी. मोगा, राकेश जैन, अभिषेक अग्रवाल, जगरोशन गोयल सहित अन्य पदाधिकारियों ने एडिशनल कमिश्नर से मुलाकात की।

फैसिलिटेशन काउंसिल में लंबित मामलों का मुद्दा उठा

बैठक के दौरान आईआईए प्रतिनिधिमंडल ने सहारनपुर स्थित एमएसएमई फैसिलिटेशन काउंसिल की कार्यप्रणाली का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि उद्यमियों के भुगतान संबंधी मामलों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण नहीं हो पा रहा है। कई मामलों में चार से पांच माह अथवा उससे भी अधिक समय लग रहा है, जिससे छोटे एवं सूक्ष्म उद्यमियों की कार्यशील पूंजी प्रभावित होती है।

आईआईए प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि एमएसएमईडी एक्ट की धारा 18(5) के तहत कार्यवाही को यथासंभव निर्धारित 90 दिनों के भीतर पूर्ण किया जाना अपेक्षित है। ऐसे में मामलों के निस्तारण में हो रहे विलंब से उद्यमियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

आईआईए के मण्डलीय चेयरमैन पवन कुमार गोयल ने अनुरोध किया कि फैसिलिटेशन काउंसिल की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर उसे अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए, ताकि सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को अपने बकाया भुगतान की प्राप्ति के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

खाली औद्योगिक प्लॉटों की जानकारी उपलब्ध कराने की मांग

बैठक में जिला उद्योग केंद्र मुजफ्फरनगर के अंतर्गत उपलब्ध खाली एवं अनुपयोगी पड़े औद्योगिक प्लॉटों का मुद्दा भी उठाया गया। आईआईए प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि ऐसे सभी प्लॉटों की सूची तैयार कर उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी सार्वजनिक एवं उपलब्ध कराई जाए।

प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि यदि अनुपयोगी एवं खाली पड़े औद्योगिक भूखंडों की स्थिति स्पष्ट हो जाए तो उनका समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है। साथ ही नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों को भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में भी प्रभावी कदम उठाए जा सकेंगे।

औद्योगिक विकास के लिए समस्याओं का समाधान जरूरी

आईआईए पदाधिकारियों ने कहा कि उद्योगों के लिए पर्याप्त भूमि की उपलब्धता, उद्यमियों को समयबद्ध भुगतान तथा सरकारी विभागों की कार्यप्रणाली में आवश्यक सुधार औद्योगिक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन समस्याओं का समाधान होने से जहां मौजूदा उद्योगों को राहत मिलेगी, वहीं क्षेत्र में नए निवेश, औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा।

एडिशनल कमिश्नर उद्योग उमेश कुमार सिंह ने आईआईए प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी विषयों को गंभीरता से सुना और उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

आईआईए प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि प्रशासन के सकारात्मक सहयोग से उद्यमियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा तथा मुजफ्फरनगर सहित पूरे मेरठ मंडल में औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

द. एसडी पब्लिक स्कूल में जन्माष्टमी की धूम, राधा-कृष्ण के रूप में सजे नन्हे-मुन्नों ने मोहा मन

बाल लीलाओं और माखन चोरी की झांकी ने बांधा समां, भजन-नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कृष्णमय हुआ विद्यालय परिसर

मुजफ्फरनगर। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी के पावन अवसर पर द. एसडी पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर में विशेष प्रार्थना सभा का भव्य एवं मनोहारी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों तथा धर्म, सत्य, कर्म और प्रेम के संदेश से परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण एवं प्रार्थना के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनकी शिक्षाओं पर आधारित भजन, गीत, नृत्य और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय परिसर में पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नन्हे विद्यार्थियों का श्रीकृष्ण एवं राधा के रूप में सजना रहा। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने अपनी मनमोहक अदाओं और प्रस्तुतियों से सभी को आकर्षित किया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों से पूरा विद्यालय परिसर कृष्णमय नजर आया।

विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं माखन चोरी की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। झांकी में बाल कृष्ण की नटखट लीलाओं को देखकर उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत कर दिया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या ने सभी विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके जीवन से हमें प्रेम, करुणा, साहस, सत्य और कर्तव्यनिष्ठा का मार्ग मिलता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों एवं शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाएं और सत्य तथा सदाचार के मार्ग पर चलते हुए समाज एवं देश के विकास में अपना योगदान दें।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वातावरण भक्ति, उल्लास और उमंग से सराबोर रहा। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सभी ने सराहना की और जन्माष्टमी पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

किसानों की समस्याओं को लेकर चला जागरूकता अभियान जल्द बड़े आंदोलन का ऐलान

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) की ओर से किसान जागरूकता अभियान के तहत गांव सिमरती में एक विशाल किसान सभा का आयोजन किया गया। सभा का आयोजन संगठन के पदाधिकारी भीम सिंह के आवास पर हुआ, जिसमें सैकड़ों किसानों ने भाग लिया। गांव पहुंचने पर भाकियू (तोमर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर का किसानों एवं संगठन के कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया।

सभा का संचालन संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष शहजाद मलिक ने किया, जबकि अध्यक्षता मंडल महासचिव मुकेश गुर्जर ने की। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को सुना और उनके समाधान को लेकर संगठन की आगामी रणनीति पर चर्चा की।

सभा में किसानों ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा किसानों की समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। किसानों ने गन्ने के मूल्य, बिजली, डीजल, खाद और कृषि लागत बढ़ने सहित विभिन्न मुद्दे उठाए। किसानों का कहना था कि कृषि लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि फसलों का लाभकारी मूल्य उस अनुपात में नहीं बढ़ रहा है। खाद की उपलब्धता और कथित कालाबाजारी को लेकर भी किसानों ने अपनी नाराजगी जताई।

कृषि प्रधान देश अब कुर्सी प्रधान होता जा रहा

किसानों को संबोधित करते हुए भाकियू (तोमर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने सरकार की नीतियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश रहा है, लेकिन आज की परिस्थितियों को देखकर ऐसा लगता है कि देश को किसानों के बजाय कुर्सी प्रधान देश बनाने पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि किसानों से किए गए कई वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। किसान कर्जमाफी, गन्ना भुगतान, कृषि लागत और खाद की उपलब्धता जैसे मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को समय से गन्ने का भुगतान नहीं मिलने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है और उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी परेशानी उठानी पड़ती है।

चौधरी संजीव तोमर ने कहा कि किसान लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर संघर्ष कर रहा है। दिल्ली में चले किसान आंदोलन के दौरान सरकार द्वारा किए गए वादों को भी पूरा कराने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भाकियू (तोमर) किसानों की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी।

मुजफ्फरनगर में जल्द होगा बड़ा प्रदर्शन

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर जल्द ही जनपद मुजफ्फरनगर में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं से गांव-गांव पहुंचकर किसानों को जागरूक करने तथा उनकी समस्याओं को संगठन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन पूरी मजबूती से संघर्ष करेगा।

भीम सिंह बने जिला महासचिव

सभा के दौरान संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने भीम सिंह को भारतीय किसान यूनियन (तोमर) का जिला महासचिव नियुक्त किया। इस घोषणा पर मौजूद पदाधिकारियों एवं किसानों ने उनका स्वागत किया और भीम सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

सभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन त्यागी, प्रदेश उपाध्यक्ष शहजाद मलिक, कार्यकारिणी ब्लॉक अध्यक्ष ईशराईल, मुकेश गुर्जर, आशु चौधरी, हीरा बालियान, सोनू, नाजिम सैफी, साजिद अल्वी, यूसुफ, मोहम्मद अली, आकिल राणा, राजबीर, राजेन्द्र, देवेन्द्र, मनोज, सुनील सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं किसान मौजूद रहे।

सभा के अंत में संगठन पदाधिकारियों ने किसानों से एकजुट होकर अपने अधिकारों एवं समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

4 सितंबर को मनाई जाएगी कृष्ण जन्माष्टमी, जानें कब होगी पूजा और किस समय खुलेगा व्रत

इस साल 4 सितंबर 2026 को कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाएगा। हिंदू धर्म में इस पर्व का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इस शुभ अवसर पर देशभर के कृष्ण मंदिरों में लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना का भव्य आयोजन किया जाता है। साथ ही, भक्त भगवान श्रीकृष्ण की आराधना कर सुख-समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना करते हुए व्रत रखते हैं। इस दिन मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजा की जाती है, क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कान्हा जी का जन्म रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि के समय हुआ था। इस साल जन्माष्टमी के दिन अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि में चंद्रमा का विशेष संयोग भी बन रहा है। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 4 सितंबर 2026 को रात 2 बजकर 25 मिनट से शुरू होकर 5 सितंबर 2026 को रात 12 बजकर 13 मिनट तक रहेगी। ऐसे में 4 सितंबर 2026, शुक्रवार को ही कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मान्य होगा। इस तिथि पर अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र, ग्रहों का खास संयोग और वृषभ राशि में चंद्रमा का योग रहेगा।

जन्माष्टमी पूजा का शुभ मुहूर्त

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की पूजा का शुभ समय 4 सितंबर की रात 11 बजकर 57 मिनट से 5 सितंबर की रात 12 बजकर 43 मिनट तक रहेगा।

निशीथ कालः रात 11:57 बजे से 12:43 बजे तक

अभिजीत मुहूर्तः रात 11:56 बजे से 12:44 बजे तक

अमृत कालः रात 8:03 बजे से 9:33 बजे तक

जन्माष्टमी पर मध्यरात्रि पूजाः रात 12 बजे के आसपास

श्रीकृष्ण क्यों चुराते थे माखन? दही हांडी के पीछे है बाल लीला का खास राज

जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा की जाती है और उनकी मनमोहक बाल लीलाओं का स्मरण किया जाता है। इनमें माखन चोरी की लीला सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। नटखट कान्हा का गोपियों के घर जाकर माखन चुराना और दही की हांडी फोड़ना आज भी भक्तों को खूब आकर्षित करता है। लेकिन क्या श्रीकृष्ण वास्तव में माखन खाने के लिए ही उसे चुराते थे? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उनकी इस लीला में प्रेम, भक्ति और आत्मीयता का गहरा संदेश छिपा है।

श्रीकृष्ण को क्यों कहा जाता है माखन चोर

भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को उनकी चंचल और मनमोहक लीलाओं के लिए जाना जाता है। ब्रज में बाल गोपाल अक्सर गोपियों के घर पहुंच जाते थे और वहां रखे माखन-दही को अपने सखाओं के साथ मिलकर निकाल लेते थे। इसी कारण उन्हें प्रेम से 'माखन चोर' कहा जाने लगा। धार्मिक कथाओं में बताया जाता है कि श्रीकृष्ण के घर में भी माखन-दही की कोई कमी नहीं थी। ऐसे में उनके लिए दूसरे घरों से माखन चुराने की कोई आवश्यकता नहीं थी। यही बात उनकी इस लीला को साधारण चोरी से अलग करती है। भक्त परंपरा में इसे भगवान और उनके भक्तों के बीच प्रेमपूर्ण संबंध का प्रतीक माना गया है।

श्रीकृष्ण जगत गुरु : विष्णु के सभी अवतारों में सर्वोच्च भगवान श्रीकृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण का सभी अवतारों में सर्वोच्च स्थान है। संपूर्ण भारत में उन्हीं के सबसे अधिक और प्रसिद्ध मंदिर है। दुनियाभर में उन्हीं पर शोध हो रहे हैं और दुनियाभर के लोग उन्हीं को सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। वे देश, धर्म और संप्रदाय से उपर उठकर सर्वमान्य महापुरुष हैं। आओ जानते हैं कि उनके बारे में ऐसे तथ्य जिन्हें जानकर लोग उनकी ओर आकर्षित होते हैं।

भगवान नहीं, प्रेमी और सखा

श्री कृष्ण अपने भक्तों के मित्र, दोस्त या सखा हैं। वे कभी भी किसी भक्त के भगवान नहीं बने। उन्होंने हमेशा मित्रता को ही महत्व दिया। चाहे सुदामा हो, अर्जुन हो गया फिर कलिकाल में भक्त माधवदास और मीरा। श्रीकृष्ण अपने भक्तों के सखा भी और गुरु भी हैं। वे प्रेमी और सखा बनकर गुर ज्ञान देते हैं। उनके हजारों सखाओं की कहानियों को जानने से यह भेद खुल जाता है।

जग के नाथ जगन्नाथ

श्रीकृष्ण 14 विद्या और 16 आध्यात्मिक और 64 सांसारिक कलाओं में पारंगत थे। इसीलिए प्रभु श्रीकृष्ण जग के नाथ जगन्नाथ और जग के गुरु जगदगुरु कहलाते हैं।

पूर्णावतार

भगवान श्रीकृष्ण का भगवान होना ही उनकी शक्ति का स्रोत है। वे विष्णु के 10 अवतारों में से एक आठवें अवतार थे, जबकि 24 अवतारों में उनका नंबर 22वां था। उन्हें अपने अगले पिछले सभी जन्मों की याद थी। सभी अवतारों में उन्हें पूर्णावतार माना जाता है।

चमत्कार

उन्होंने बालपन में माता यशोदा मैया को अपने मुख में ब्रह्मांड के दर्शन करा दिए थे। वे सांदीपनि ऋषि के मृत पुत्र को यमराज के पास से पुनः ले आए थे। उन्होंने मथुरा में कुबड़ी कुब्जा को तक्षण ही ठीक कर दिया था। उन्होंने इंद्र का अहंकार चूर करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी चींटी अंगुली से उठा लिया था। उन्होंने धृतराष्ट्र की सभा में जब द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था तब उन्होंने अपने चमत्कार से द्रौपदी की साड़ी लंबी कर दी थी। बर्बरीक का सिर काटकर एक स्थान विशेष पर रख दिया था जहां से वह युद्ध देख सके। जयद्रथ वध के पूर्व उन्होंने अपनी माया से समय पूर्व ही सूर्यास्त करके पुनः उसे उदित कर दिया था। उन्होंने अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ में पल रहे पुत्र परीक्षित पुनः जीवित कर दिया था और अश्वत्थामा को 3 हजार वर्षों तक जीवित रहने के श्राप दे दिया था। इस तरह उनके सैंकड़ों चमत्कार है।

शरीर का गुण

युद्ध के समय श्रीकृष्ण की देह विस्तृत और कठोर हो जाती थी और नृत्य के समय कोमल। उनके शरीर से मादक गंध निकलती रहती थी। इस गंध को वे अपने गुप्त अभियानों में छुपाने का उपक्रम करते थे। ऐसा माना जाता है कि ऐसा इसलिए हो जाता था क्योंकि वे योग और कलारिपट्टू विद्या में पारंगत थे।

गीता का ज्ञान

दुनिया में वे ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने युद्ध के मैदान में ज्ञान दिया और वह भी ऐसा ज्ञान जिस पर दुनियाभर में हजारों भाष्य लिखे गए और जो आज भी प्रासंगिक है। असल में गीता को ही एक मात्र धर्मग्रंथ माना जाता है। उनके जीवन चरित श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित है। श्रीकृष्ण ने गीता के अलावा भी और भी कई गीताएं कहीं हैं। जैसे अनु गीता, उद्धव गीता आदि। गीता में उन्होंने धर्म, ईश्वर और मोक्ष का सच्चा रास्ता बताया।

जन्म और मृत्यु एक रहस्य

श्रीकृष्ण का जन्म एक रहस्य है क्योंकि उनका जन्म जेल में हुआ और वह भी विष्णु ने अपने 8वें अवतार के रूप में 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकल गए और 8वां उपस्थित हुआ तभी आधी रात के समय सबसे शुभ लग्न उपस्थित हुआ। उस लग्न पर केवल शुभ ग्रहों की दृष्टि थी। रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि के संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 12 बजे अर्थात शून्य काल में जन्म लिया था।

गीता का ज्ञान

दुनिया में वे ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने युद्ध के मैदान में ज्ञान दिया और वह भी ऐसा ज्ञान जिस पर दुनियाभर में हजारों भाष्य लिखे गए और जो आज भी प्रासंगिक है। असल में गीता को ही एक मात्र धर्मग्रंथ माना जाता है। उनके जीवन चरित श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित है। श्रीकृष्ण ने गीता के अलावा भी और भी कई गीताएं कहीं हैं। जैसे अनु गीता, उद्धव गीता आदि। गीता में उन्होंने धर्म, ईश्वर और मोक्ष का सच्चा रास्ता बताया।

जन्म और मृत्यु एक रहस्य

श्रीकृष्ण का जन्म एक रहस्य है क्योंकि उनका जन्म जेल में हुआ और वह भी विष्णु ने अपने 8वें अवतार के रूप में 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकल गए और 8वां उपस्थित हुआ तभी आधी रात के समय सबसे शुभ लग्न उपस्थित हुआ। उस लग्न पर केवल शुभ ग्रहों की दृष्टि थी। रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि के संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 12 बजे अर्थात शून्य काल में जन्म लिया था। इसी तरह उन्होंने मृत्यु का भी चयन तब किया जबकि उन्हें अपने धाम जाना था। पौराणिक मान्यताओं अनुसार प्रभु ने त्रेता में राम के रूप में अवतार लेकर बाली को छुपकर तीर मारा था। कृष्णावतार के समय भगवान ने उसी बाली को जरा नामक बहेलिया बनाया और अपने लिए वैसी ही मृत्यु चुनी, जैसी बाली को दी थी।

विराट स्वरूप

उन्होंने अक्रूरजी को अपना विराट स्वरूप दिखाया, फिर उद्धव को, फिर राजा मुचुकुंद को, फिर शिशुपाल को, फिर धृतराष्ट्र की सभा में, पिर अर्जुन को 3 बार विराट स्वरूप दिखाया। कहते हैं कि उन्होंने कलियुग में माधवदास को भी अपना विराट स्वरूप दिखाया था।

सभी और वे पूजा जाते हैं

श्रीकृष्ण को पुरी में जगन्नाथ के रूप में, द्वारिका में द्वारिकाधीश के रूप में, गुजरात में श्रीनाथ के रूप में, राजस्थान में सावलिया सेठ के रूप में पूजे जाते हैं। इसी तरह हर राज्य में उनका एक अलग ही स्वरूप है।

लाखों लोगों को मिला मोक्ष

श्रीकृष्ण के माध्यम से उन्हीं के काल में हजारों महिलाओं, द्रौपदी, राधा, रुक्मिणी, सत्यभामा और गोपियों को मोक्ष मिला या कहें कि ज्ञान प्राप्त हुआ था। उन्होंने भक्ति मार्ग के माध्यम से अपने भक्तों को ज्ञान प्राप्त कराया। गोपियों से लेकर मीरा तक और सुदामा से लेकर सुरदास तक सभी को मोक्ष मिला।

जन्माष्टमी को वर्षों बाद बनें कई शुभ योग

जन्माष्टमी का पर्व भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का मनाया जाता है। जन्माष्टमी का पर्व भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान कृष्ण के प्राकट्य का उत्सव है। इस साल जन्माष्टमी का पर्व 4 सितंबर को मनाया जाएगा। इस बार की जन्माष्टमी कई मायनों में बहुत ही खास होने वाली है। इस बार जन्माष्टमी पर कई शुभ योग का संयोग रहने वाला है। आइए जानते हैं जन्माष्टमी पर इस बार कौन कौन से योग बन रहे हैं। साथ ही जानें जन्माष्टमी व्रत पारण का समय।

3 सितंबर को रात में 12 बजकर 30 मिनट से रोहिणी नक्षत्र व्याप्त होगा। वहीं, 4 सितंबर को रात 11 बजकर 5 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र समाप्त होगा। ऐसे में अबकी बार जन्माष्टमी 4 सितंबर यानी शुक्रवार को रोहिणी नक्षत्र अष्टमी तिथि के संयोग में मनाई जाएगी। वहीं, कृष्णजी की छठी बुधवार को मनाई जाएगी। ऐसे में अबकी बार जयंती योग का दुर्लभ संयोग बना है। पुराणों में जयंती योग में जन्माष्टमी का मिलना पूर्व जन्मों का फल माना जाता है क्योंकि इस दुर्लभ संयोग में जन्माष्टमी व्रत को करने से महान पुण्य की प्राप्ति होती है। निर्णय सिंधु में बताया गया है कि यानी रोहिणी युक्ता जन्माष्टमी में कृष्ण जन्माष्टमी का व्रत करने से तीन जनों के पापों का शमन हो जाता है। शास्त्रों के अनुसार, जब भी भगवान कृष्ण की जन्म बुधवार या सोमवार को होता है और साथ में रोहिणी नक्षत्र और अष्टमी तिथि का संयोग बनता है तो यह जयंती योग के परम पुण्य फल को देने वाला हो जाता है। इस साल जन्माष्टमी शुक्रवार होने से बुधवार के दिन श्रीकृष्ण भगवान की छठी बुधवार को मनाई जाएगी। यह भी एक उत्तम संयोग है। पंडित जी के अनुसार, पद्म पुराण में बताया गया है कि, जो श्रद्धालु भक्त जयंती योग में जन्माष्टमी का व्रत करते हैं वह प्रेत योनी में पड़े अपने पूर्वजों को भी पाप मुक्त करवाकर पुण्य लोक में स्थान दिलाने में सक्षम होते हैं। इसलिए जयंती योग में जन्माष्टमी होने पर स्त्री पुरुष बाल वृद्ध सभी को श्रद्धा पूर्वक जन्माष्टमी का व्रत करना चाहिए।

जन्माष्टमी 2026 कौन कौन से योग बने हैं?

जन्माष्टमी पर इस बार जयंती योग, हंस योग, मालव्य राजयोग, बुधादित्य राजयोग, हर्ष योग का संयोग रहने वाला है। ऐसे में इस साल जन्माष्टमी का व्रत करने वालों को दोगुना फल प्राप्त होगा। साथ ही इस दिन व्रत करने वालों को अपने पूर्वजों को भी प्रेत योनी से मुक्त कराने का मौका मिलेगा। बात करें जन्माष्टमी व्रत पारण की तो जन्माष्टमी व्रत का पारण 5 सितंबर शनिवार के दिन सूर्योदय के बाद किया जाएगा। 4 सितंबर की मध्यरात्रि जब भगवान कृष्ण का जन्म हो चुका होगा तो उस समय चरणामृत और प्रसाद लेकर पारण कर सकते हैं। लेकिन, अन्न ग्रहण सूर्योदय के बाद ही करना उत्तम शास्त्र सम्मत विधान माना गया है। 5 सितंबर को सूर्योदय का समय 6 बजकर 1 मिनट पर होगा। इसके बाद आप आराम से पारण कर सकते हैं।

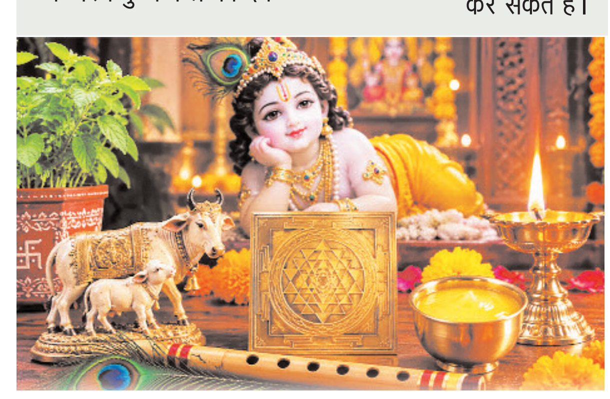

जन्माष्टमी के दिन कान्हा को लगाएं इन चीजों का भोग, संतान रहेगी सेहतमंद और बढ़ेगी सुख-समृद्धि

भगवान श्री कृष्णा के जन्मदिन पर घर में सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए भोग बनाते समय भी आपको कई बातों का खासतौर से ध्यान रखना जरूरी होता है।

भगवान विष्णु के आठवें अवतार के धरती पर अवतरण दिवस पर जन्माष्टमी का पर्व हर साल बेहद धूमधाम से मनाया जाता है, जिन्हें भगवान श्रीकृष्ण के नाम से जाना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। यही कारण है कि जन्माष्टमी भाद्रपद महीने के अंधेरे पखवाड़े के आठवें दिन मनाई जाती है। इस बार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 4 सितंबर को मनाया जाएगा। घर में सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए श्री कृष्णा के लिए आपको भोग तैयार करना चाहिए। तो आइये जानते हैं जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्रीकृष्ण को किन चीजों का भोग लगाना चाहिए।

जन्माष्टमी के दिन श्री कृष्णा को किन चीजों का भोग लगाना चाहिए?

सेलिब्रिटी एस्ट्रोलॉजर प्रदुमन सूरी के अनुसार, इस दिन श्रद्धालु नंदनी व्रत रखा जाता है, जिसमें कृष्ण जन्म के समय विशेष पूजा की जाती है। इसे निशिता पूजा कहा जाता है। पूजा के दौरान पंचामृत व खीर-माखन का भोग लगाने से संतान की सेहत अच्छी रहती है। इसके साथ ही सुख-संपत्ति के बढोतरी के साथ आपको हर क्षेत्र में विजय प्राप्त होती है।

निशीथ काल में 45 मिनट पूजा का मुहूर्त

जन्माष्टमी पर निशीथ पूजा का मुहूर्त रात 11:57 बजे से 12:43 बजे तक रहेगा। पूजा की अवधि 45 मिनट होगी। मध्यरात्रि का क्षण रात 12:20 बजे रहेगा। चंद्रोदय का समय रात 11:29 बजे बताया गया है। श्रद्धालु इसी अवधि में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाकर विधिवत पूजन कर सकते हैं।

जन्माष्टमी के दिन कैसे करें श्री कृष्णा की पूजा?

- पूजा की थाली में तुलसी के कुछ पत्तों के साथ माखन और मिश्री रखें।
- दूध, दही, शहद, शक्कर और घी का पंचामृत का भोग लगाएं।
- गाय के दूध से बनी शुद्ध मिठाई का भोग लगाएं।
- भगवान श्रीकृष्ण को उनके मनपसंद खीर-माखन का भोग लगाकर प्रसाद का वितरण करें।
- भगवान श्रीकृष्ण को श्रीखंड बहुत पसंद है, इसलिए आप उन्हें श्रीखंड का भोग भी लगा सकते हैं।
- इसके साथ ही पूजा की थाली में प्रसाद में मेवे और फल जरूर रखें।

टेक्सटाइल क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा 'यू.पी. टेक्स 2026: मंत्री राकेश सचान

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश को वैश्विक वस्त्र केंद्र में परिवर्तित किए जाने के उद्देश्य से हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग द्वारा 08 से 09 सितंबर तक लखनऊ में आयोजित होने वाले 'यू.पी. टेक्स 2026' के शुभारंभ से पूर्व आज 'यू.पी. टैक्स-2026' का कर्टेन रेजर एवं रोड शो आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मंत्री, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग एवं हथकरघा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार राकेश सचान, प्रमुख सचिव, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग एवं हथकरघा विभाग, उत्तर प्रदेश अनिल कुमार सागर, मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, परिक्षेत्रीय सहायक आयुक्त (हथकरघा), हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, पश्चिमी क्षेत्र मेरठ/सहारनपुर मंडल अरविंद कुमार सिंह, अध्यक्ष एनएईसी ललित ठुकराल, उपाध्यक्ष एनएईसी नीरज प्रकाश एवं उपाध्यक्ष, आई.आई.ए. राजीव बंसल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उद्यमियों द्वारा प्रतिभाग किया। मंत्री, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग एवं हथकरघा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार राकेश सचान ने अपने उद्बोधन में उत्तर प्रदेश को वैश्विक टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 'यू.पी. टेक्स 2026' के माध्यम से प्रदेश की टेक्सटाइल क्षमता को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने, उद्यमियों एवं निवेशकों को एक मंच प्रदान करने तथा वस्त्र क्षेत्र में नए अवसरों को बढ़ावा देने का लक्ष्य है। 'यू.पी. टेक्स 2026' उत्तर प्रदेश के टेक्सटाइल सेक्टर के विकास को नई गति देने के साथ ही उद्योग जगत के लिए नए अवसरों और संभावनाओं के द्वार खोलेगा।

प्रमुख सचिव, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग एवं हथकरघा विभाग, उत्तर प्रदेश अनिल कुमार सागर ने उद्योग जगत की सहभागिता, निवेश के अवसरों तथा 'यू.पी. टेक्स 2026' की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

अध्यक्ष एनएईसी ललित ठुकराल ने परिधान, निर्यात एवं वस्त्र क्षेत्र के विकास की संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। उपाध्यक्ष, आई.आई.ए. राजीव बंसल ने अपैरल के क्षेत्र में नोएडा की उपयोगिता एवं संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। निदेशक, एसएसजी फर्निशिंग्स लिमिटेड, नोएडा चंद्रभूषण मिश्रा ने होमटेक एवं आईएफआर फैब्रिक तथा उसके उपयोग के संबंध में जानकारी दी। निदेशक, एलीट होम डेकोर अवनीश गौतम ने स्टार्टअप तथा भारतीय होम फर्निशिंग की बढ़ती वैश्विक मांग पर चर्चा की।

कार्यक्रम के अंत में संयोजक एवं सहायक आयुक्त, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, मेरठ/सहारनपुर मंडल अरविंद कुमार सिंह ने सभी उद्यमियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी उद्यमियों से 'यू.पी. टेक्स 2026' में 08 एवं 09 सितम्बर को सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। साथ ही विभाग द्वारा पंजीकरण की कार्यवाही के लिए पृथक काउंटर की व्यवस्था की गई, जहां उद्यमियों को विभिन्न योजनाओं, निवेश के अवसरों एवं निर्यात संवर्धन से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई।

उन्होंने उद्यमियों से विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं निवेश संबंधी अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर नवीन टेक्सटाइल पॉलिसी-2027 को लेकर भी चर्चा की गई।

वीपीवी स्कूल गरुकुल में बड़ी भव्यता के साथ मनाया गया योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

गाजियाबाद । बृहस्पतिवार को पाइप लाइन रोड़ मकरेड़ा में स्थित वीपीवी स्कूल गुरुकुल में बड़ी भव्यता के साथ में योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया।छोटे - छोटे बच्चों ने भगवान श्री कृष्ण की वेषभूषा में वैदिक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके सबके मन को मोह लिया।प्रबंधक कृष्णदेव आर्य ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए और हम सभी को भगवान कृष्ण के आदर्श को अपने जीवन में साक्षात करना चाहिए।

भगवान श्री कृष्ण एक पत्नी व्रता योगेश्वर, नीतिनिपुण वेदज्ञा, कर्मशील, सात्विकता, जितेन्द्रियता,16 कलाओ के ज्ञाता आदि अनेक गुणों से परिपूर्ण थे,परंतु कालांतर में कुछ विधर्मियों,स्वार्थी दुष्ट लोगों के द्वारा उनके चरित्र को बिगाड़ने की कोशिश की गयी,भगवान श्री कृष्ण सूर्य के समान उज्जवल चरित्र वाले थे,जिन्होंने महाभारत काल में अनेकों अनेक प्रेरणा युक्त कर्म किये है,कुछ स्वार्थी लोगों ने भ्रांतियां पैदा कर दी कि भगवान श्री कृष्ण के 16108 गौपिकाएं थी,माखन चोर थे,रास लीला रचाते थे,मनिहारी का वेश बनाकर चूड़ी बेचने का कार्य करते थे,इस प्रकार के लांछन लगाकर हमारे महापुरुषों को बदनाम किया,ये सब बिल्कुल तथ्यहीन बाते है,जिनका कोई अर्थ नहीं है,भगवान श्रीकृष्ण को 16108 वेद की ऋचाएं कंठस्थ थी,ये उस समय के सत्य के अनुगामी और धर्मज्ञ महापुरुष थे, जिन्होंने सम्पूर्ण जीवन में मानव हित के कार्य किये और कोई पाप नहीं किया।अतः उन्हें आप्त पुरुष कहा जाता है उनका जन्म दिवस मनाना तभी सार्थक होगा,जब हम अपने जीवन में उनके गुणों को धारण करेंगे।

प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार ने सभी का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी अपने महापुरुषों के पद चिह्नों पर चलकर राष्ट्र के सभ्य नागरिक बनें।मंच का कुशल संचालन अंजलि शर्मा ने किया।इस अवसर पर अंजना चौधरी, शर्मिष्ठा चौधरी, सीमा श्रीवास्तव, अंशु त्यागी ,विकास चौधरी, आकांशा वशिष्ठ, काजल, दिव्या अधाना,प्रमोद खारी, देवव्रत आर्य एवं विद्यालय के बच्चे मौजूद रहें।

नोएडा मजदूर आंदोलन: हाईकोर्ट से आकृति चौधरी की एनएसए हिरासत रद्द

नोएडा। शहर में अप्रैल में हुए हिंसक श्रमिक आंदोलन से जुड़ा मामला एक बार फिर चर्चा में है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत आकृति चौधरी की हिरासत रद्द कर दी है। मई में उन पर एनएसए के तहत कार्रवाई की गई थी। पुलिस ने आकृति को मजदूर बिगुल दस्ता का सक्रिय सदस्य बताते हुए श्रमिक आंदोलन के दौरान हिंसा और आगजनी में उनकी भूमिका होने का आरोप लगाया था। वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर 13 अप्रैल में नोएडा में श्रमिकों ने प्रदर्शन किया था। दर्शन के दौरान 300 से अधिक कंपनियों के शीशे तोड़ने और दो दर्जन से अधिक वाहनों में आग लगाए जाने की घटनाएं सामने आई थीं। पुलिस के अनुसार, करीब 42 हजार मजदूर सड़कों पर उतरे थे। हिंसक घटनाओं के बाद कमिश्नरेट के अलग-अलग थानों में मुकदमे दर्ज किए गए और मामले की जांच शुरू हुई।

11 अप्रैल का हुई थी गिरफ्तारी, लगे थे आरोप: नोएडा पुलिस ने 11 अप्रैल को आकृति को बॉटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया था। इसके बाद मई में उन पर एनएसए के तहत कार्रवाई की गई थी। पुलिस ने आकृति को मजदूर बिगुल दस्ता का सक्रिय सदस्य बताते हुए श्रमिक आंदोलन के दौरान हिंसा और आगजनी में उनकी भूमिका होने का आरोप लगाया था। पुलिस का आरोप था कि आकृति ने प्रदर्शनकारियों को उकसाकर कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास किया।

जांच के दौरान पुलिस ने उनकी गतिविधियों को भड़काऊ बताते हुए आरोप लगाया था कि उन्होंने भीड़ को उग्र करने और लोक व्यवस्था प्रभावित करने में सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं, आकृति के अधिवक्ता रजनीश यादव का कहना है कि एनएसए लगाने के लिए पुलिस के पास पर्याप्त ठोस साक्ष्य नहीं थे। उनका आरोप है कि सरकार की आलोचना करने वालों के खिलाफ अतिरिक्त धाराओं का इस्तेमाल किया गया।

नहीं मिला आदेश: गौतमबुद्धनगर के अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) राजीव नारायण मिश्रा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश का सम्मान है। अभी आदेश की प्रति प्राप्त नहीं हुई है। आदेश मिलने के बाद उसका अध्ययन किया जाएगा और आगे की कानूनी कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

डूब क्षेत्र में बिजली कनेक्शन काटे जाने के विरोध में सपा नेताओं ने की बैठक

नोएडा। नोएडा के डूब क्षेत्र में बिजली विभाग द्वारा अचानक हजारों कनेक्शन काटे जाने के खिलाफ और गहराते बिजली संकट को लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं व स्थानीय निवासियों की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को छिजारसी और चोटपुर कॉलोनी में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष दीपक विग ने की, तथा मंच का कुशल संचालन समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतुल यादव द्वारा किया गया।

बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट गौरव सिंघल ने डूब क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए स्थानीय प्रशासन और सत्ता पक्ष पर तीखा हमला बोला।

एडवोकेट गौरव सिंघल ने कहा, 'मुख्यमंत्री के निर्देश के नाम पर डूब क्षेत्र (छिजारसी, चोटपुर आदि) में लगभग 3000 नियमित बिजली कनेक्शन काट दिए गए हैं। बिजली विभाग ने खुद यहां मीटर लगाए थे और लोग सालों से बिल भर रहे थे। अब अचानक बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के हजारों परिवारों को अंधेरे में धकेल देना पूरी तरह से अमानवीय है। स्थानीय भाजपा विधायक और जनप्रतिनिधियों को इन बेसहारा परिवारों, बुजुर्गों और पढ़ाई कर रहे बच्चों का दर्द दिखाई नहीं दे रहा है।' अखिलेश जी की सरकार आने पर सबको वैध कनेक्शन दिए जाएँगे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे दीपक विग ने अपने संबोधन में कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा आम जनता के अधिकारों के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ी रही है। प्रशासन का यह तानाशाही रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि जल्द ही प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल करने या नियमित कनेक्शन देने की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, ओर पानी की व्यवस्था नहीं की गयी तो पार्टी जनता के साथ मिलकर सड़कों पर उतरने को मजबूर होगी।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतुल यादव ने युवाओं और छात्रों की समस्याओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बिजली न होने से बच्चों की शिक्षा पूरी तरह बाधित हो चुकी है। इस जनविरोधी फैसले के खिलाफ युवाओं में भारी आक्रोश है और इसके विरोध में चरणबद्ध तरीके से आंदोलन को तेज किया जाएगा।

बैठक का आयोजन मनोज यादव एवं पुष्पेंद्र यादव द्वारा किया गया, कैलाश कल्याण ओंकार वीरेश मुन्ना ओर वीरेंद्र शुक्ला मुख्य रूप से उपस्थित रहें। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस बिजली संकट और प्रशासनिक उत्पीड़न के खिलाफ जल्द ही स्थानीय विधायक ओर बिजली विभाग के कार्यालय का घेराव किया जाएगा और जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक, आरडब्ल्यूए पदाधिकारी और भारी संख्या में डूब क्षेत्र के पीड़ित निवासी उपस्थित रहे।

व्यापार बंधु बैठक में प्रमुखता से उठाए व्यापारिक एवं जनहित के मुद्दे

नोएडा। व्यापारियों एवं आम नागरिकों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों के समाधान के उद्देश्य से व्यापार बंधु समिति की मासिक बैठक मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में डिप्टी कमिश्नर राज्य कर (प्रशासन) अजीत सिंह, एसीपी ट्रैफिक सेंट्रल नोएडा पवन कुमार सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा जनपद के प्रमुख व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र की जनसुविधाओं, व्यापारिक आवश्यकताओं, यातायात व्यवस्था, जल निकासी, स्वच्छता, सुरक्षा तथा आधारभूत ढांचे से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। व्यापारिक प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं पर अधिकारियों ने गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई एवं समाधान के लिए दिशा-निर्देश भी दिए।

बैठक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा इकाई के अध्यक्ष राम अवतार सिंह व चेयरमैन नरेश कुच्छल के निर्देश पर वरिष्ठ महामंत्री मनोज भाटी के माध्यम से व्यापारियों एवं जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषय प्रभावी ढंग से बैठक में रखा। इस दौरान सेक्टर-64 नोएडा स्थित आदर्श परीक्षा केंद्र में लगाए गए जैमर के कारण मामूरा मार्केट के व्यापारियों एवं आसपास के व्यापारिक प्रतिष्ठानों को हो रही गंभीर परेशानियों को विशेष रूप से उठाया गया। मनोज भाटी ने अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा कि जैमर के कारण मोबाइल नेटवर्क एवं संचार व्यवस्था प्रभावित होने से व्यापारियों को दैनिक कार्यों में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है और इसका सीधा असर व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रहा है। यदि इसका शीघ्र व्यावहारिक समाधान नहीं किया गया तो व्यापारियों के सामने अपने प्रतिष्ठान अन्य स्थानों पर स्थानांतरित करने जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए व्यापारियों की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के समन्वय से शीघ्र समाधान कराया जाना आवश्यक है। हरौला जनरेटर मार्केट सहित कई स्थानीय समस्याएं उठीं बैठक में हरौला जनरेटर मार्केट में स्थायी जल निकासी व्यवस्था कराने तथा व्यापारियों एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराने की मांग रखी गई।

इसके साथ ही गांवों में वैज्ञानिक एवं सुव्यवस्थित कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था लागू करने तथा ग्राम मंगरौली-छपरौली, सेक्टर-168 में वर्षों से लंबित सीवर लाइन को शीघ्र चालू कराने का विषय भी प्रमुखता से उठाया गया। व्यापारिक प्रतिनिधि प्रवीण सक्सेना ने आर्य नगर मार्केट की स्ट्रीट लाइट, जल निकासी एवं चोरी की घटनाओं से संबंधित समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। उन्होंने नागरिकों एवं व्यापारियों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए नोएडा प्राधिकरण के आधिकारिक ङ्ग (पूर्व ट्विटर) प्लेटफॉर्म को अधिक सक्रिय, प्रभावी एवं जवाबदेह बनाने का सुझाव भी दिया। भंगेल में अतिक्रमण एवं जल निकासी की समस्या पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश बैठक में भंगेल पुलिस चौकी के पीछे ऑटो, रेहड़ी-पटरी एवं अन्य अस्थायी गतिविधियों के कारण सड़क पर होने वाले अतिक्रमण एवं यातायात जाम की समस्या भी अधिकारियों के संज्ञान में लाई गई। इसके साथ ही क्षेत्र में जल निकासी की समस्या का भी उल्लेख किया गया। व्यापारिक प्रतिनिधियों ने कहा कि व्यापार बंधु समिति जैसे मंचों के माध्यम से प्रशासन और व्यापार जगत के बीच निरंतर संवाद स्थापित होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे जमीनी स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं को समयबद्ध ढंग से संबंधित विभागों तक पहुंचाने और उनके समाधान की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। बैठक में यह भी रेखांकित किया गया कि व्यापारियों द्वारा उठाए गए मुद्दे केवल व्यापारिक हितों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे जनसुविधाओं, स्वच्छता, नागरिक सुरक्षा, पर्यावरण, सार्वजनिक स्वास्थ्य, यातायात व्यवस्था तथा जनपद के सुनियोजित विकास से सीधे जुड़े हुए हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी में तैयारियां तेज

गाजियाबाद। गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी राकेश मार्ग स्थित श्री शिव बालाजी धाम मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। 4 सितंबर 2026 को शाम 7 बजे से जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

मंदिर परिसर को गुब्बारों, फूलों एवं आकर्षक सजावट से भव्य रूप दिया जा रहा है। भगवान श्रीकृष्ण की भव्य झांकी और विशेष रूप से सजाया गया कृष्ण जी का पालना श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। निवासी स्वयं बाल गोपाल को पालने में झुलाकर जन्मोत्सव की खुशियां मनाएंगे।

मंदिर के पुजारी पंडित राजीव मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में गुणगान गायक सुधीर राजपूत एवं शिवम शर्मा दिल्ली, भजनों की प्रस्तुति देंगे। भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा तथा श्रद्धालुओं को चरणामृत, मक्खन-मिश्री एवं फलों का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

आरडब्ल्यूए की पूर्व अध्यक्ष रश्मि चौधरी ने सभी निवासियों से अपील की कि वे परिवार सहित समय से मंदिर परिसर में पहुंचकर इस भव्य धार्मिक आयोजन में शामिल हों और भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त करें।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 144वीं बोर्ड बैठक में लिए गए अहम निर्णय

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक विकास में अहम भागीदारी निभाने वाले अप्रवासी श्रमिकों को बेहतर जीवन शैली देने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने तीन अहम फैसले लिए हैं। शासन के निर्देश पर प्राधिकरण बोर्ड ने ग्रेटर नोएडा में श्रमिक आवास, लेबर हॉस्टल और सार्वजनिक पुस्तकालय बनाने को मंजूरी दे दी है। ग्रेटर नोएडा में ये तीनों ही परियोजनाएं अब मूर्त रूप में आ सकेंगी। औद्योगिक शहर ग्रेटर नोएडा में अपना और अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में अप्रवासी श्रमिक आते हैं। एक वक्त के बाद वे यहां अपने लिए आशियाना बनाकर रहने की ख्वाहिश रखते हैं। बिल्डर फ्लैटों की कीमत ऐसे लोगों के पहुंच से दूर होती है, जिससे अपने घर का सपना पूरा नहीं हो पाता है। कई बार वे अनधिकृत कालोनियों में अपनी गाढ़ी कमाई लगा देते हैं। इस समस्या के हल के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पतवाड़ी और बिरौंडी गांव में ईडब्ल्यूएस फ्लैट बनाने जा रहा है। इसकी जमीन चिंहित हो गई है। सभी औपचारिकता पूरी कर इसी साल के अंत तक निर्माण कार्य शुरू करने का लक्ष्य है। इसका उद्देश्य जनपदों और राज्यों से आने वाले निर्माण श्रमिकों तथा परिवारों को सुविधायुक्त बेहतर और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है। बोर्ड बैठक में चेयरमैन दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार (वर्चुअल), ग्रेनो प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश, ग्रेनो प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ प्रेरणा सिंह, एसीईओ सुमित यादव, यीडा के ओएसडी शैलेंद्र सिंह, ग्रेनो प्राधिकरण के जीएम वित्त स्वतंत्र गुप्ता, जीएम प्रोजेक्ट एके सिंह, ग्रेनो प्राधिकरण की ओएसडी गुंजा सिंह, ओएसडी अभिषेक पाठक, ओएसडी गिरीश झा, ओएसडी मुकेश कुमार सिंह, ओएसडी अजय शर्मा आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

ट्रांजिट लेबर हॉस्टल: रोजगार की तलाश में ग्रेटर नोएडा आने पर अप्रवासी श्रमिकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती तत्काल अस्थाई आवास की होती है। होटल बहुत महंगा पड़ता है। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की ट्रांजिट हॉस्टल योजना के लिए के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से सेक्टर ईकोटेक-06 व ईकोटेक-11 में 3000-3000 वर्ग मीटर भूमि चिंहित कर ली गई है। प्राधिकरण यह भूखंड श्रम विभाग को निशुल्क ट्रांसफर कर देगा। श्रम विभाग इसका निर्माण करेगा। इस हॉस्टल में अप्रवासी मजदूर बहुत कम किराया देकर रोजगार तलाश सकेंगे और रोजगार मिलने के बाद वे अपने लिए स्थाई आवास तलाश सकेंगे। प्राधिकरण बोर्ड के इस फैसले से हजारों अप्रवासी श्रमिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर फेलिक्स हॉस्पिटल में हेल्थ टॉक का आयोजन

नोएडा। स्वस्थ रहने के लिए केवल पेट भरना पर्याप्त नहीं है, बल्कि भोजन में सभी जरूरी पोषक तत्वों का संतुलित मात्रा में होना भी जरूरी है। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन, खनिज और फाइबर शरीर की वृद्धि, ऊर्जा, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लोगों को पोषण के महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए देशभर में हर साल 1 से 7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। इस वर्ष भी कुपोषण के साथ-साथ मोटापा, एनीमिया और असंतुलित खानपान से होने वाली समस्याओं से बचाव पर जोर दिया जा रहा है। इस मौके पर सेक्टर 137 फेलिक्स हॉस्पिटल में गुरुवार को हेल्थ टॉक का आयोजन किया गया। इसमें चीफ डायटीशियन निशा जैन (एमएससी डीएफएसएम, बीएससी) 'सस्टेनेबल डाइट एंड हेल्दी हैबिट्स' विषय पर लोगों को पोषण और स्वस्थ खानपान के बारे में जानकारी दी।

फेलिक्स अस्पताल की चीफ डायटीशियन निशा जैन के मुताबिक पोषण का महत्व जीवन के हर चरण में है, लेकिन गर्भावस्था और बच्चे के जीवन के शुरुआती वर्षों में इसका विशेष महत्व होता है। पर्याप्त पोषण बच्चों की लंबाई, वजन, मस्तिष्क और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। गर्भावस्था के दौरान मां को पर्याप्त और संतुलित पोषण नहीं मिलने पर इसका असर बच्चे के स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि बच्चे के पोषण की नींव गर्भावस्था से ही पड़ जाती है। जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना और पहले छह महीने तक केवल मां का दूध देना महत्वपूर्ण है। छह महीने के बाद स्तनपान जारी रखते हुए बच्चे को पर्याप्त और सुरक्षित पूरक आहार देना चाहिए।

कुपोषण का मतलब केवल भोजन की कमी नहीं: डॉक्टर ने बताया कि कुपोषण का अर्थ केवल कम खाना या भोजन की कमी होना नहीं है। असंतुलित आहार, पोषक तत्वों की कमी, बार-बार संक्रमण, साफ पानी और स्वच्छता की कमी, बच्चों को समय पर पूरक आहार नहीं मिलना और गर्भावस्था के दौरान पर्याप्त पोषण न मिलना भी इसके प्रमुख कारण हैं। वहीं दूसरी ओर अधिक कैलोरी लेकिन कम पोषक तत्वों वाले जंक और प्रोसेस्ड फूड के लगातार सेवन से बच्चों और वयस्कों में मोटापा बढ़ सकता है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़ों के अनुसार देश में पांच साल से कम उम्र के 35.5 प्रतिशत बच्चे स्टंटिंग, 19.3 प्रतिशत वेस्टिंग और 32.1 प्रतिशत बच्चे कम वजन की समस्या से प्रभावित हैं। वहीं 7.7 प्रतिशत बच्चे गंभीर रूप से वेस्टेड पाए गए। एनीमिया भी पोषण की कमी का प्रमुख रूप है। सर्वेक्षण के अनुसार 6 से 59 महीने के 67.1 प्रतिशत बच्चे और 15 से 49 वर्ष की 57 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से प्रभावित थीं।

इलाज से ज्यादा जरूरी बचाव: डायटीशियन निशा जैन के अनुसार पोषण संबंधी समस्या का उपचार व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य स्थिति और शरीर में मौजूद पोषक तत्वों की कमी के आधार पर किया जाता है। गंभीर कुपोषित बच्चों को चिकित्सकीय निगरानी और विशेष पोषण उपचार की जरूरत पड़ सकती है। एनीमिया में डॉक्टर की सलाह से आयरन और फोलिक एसिड दिया जाता है। बिना जांच और चिकित्सकीय सलाह के सप्लीमेंट लेना उचित नहीं है। उन्होंने संतुलित थाली में अनाज के साथ दाल या अन्य प्रोटीन स्रोत, हरी सब्जियां, मौसमी फल, दूध-दही और मेवे शामिल करने की सलाह दी। पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है। स्वस्थ आहार के चार आधार पर्याप्तता, संतुलन, संयम और विविधता हैं। 10 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों और वयस्कों को रोजाना कम से कम 400 ग्राम फल और सब्जियां लेने की सलाह दी जाती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

विश्व जैन संगठन ने सरकार से की 20 जैन तीर्थंकर मोक्षस्थल श्री सम्मेद शिखर जी की पवित्रता और पर्यावरण संरक्षण की मांग

नोएडा। झारखंड के गिरिडीह जिले में स्तिथ सबसे ऊँचे 'पारसनाथ पर्वतराज' सर्वोच्च जैन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी से 24 जैन तीर्थंकरों में से 20 तीर्थंकरों ने मोक्ष प्राप्त किया था, जिसका कण-कण जैन समाज के लिये पूजनीय है। पर्वतराज प्रवेशद्वार पर सामान जांच, यात्री पंजीकरण एवं पर्वतराज पर सीसीटीवी कैमरे व सुरक्षा व्यवस्था ना होने के कारण फिल्मी गानों पर अश्लील विडियो बनाएं जाने, नशा करने, बाइक संचालन आदि अन्य गैर धार्मिक गतिविधियों के कारण पर्वतराज की पवित्रता और पर्यावरण को नष्ट किया जा रहा है, जिससे सकल जैन समाज में दुख व्यापत है।

गुरुवार को नोएडा मीडिया क्लब में विश्व जैन संगठन द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में संगठन के अध्यक्ष संजय जैन ने केंद्रीय वन मंत्रालय और झारखण्ड सरकार से पर्वतराज की पवित्रता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए पर्वतराज प्रवेशद्वार पर यात्रियों का पंजीकरण, स्कैनर व बैरियर सहित सामान जांच चेक पोस्ट बनाने, सीसीटीवी कैमरे लगाने, वंदना मार्ग को अवैध अतिक्रमण मुक्त कराने और बाइक संचालन, किसी भी प्रकार का नशा करने, प्लास्टिक सामग्री उपयोग एवं फिल्मी गानों पर विडियो रील बनाने पर प्रतिबंध की मांग की!

संजय जैन ने दुःख प्रकट करते हुए कहा कि पर्वतराज की पवित्रता बनाए रखने हेतु जारी मांगो पर सोशल मीडिया में भ्रामक जानकारी प्रेषित की जा रही है और अनावश्यक विवाद पैदा करने का दुखद प्रयास किया जा रहा है जबकि मधुवन के स्थानीय समाज, संस्था, नेता या किसी पार्टी विशेष के विरुद्ध कोई भी ना तो ब्यान दिया गया और ना ही कोई मांग की गयी है, जिसके स्पष्टीकरण के लिए विशेष प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया है!

संगठन के महामंत्री राहुल जैन, राष्ट्रीय मंत्री अनुज जैन एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी आकाश जैन ने बताया कि प्राचीन जैन शास्त्रों, केंद्र व राज्य सरकारों, पुरातत्व विभाग, झारखंड सरकार एवं केन्द्रीय वन मंत्रालय द्वारा श्री सम्मेद शिखर जी पारसनाथ पर्वतराज को जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकरों और अनंत संतो की सर्वोच्च और पवित्र मोक्षस्थल मानकर सम्मान दिया है जिसकी पवित्रता बनाये रखना हम सबकी जिम्मेबारी है!

संगठन की नोएडा शाखा अध्यक्ष के. के. जैन, सम्मानित सदस्य विरेन्द्र जैन व अभिषेक जैन, संगठन की युवा प्रकोष्ठ महामंत्री सागर जैन, नोएडा सेक्टर 27 जैन मंदिर प्रधान पवन कुमार जैन,सेक्टर 50 जैन मंदिर प्रधान प्रदीप चंद्र जैन, सीए विपुल जैन, लक्ष्मी नगर शाखा अध्यक्ष अतुल जैन एडवोकेट एवं अन्य जैन संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्यों ने कहा कि पर्वतराज की पवित्रता के साथ पर्यावरण नष्ट करना दुखद एवं चिंतनीय है, जैन समाज कभी भी किसी भी धर्म, संस्कृति का विरोध नही करता और ऐसे ही सबसे उनके तीर्थराज की पवित्रता बनाये रखने की सबसे आशा करता है।

टेक्सटाइल पार्कों में सस्ती जमीन देंगे: मंत्री राकेश सचान

नोएडा। उत्तर प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि प्रदेश में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। सरकार उद्योगों के लिए बेहतर माहौल तैयार करने के साथ कनेक्टिविटी भी मजबूत कर रही है।

उन्होंने बताया कि 2022-23 में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट के दौरान निवेश आकर्षित करने के लिए सरकार ने 8 समूह बनाए थे। इनमें मंत्री और अधिकारी शामिल थे। इन समूहों ने अलग-अलग देशों में जाकर निवेशकों से संपर्क किया। दुबई में भी करीब 4 दिन तक निवेशकों के बीच रहकर यूपी में निवेश की संभावनाएं बताई गईं। यहां करीब 23 हजार करोड़ रुपए के एमओयू हुए। इसके बाद कई निवेशकों ने यूपी में परियोजनाएं शुरू कीं।

50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले: मंत्री ने बताया कि इन्वेस्टर्स समिट के बाद यूपी को करीब 50 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमें अकेले वस्त्र उद्योग के लिए करीब 70 हजार करोड़ रुपए के प्रस्ताव हैं। लोकसभा चुनाव से पहले आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में करीब 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने की दिशा में कदम बढ़ाया गया।

रेलवे-हवाई कनेक्टिविटी से बढ़ा भरोसा: राकेश सचान ने कहा कि निवेशकों के लिए अच्छी नीतियों के साथ रेलवे और हवाई कनेक्टिविटी भी जरूरी है। यूपी में लगातार कनेक्टिविटी मजबूत की जा रही है। जब निवेश की परियोजनाएं जमीन पर दिखाई देती हैं तो देश-दुनिया में यह संदेश जाता है कि प्रदेश में सिर्फ नीतियां नहीं बनतीं, बल्कि उन पर काम भी होता है।

छह महीने में बजट का 40% खर्च: मंत्री ने कहा कि उनके विभाग ने अपने बजट का करीब 40% हिस्सा छह महीने में ही खर्च कर दिया है। सरकार योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारने पर काम कर रही है। लखनऊ और हरदोई में तैयार हो रहे टेक्सटाइल पार्कों का जल्द उद्घाटन किया जाएगा। संतकबीरनगर, वाराणसी और बरेली समेत कई जिलों में भी टेक्सटाइल पार्क विकसित किए जा रहे हैं।

फ्लैट में चोरी कांड: किचन के रास्ते अंदर में घुसा कारपेंटर, लाखों के जेवर उड़ाए, गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली पुलिस ने कैपिटल एथेना सोसाइटी के फ्लैट में घुसकर लाखों रुपये के आभूषण और अन्य सामान चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सोहेब (21) निवासी आनंद विहार कॉलोनी मसूरी-डासना गाजियाबाद के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से चोरी की ज्वैलरी, अन्य सामान और 537 रुपये बरामद किए हैं। आरोपी सोहेब सोसाइटी के एक फ्लैट में कारपेंटर का काम कर रहा था। इसी दौरान उसने सामने वाले फ्लैट की रेकी की और घर खाली मिलने पर किचन के रास्ते अंदर घुसकर अलमारी से ज्वैलरी चोरी कर ली। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शैलेंद्र सिंह ने बताया कि कैपिटल एथेना सोसाइटी निवासी मनुजपुरी ने शिकायत दी थी कि 1 सितंबर को अज्ञात चोर उनके फ्लैट में घुस गया। चोर घर से सोने के दो कंगन, एक अंगूठी, दो कान के टॉप्स, रोज गोल्ड की चेन व अंगूठी समेत अन्य सामान चोरी कर ले गया था। शिकायत के आधार पर दो सितंबर को बिसरख कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के बारे में जानकारी मिली। गुरुवार को चौकी प्रभारी राइस सिटी उपनिरीक्षक धवल प्रताप श्रीवास्तव की टीम ने चेकिंग के दौरान बाबा इलायची प्लांट से पहले कट के पास से सोहेब को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, उसके पास से मुकदमे से संबंधित चोरी का सामान बरामद हुआ। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह टावर-6 के फ्लैट नंबर-707 में कारपेंटर का काम कर रहा था। उसके सामने फ्लैट नंबर-702 था। 1 सितंबर को उसे पता चला कि फ्लैट में कोई मौजूद नहीं है। इसके बाद वह किचन के रास्ते फ्लैट के अंदर दाखिल हुआ। कमरे में रखी अलमारी से ज्वैलरी और अन्य सामान चोरी करने के बाद वह किचन के रास्ते ही बाहर निकल गया। यह सामान हुआ बरामद आरोपी के कब्जे से रोज गोल्ड सेट, जिसमें एक चेन, दो टॉप्स और डायमंड लगी एक अंगूठी बरामद की है। इसके अलावा पीली धातु की एक अंगूठी, छह कंगन, सफेद धातु का ब्रेसलेट, छोटी चेन, तीन बिछ्वे और एक लॉक बरामद हुआ।

पंकज सिंह के प्रयासों से नोएडा के किसानों को मिल सकती है मुआवजा दरों में 50% से अधिक की वृद्धि

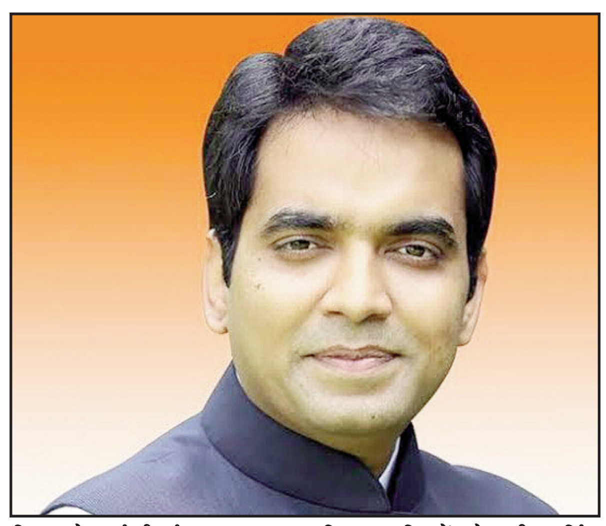

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र के किसानों के लिए लंबे समय से चली आ रही मुआवजा वृद्धि की मांग अब निर्णायक दिशा में आगे बढ़ रही है। नोएडा विधायक पंकज सिंह के निरंतर प्रयासों और पहल से किसानों की इस महत्वपूर्ण मांग पर सकारात्मक प्रगति हुई है।

विधायक पंकज सिंह ने अपने सोशल मीडिया माध्यम से जानकारी साझा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश एवं प्रदेश सरकार की किसान हितैषी नीतियों के तहत किसानों की मुआवजा वृद्धि की मांग को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में औद्योगिक विकास आयुक्त (आई डी सी) दीपक कुमार एवं नोएडा प्राधिकरण के सी ई ओ कृष्ण करुणेश के साथ पूर्व में हुई वार्ताओं को आगे बढ़ाते हुए पुनः सकारात्मक वार्ता हुई। इस दौरान किसानों के हितों से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

वार्ता में अधिकारियों ने किसानों को वर्तमान मुआवजा दरों में सीधे 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करने पर सहमति जताते हुए इसे जल्द लागू किए जाने का भरोसा दिया है। इससे नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र के सैकड़ों किसान परिवारों को बड़ी आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

किसानों की मुआवजा वृद्धि की मांग लंबे समय से महत्वपूर्ण विषय रही है। नोएडा विधायक पंकज सिंह द्वारा इस मुद्दे को लगातार सरकार और संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रमुखता से उठाया गया तथा समाधान के लिए निरंतर संवाद एवं प्रयास किए गए। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप अब इस दिशा में सकारात्मक एवं ठोस प्रगति सामने आई है।

मुआवजा दरों में 50 प्रतिशत से अधिक की प्रस्तावित वृद्धि किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण और उनके परिवारों की खुशहाली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इससे किसानों को अपनी भूमि के बदले मिलने वाले मुआवजे में उल्लेखनीय वृद्धि का लाभ प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार और विधायक पंकज सिंह के प्रयासों से किसानों की वर्षों पुरानी मांग के समाधान की दिशा में बढ़ा यह कदम नोएडा के किसान परिवारों के लिए नई उम्मीद लेकर आया है।

किसान हित सर्वोपरि–विकास के साथ सम्मान और अधिकार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम।

संक्षिप्त समाचार

जन्माष्टमी पर 500 से ज्यादा तरह के भोग

नोएडा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर इस्कॉन नोएडा मंदिर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। भगवान श्रीकृष्ण के लिए विशेष पोशाक तैयार की जा रही है। भक्त पिछले करीब एक महीने से पोशाक बनाने में जुटे हैं। भगवान श्रीकृष्ण के विशेष श्रृंगार के लिए रेशमी कपड़े, मोती, गोटा, जरी और दूसरी सजावटी सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। अनुभवी भक्त इन पोशाकों को बारीकी से तैयार कर रहे हैं।

मंदिर से जुड़ी प्रतिमा ने बताया कि पोशाक तैयार करने में कई साल से सेवा कर रहे भक्तों की टीम लगी है। उनके लिए यह सिर्फ कपड़े बनाने का काम नहीं, बल्कि भगवान की सेवा है। पीआरओ प्रतिमा ने बताया कि जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण को 500 से ज्यादा तरह के भोग लगाए जाएंगे। इसमें माखन-मिशरी के साथ कई तरह के पारंपरिक और आधुनिक व्यंजन शामिल होंगे। भोग में पिज्जा भी शामिल रहेगा। इसके अलावा 12 से ज्यादा तरह के केक तैयार किए जाएंगे। भगवान को भोग लगाने के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया जाएगा।

करीब 1 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद: इस्कॉन नोएडा में जन्माष्टमी के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार, करीब 1 लाख लोग भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन के लिए पहुंच सकते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों के साथ विदेशी मेहमानों के भी मंदिर पहुंचने की उम्मीद है। इसे देखते हुए मंदिर परिसर में व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

भव्य श्रृंगार के साथ होंगे जन्माष्टमी के दर्शन: जन्माष्टमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। भक्तों की कोशिश है कि इस बार भगवान का स्वरूप पहले से ज्यादा आकर्षक और भव्य नजर आए। मंदिर में चल रही तैयारियों के बीच भक्तों में भी खास उत्साह है। उनका कहना है कि भगवान के लिए की जाने वाली हर सेवा में प्रेम और श्रद्धा सबसे महत्वपूर्ण है।

मैकेनिकल स्वीपिंग से ग्रेटर नोएडा की सड़कों की सफाई होगी और बेहतर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की सड़कों पर धूल-मिट्टी के नियंत्रण और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए मैकेनिकल रोड स्वीपिंग व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। सीएक्यूएम व आईआईटी रुड़की के सुझाव पर ग्रेटर नोएडा सेंट्रल एवं ईस्ट क्षेत्र में सड़कों की पांच वर्ष के लिए मैकेनिकल स्वीपिंग से कराने कराया जाएगा। इसके लिए मशीनरी प्राधिकरण उपलब्ध कराएगा और मशीनों का संचालन एवं रखरखाव आदि की जिम्मेदारी कॉन्ट्रैक्टर पर होगी। आईआईटी रुड़की के एस्टीमेट पर प्राधिकरण ने दोनों जोन के लिए टेंडर निकाला। दोनों जोन में सड़कों की सफाई के लिए कॉन्ट्रैक्टर का चयन कर लिया गया है। बता दें कि सेंट्रल जोन के अंतर्गत सेक्टर-ईटा-1, डेल्टा-1, 2, 3, केपी-4, जीटा-1, ईटा-2, बेगमपुर, बोड़ाकी, मकौड़ा, मलकपुर, मुबारकपुर, पाली, साकीपुर, लखनावली आदि गांव हैं, जबकि ईस्ट जोन में सेक्टर-36, 37, म्यू-1, ज्यु 1, 2, 3, चाई-5, अस्तौली, डाबरा, चुहड़पुर, घरबरा, घोड़ी -बछेड़ा, जुनपत, जुनैदपुर, घंघोला देवला, अजायबपुर, अटाई मुरादपुर, दाउदपुर, खेरली, लड़पुरा, लुक्सर, मायचा, कनारसी, कासना, खानपुर, पौवारी, सलेमपुर गुर्जर, विरौंडी, विरौंडा आदि गांव शामिल हैं।

रिठौरी में रेलवे लाइन पर बनेगा फुटओवर ब्रिज

नोएडा। ग्राम रिठौरी के निवासियों को रेलवे लाइन पार करने में आ रही समस्या से जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की पहल पर गांव में फुटओवर ब्रिज के निर्माण को बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। इस फुटओवर ब्रिज को बनाने के लिए वर्ष 2022 में सांसद डॉ. महेश शर्मा का पत्र प्राधिकरण को प्राप्त हुआ, जिस पर प्राधिकरण की तरफ से डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुरोध किया गया। इसके बाद दोनों महकमों की टीम ने संयुक्त निरीक्षण कर फुटओवर ब्रिज बनाने पर सहमति जताई। इसे बनाने का खर्च ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को वहन करेगा। रेलवे लाइन के ऊपर निर्माण के लिए रेलवे से स्वीकृति व एनओसी भी लेनी होगी। फुटओवर ब्रिज में रैंप, सीढ़ियों और लिफ्ट का प्रावधान किया गया है। इस प्रस्ताव पर बोर्ड ने मुहर लगा दी है।

ईस्टर्न पेरिफेरल तक बनेगी 105 मीटर चौड़ी सड़क

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए 105 मीटर चौड़ी सड़क को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। ग्रेटर नोएडा फेस-1 में इस सड़क का करीब 6 किलोमीटर हिस्सा पहले ही बन चुका है। अब फेस-2 में ग्राम जुनपत से ईस्टर्न पेरिफेरल तक करीब 12 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण होना है। इस सड़क के अलाइनमेंट में ईस्टर्न पेरिफेरल तक रेलवे लाइन, ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर लिंक लाइन और जीटी रोड आएंगे। इन स्थानों पर तीन ओवरब्रिज बनाया जाएगा। सड़क को 10 लेन तथा चार सर्विस लेन के रूप में विकसित किया जाएगा। इस सड़क के लिए आवश्यक भूमि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण उपलब्ध कराएगा, जबकि निर्माण पर आने वाला खर्च एनएचएआई वहन करेगा। सड़क के दायरे में ग्रेटर नोएडा फेस-1, फेस-2 और डीएनजीआईआर क्षेत्र की भूमि शामिल है। डीएनजीआईआर क्षेत्र का विकास नोएडा प्राधिकरण कर रहा है। इसलिए इस क्षेत्र में आने वाली भूमि का अधिग्रहण नोएडा प्राधिकरण करेगा।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जुड़ेंगे ग्रेनो, नोएडा व यीडा सिटी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में 130 मीटर चौड़ी सड़क को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (नेशनल हाइवे-24) से जोड़ने की दिशा में कवायद तेज हो गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड के समक्ष प्रस्ताव रखा गया। इस पर सहमति बन गई है। नोएडा व यीडा की सहमति लेकर परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराने के लिए एनएचएआई को जिम्मा सौंपा था। एनएचएआई के सर्वेक्षण में दो वैकल्पिक मार्ग सामने आए।

डूब क्षेत्र की कॉलोनियों में रहने वाले परिवारों को बिजली से वंचित रखना अमानवीय : सतेन्द्र शर्मा

नोएडा। नोएडा काँग्रेस पार्टी के नेता उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कॉर्डिनेटर सतेन्द्र शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुये कहा है कि नोएडा विधानसभा क्षेत्र के डूब क्षेत्र की लगभग 50 कालोनियों मे वर्षों से रह रहे लाखों परिवार आज भी बिजली जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं।लगभग 50 कॉलोनियों में बिजली आपूर्ति काट दी गई है तथा स्थानीय निवासियों को नए बिजली कनेक्शन भी नहीं दिए जा रहे हैं। यह स्थिति बेहद चिंताजनक और निंदनीय है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पर्यवेक्षक एवं नोएडा विधानसभा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतेन्द्र शर्मा ने प्रदेश सरकार और बिजली विभाग से मांग की है कि डूब क्षेत्र की कॉलोनियों में रहने वाले आम नागरिकों को तत्काल नियमित एवं सुरक्षित बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराई जाए तथा पात्र परिवारों को विद्युत कनेक्शन जारी किए जाएं।

सतेन्द्र शर्मा ने कहा कि डूब क्षेत्र में रहने वाले अधिकांश परिवार वर्षों से अपने घरों में रह रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या में गरीब, मजदूर, मध्यम वर्गीय और मेहनतकश परिवार शामिल हैं। बिजली आज कोई विलासिता नहीं,बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की बुनियादी जरूरत है। ऐसे में हजारों परिवारों को अंधेरे में रहने के लिए मजबूर करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है,उन्होंने कहा कि बिजली विभाग को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समस्या का स्थायी समाधान निकालना चाहिए। बिजली चोरी को रोकने और अवैध कनेक्शनों पर कार्रवाई करने के साथ-साथ वैध रूप से कनेक्शन लेने के इच्छुक नागरिकों को नियमानुसार कनेक्शन उपलब्ध कराना भी विभाग की जिम्मेदारी है।

उन्होंने मांग की कि डूब क्षेत्र की सभी प्रभावित कॉलोनियों का सर्वे कराया जाए,जिन परिवारों की बिजली काटी गई है उनकी समस्या का तत्काल समाधान किया जाए और पात्र निवासियों को नियमानुसार मीटर लगाकर विद्युत कनेक्शन दिए जाएं।सतेन्द्र शर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बिजली विभाग और प्रशासन ने इस गंभीर जनसमस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया तो नोएडा विधानसभा कांग्रेस आम जनता के साथ मिलकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आवाज बुलंद करेगी। कांग्रेस का उद्देश्य किसी विभाग का विरोध करना नहीं, बल्कि आम नागरिकों के मूलभूत अधिकारों की रक्षा करना है।

उन्होंने कहा कि नोएडा के डूब क्षेत्र में रहने वाले नागरिक भी इसी शहर का हिस्सा हैं और उन्हें भी रोशनी, शिक्षा, सुरक्षा एवं सम्मान के साथ जीवन जीने का पूरा अधिकार है। सरकार और प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल बिजली आपूर्ति बहाल कर वैध विद्युत कनेक्शन की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता से लूटपाट का आरोप

नोएडा। सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन के पास बुधवार रात एक अधिवक्ता से सोने की चेन और दो अंगूठी लूटने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने सेक्टर-24 थाने और गिझौड़ चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर टरकाने का आरोप लगाया है। हालांकि, सोशल मीडिया पर पोस्ट में डीसीपी ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर-16 स्थित अजनारा ली गार्डन सोसाइटी निवासी कृष्ण कुमार शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं। वह बुधवार रात दिल्ली से मेट्रो से लौट रहे थे। वह करीब साढ़े दस बजे सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन पर उतरे। वह ऑटो के इंतजार में मेट्रो स्टेशन के गेट के बाहर खड़े थे।

जैसे ही वह एक ऑटो में बैठे तो एक बदमाश जबरन आकर ऑटो में बैठा और मारपीट करने लगा। उसने बाहर निकालकर चार-पांच साथियों के साथ मिलकर गले से सोने की चेन और अंगुलियों से सोने की दो अंगूठी जबरन उतरवा लीं। मोबाइल और बैग छीनने का भी प्रयास किया, लेकिन शोर मचाने पर आरोपी धमकी देकर भाग गए। बदमाशों के मारपीट करने से पीड़ित के नाक और गले पर चोट मारकर लहूलुहान कर दिया। पीड़ित ने डायल-112 पर कॉल की, लेकिन बात नहीं होने पर वह गिझौड़ चौकी चले गए। वहां पर देर रात करीब एक बजे तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। आरोप है कि लूट की बजाय मारपीट की शिकायत लिखवाने का प्रयास किया। वह गुरुवार को सेक्टर-24 थाने पहुंचे। जहां उन्होंने एक आरोपी के बारे में जानकारी दी, लेकिन उन्होंने बाद में थाने आने के लिए कहकर टरका दिया। सोशल मीडिया पर जब उन्होंने शिकायत पोस्ट की तो उस पर डीसीपी नोएडा ने जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बीएसएफ कांस्टेबल परीक्षा में नकल करते दो अभ्यर्थी रंगे हाथ पकड़े

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित प्राइवेट संस्थान में आयोजित बीएसएफ कांस्टेबल की परीक्षा के दौरान मंगलवार शाम दो अभ्यर्थी नकल करते रंगे हाथ पकड़े गए। दोनों के खिलाफ सेक्टर-58 थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। साथ ही दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। शिकायतकर्ता बिहार के जिला पटना निवासी रवि रंजन ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-62 स्थित आईऑन डिजिटल जोन-2 में वरिष्ठ पद पर हैं। उनके संस्थान में विभिन्न तरह की परीक्षाएं होती हैं। मंगलवार को संस्थान में बीएसएफ कांस्टेबल पद के लिए कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) परीक्षा थी। परीक्षा देने के लिए जिला फिरोजाबाद के मदनपुर निवासी गौरव यादव और सुबेंद्र यादव आए थे।

यह परीक्षा कंप्यूटर लैब में आयोजित कराई जा रही थी। लैब में दोनों परीक्षार्थी अलग-अलग सीट पर बैठे थे। परीक्षा के दौरान शाम 6:24 पर दोनों परीक्षार्थी कुछ मिनट के अंतराल पर वॉशरूम गए। दोनों अपने साथ रफ कागज ले गए। उस पर 30 प्रश्नों के उत्तर लिखे थे। वॉशरूम में पहले सुबेंद्र यादव गया। वह उस रफ कागज वॉशरूम में छोड़ आया। इसके बाद गौरव यादव गया। वह उस कागज को अपने साथ ले आया। उस कागज पर प्रश्नों के उत्तर लिखे थे। वह आया और नकल करने लगा। दोनों की हरकत वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दोनों को नकल करते हुए पकड़ लिया गया। संस्थान के लोग दोनों अभ्यर्थियों को अपने साथ लेकर सेक्टर-58 थाने पहुंचे और पुलिस को सौंप दिया। संस्थान की ओर से उसके संबंध में साक्ष्य भी पुलिस को दिए गए। पुलिस का कहना है कि नकल करने के आरोप में एफआईआर दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। दोनों को थाने से जमानत पर छोड़ दिया गया। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंतर-विद्यालयी वॉलीबॉल टूर्नामेंट में एम. एच. पब्लिक स्कूल, बादलपुर के बॉयज और गर्ल्स टीम ने जीती ट्रॉफी

नोएडा। सेक्टर 48 स्थित द एसडी विद्या स्कूल, नोएडा में बालक एवं बालिका (अंडर-18) वर्ग की अंतर-विद्यालयी वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में दिल्ली-एनसीआर के लगभग दो दर्जन विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन किया।

बालिका वर्ग के रोमांचक फाइनल मुकाबले में एम. एच. पब्लिक स्कूल, बादलपुर (दादरी) ने सर्वोत्तम इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा को पराजित कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं बालक वर्ग के फाइनल में एम. एच. पब्लिक स्कूल, बादलपुर (दादरी) ने ब्रह्मानंद पब्लिक स्कूल, नोएडा को हराकर खिताब जीता। इस प्रकार एम. एच. पब्लिक स्कूल ने दोनों वर्गों में विजेता बनकर शानदार दोहरी सफलता हासिल की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी एवं शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता आशीष तिवारी रहे। विद्यालय के अध्यक्ष ऋषभ सोनी एवं प्रधानाचार्या श्रीमती शिवानी त्रिपाठी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इस सफल आयोजन के लिए स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर गौरांग राठी एवं स्पोर्ट्स टीचर रंजन ठाकुर को विशेष धन्यवाद, जिनके अथक प्रयास और कुशल समन्वय से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

कक्षा 9वीं का पहला सेमेस्टर खत्म, दूसरे की किताबें नदारद! अभिभावकों ने पूछा- कब तक करें इंतजार?

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के सीबीएसई स्कूलों में नौवीं कक्षा की गणित और सामाजिक विज्ञान की भाग-2 की पाठ्यपुस्तकें अभी तक उपलब्ध न होने से अभिभावकों में गहरा असंतोष है। पहला सेमेस्टर लगभग समाप्त होने को है, लेकिन दूसरे सेमेस्टर के लिए संशोधित पाठ्यक्रम की पुस्तकें बाजार और स्कूलों में उपलब्ध नहीं हैं। अभिभावकों का आरोप है कि नए सत्र में पूरा पाठ्यक्रम बदल दिया गया था और भाग-1 की किताबें भी सत्र शुरू होने के एक-दो महीने बाद ही मिल पाई थीं। किताबों के अभाव में कक्षाओं में शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है और शिक्षक न तो पाठ योजना बना पा रहे हैं और न ही बदले हुए पाठ्यक्रम को ठीक से समझ पा रहे हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए अभिभावकों के एक समूह ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और सीबीएसई सचिव को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। अभिभावकों का कहना है कि यह केवल किताबों की आपूर्ति में देरी का मामला नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर बच्चों के शैक्षणिक भविष्य को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने मांग की है कि भाग-2 की किताबों की जल्द से जल्द छपाई और वितरण सुनिश्चित किया जाए, किताबें उपलब्ध होने की स्पष्ट समय-सीमा दी जाए और बदले हुए पाठ्यक्रम को पढ़ाने के लिए शिक्षकों के लिए मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जाएं। हालांकि, बोर्ड की ओर से इस संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

बाढ़ प्रकृति का बदला, हिमालय में विकास के तरीके पर फिर से सोचने की जरूरत', सुनीता नारायण ने चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल में हालिया बाढ़ और हिमालय क्षेत्र में बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं को

जलवायु परिवर्तन का साफ संकेत बताते हुए जानी पर्यावरणविद पदमश्री सुनीता नारायण ने कहा कि अब समय विकास के पुराने माडल पर फिर से विचार करने का है। उन्होंने कहा कि प्रकृति बार-बार संकेत दे रही है कि विकास का मौजूदा तरीका भविष्य में काम नहीं करेगा। बुधवार को इंडिया हैबिटेट सेंटर में मोबियस फाउंडेशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस आन सस्टेनेबिलिटी एजुकेशन (आइसीएसई) 2026 में नारायण ने नेपाल में हुई त्रासदी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अगर आज भी कोई यह मानता है कि जलवायु परिवर्तन वास्तविक नहीं है, तो वह हकीकत से मुंह मोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में लगातार बढ़ रही मौसमी घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि प्रकृति हमें चेतावनी दे रही है। सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) की महानिदेशक सुनीता नारायण ने कहा, 'यह प्रकृति का बदला है। हम हिमालय में लगातार निर्माण करते रहे हैं। हमने जलविद्युत परियोजनाएं एक के बाद एक इस सोच के साथ बनाई हैं कि हम नदी को फिर से इंजीनियर कर सकते हैं। यह इंसान का अहंकार है कि वह सोचता है कि वह गंगा जैसी नदी को अपने हिसाब से बदल सकता है।' नारायण ने कहा कि पर्यावरण को विकास के बाद की चिंता के तौर पर देखने के बजाय उसे विकास के केंद्र में रखना होगा। उनके मुताबिक, आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐसी शिक्षा की जरूरत है जो उन्हें अतीत की गलतियों से सीखने और विकास के नए रास्ते तलाशने के लिए तैयार करे। नारायण ने कहा कि कुछ इलेक्ट्रिक वाहन या कुछ इलेक्ट्रिक बसें बढ़ा देने से शहर की हवा साफ नहीं होगी। इसके लिए लोगों के आवागमन के तरीके को ही बदलना होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली को ऐसा सार्वजनिक परिवहन तंत्र चाहिए, जिसमें लोग पैदल चल सकें, साइकिल का इस्तेमाल कर सकें, मेट्रो, बस और दूसरे सार्वजनिक परिवहन साधनों से आसानी से यात्रा कर सकें।उनके मुताबिक, निजी कार खरीदना लोगों की पसंद हो सकती है, लेकिन शहरों को इस तरह विकसित करना होगा कि लोगों को हर यात्रा के लिए कार पर निर्भर न रहना पड़े।

एनडीएमसी का बड़ा कदमः कनॉट प्लेस इनर सर्किल में बंद होगी गाड़ियों की एंट्री, व्यापारियों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के दिल कनॉट प्लेस को फिर से वाहन मुक्त करने की तैयारी है। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के चेयरमैन ने इनर सर्किल में वाहनों की आवाजाही सीमित करने को लेकर लोगों, व्यापारियों और अन्य हितधारकों से सुझाव मांगे हैं।

बताया कि इसमें मौसम के अनुसार, नो-व्हीकल जोन के लिए समय तय करने और सप्ताहांत में इसकी अवधि बढ़ाने के विकल्प पर विचार किया जा रहा है।

कनॉट प्लेस के इनर सर्किल को वाहनमुक्त करने की कवायद पहली बार नहीं हो रही है। इससे पहले भी एनडीएमसी ने अलग-अलग मौकों पर योजना और ट्रायल किए हैं, लेकिन यह व्यवस्था स्थायी रूप नहीं ले सकी।

व्यापारियों की ओर से विरोध के अलावा ग्राहकों के वाहनों की पहुंच, पार्किंग और आसपास की सड़कों पर यातायात बढ़ने जैसी चिंताएं भी सामने आती रही हैं। कारोबारियों का कहना रहा है कि वाहन प्रतिबंध से दुकानों और प्रतिष्ठानों तक ग्राहकों की पहुंच प्रभावित हो सकती है। इस

बार एनडीएमसी की कोशिश सीधे व्यवस्था लागू करने के बजाय पहले सुझाव लेने की है। गर्मियों में शाम के समय और सर्दियों में दिन के समय इनर सर्किल को वाहनमुक्त करने का विकल्प रखा जा सकता है। सप्ताहांत में अधिक अवधि तक नो-व्हीकल जोन रखने पर भी विचार हो रहा है। इसका उद्देश्य पैदल यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल देना तथा कनॉट प्लेस में लोगों के ठहराव को बढ़ाना है।

वाहनमुक्त अवधि को सिर्फ वाहनों पर रोक तक सीमित नहीं रखने की योजना है। इनर सर्किल और सेंट्रल पार्क में सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत, स्ट्रीट परफॉर्मेंस, कला प्रदर्शनियां, योग, बच्चों की गतिविधियां और हेरिटेज वॉक जैसे आयोजन किए जा सकते हैं। इससे कनॉट प्लेस को खरीदारी के साथ मनोरंजन और सार्वजनिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रयास होगा।

योजना लागू करने से पहले पार्किंग और यातायात प्रबंधन की व्यवस्था करना जरूरी होगा। टैक्सी-ऑटो के लिए पिक एंड ड्राप प्वाइंट, आपातकालीन वाहनों की आवाजाही और बुजुर्गों व दिव्यांगों के लिए सुगम पहुंच सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही आसपास की सड़कों पर यातायात के दबाव का आकलन भी करना होगा।

एनडीएमसी के सामने इस बार सबसे बड़ी चुनौती व्यापारियों को साथ लेकर चलने की होगी। ऐसे में पहले सीमित अवधि का ट्रायल कर उसके असर का आकलन किया जा सकता है। फुटफॉल, कारोबार, पार्किंग और यातायात पर पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर आगे की व्यवस्था तय की जा सकती है।

रेस्क्यू में मदद के लिए मांगी इजाजत, राजदूत को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के 'रैट माइनर्स' (हाथ से खुदाई करने वाले) की एक टीम ने बाढ़ से प्रभावित नेपाल में बचाव कार्यों में मदद करने की पेशकश की है। 2023 में सिल्क्यारा टनल में फंसे सभी 41 मजदूरों को बचाने में इसी टीम की हाथ से खुदाई करने की तकनीक ने मदद की थी। 500 से अधिक मजदूरों के सुरंगों में फंसे होने की आशंका नेपाल में बाढ़ के कारण 12 जलविद्युत (हाइड्रोपावर) परियोजनाओं से करीब 900 मजदूर लापता हैं। माना जा रहा है कि इनमें से लगभग 500 मजदूर मलबे और कीचड़ से पटी सुरंगों के अंदर फंसे हो सकते हैं। बाढ़ ने रसुवा और नुवाकोट जिलों में स्थित कई जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचाया है, जिससे सुरंगों के प्रवेश द्वार और अंदर के हिस्से पूरी तरह से ढह गए हैं या ब्लॉक हो गए हैं। फिलहाल नेपाली सेना 19 हाइड्रोपावर सुरंगों में खोज और बचाव कार्य में जुटी हुई है।

जन्माष्टमी ने बढ़ाई बाजार की रौनक, 30% बढ़ सकता है कारोबार; 40 हजार करोड़ का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षाबंधन पर बने रिकॉर्ड व्यापार के बाद अब श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर देश के बाजारों में भारी चहल-पहल देखी जा रही है। व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस वर्ष जन्माष्टमी पर देशभर में 40 हजार करोड़ से अधिक के व्यापार होने का अनुमान जताया है। कैट के अनुसार, यह आंकड़ा न केवल धार्मिक आस्था को दर्शाता है, बल्कि भारत की जमीनी और समावेशी 'सनातन अर्थव्यवस्था' की जीवंत शक्ति का भी प्रतीक है। कैट के अध्ययन के अनुसार, पिछले वर्षों की तुलना में इस बार व्यापार में लगभग

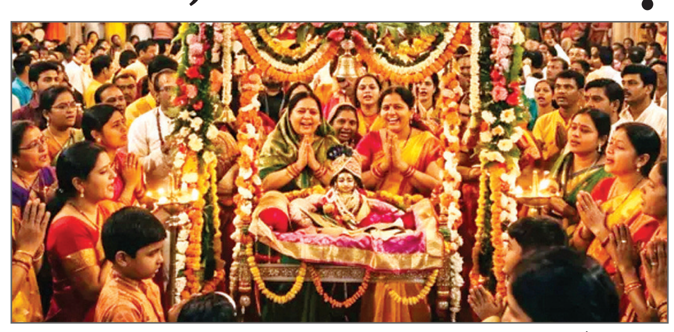

30 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखने को मिल रही है। वर्ष 2024 में जन्माष्टमी पर करीब 25 हजार करोड़ और 2025 में लगभग 30 हजार करोड़ का कारोबार हुआ था। कैट के अनुसार, इस वर्ष उपभोक्ता मांग में उछाल, धार्मिक पर्यटन के विस्तार और स्वदेशी वस्तुओं की बढ़ती लोकप्रियता के कारण यह आंकड़ा 40 हजार करोड़ के पार जाने की उम्मीद है। बाजारों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फार लोकल' के आह्वान का स्पष्ट प्रभाव दिख रहा है। मूर्तियां, झूले, मुकुट, बांसुरी और पोशाकों की मांग में स्वदेशी उत्पादों का दबदबा है। इससे स्थानीय कारीगरों, कुटीर उद्योगों, हस्तशिल्प और सूक्ष्म एवं लघु इकाइयों को सीधा आर्थिक लाभ मिल रहा है। मथुरा-वृंदावन, द्वारका, नाथद्वारा, दिल्ली, मुंबई, जयपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख कृष्ण धामों में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इससे होटल, रेस्त्रां, कैब सर्विस, स्थानीय हस्तशिल्प और गाइड सेवाओं से जुड़े लोगों को बड़ा रोजगार मिल रहा है। कैट का मानना है कि भारतीय त्योहार केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं हैं।

दिल्ली की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने की प्रक्रिया तेज, दो दिन में सवा दो लाख से अधिक आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। एसआईआर के बाद जारी दिल्ली की ड्राफ्ट मतदाता सूची अपना नाम जुड़वाने के लिए लोग आगे आने लगे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के मुताबिक दो दिन के भीतर ही मतदाता सूची में नया नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म छह के तहत कुल 2,18,139 आवेदन आ चुके हैं। 31 अगस्त को 2,14,534 लोगों ने आवेदन किया जबकि एक सितंबर को 3,605 और नए आवेदन जमा हुए। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि दावे और आपत्तियां जमा करने का समय 30 सितंबर तक है। अभी यह प्रक्रिया शुरुआती स्तर पर है। इसलिए सितंबर के महीने में नए मतदाताओं की संख्या और तेजी से बढ़ सकती है। 30 सितंबर तक मिलने वाले सभी आवेदनों और शिकायतों का निपटारा 29 अक्टूबर तक कर दिया जाएगा और चार नवंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी। जिला स्तर पर नए मतदाता बनने के मामले में पश्चिमी दिल्ली सबसे आगे चल रहा है। पश्चिमी दिल्ली से 31 अगस्त तक 29,073 आवेदन आए थे और एक सितंबर को भी सबसे ज्यादा 437 नए फॉर्म यहीं जमा हुए। इसके अलावा दक्षिणी पूर्वी दिल्ली से 25,121, उत्तर पूर्व से 24,685, उत्तर पश्चिम से 21,836 और पूर्वी दिल्ली से 21,444 आवेदन मिले हैं।

दिल्ली में शिक्षकों पर चुनावी ड्यूटी का दबाव, स्कूल के समय में बुलाई जा रही बैठकों ने किया परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ा रहे शिक्षकों को एक बार फिर स्कूल के समय के दौरान ही विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) से जुड़े चुनावी कार्यों में तैनात किया जा रहा है। इससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। वहीं, शिक्षकों की भी परेशानी बढ़ गई है। चुनाव आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शिक्षकों को अध्यापन के घंटों के दौरान ही प्रशासनिक बैठकों में शामिल होने के लिए बुलाया जा रहा है। हाल ही में सीलमपुर के चुनावी पंजीकरण अधिकारी द्वारा

जारी किए गए एक निर्देश में सभी बीएलओ सुपरवाइजरों को सोमवार सुबह 11 बजे बैठक में उपस्थित होने का आदेश दिया गया, जो सीधे तौर पर स्कूल के पढ़ाई वाले समय से टकराता है। प्रशासनिक नोटिस में चेतावनी दी गई है कि बैठक में शामिल न होने पर सेंट्रल सिविल सर्विसेज नियमों के तहत कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस वजह से शिक्षकों को पढ़ाई छोड़कर बैठक में जाना पड़ रहा है। शिक्षकों का कहना है कि चुनावी कार्य की उपयोगिता और महत्व को वे समझते हैं, लेकिन इन बैठकों और यात्रा के समय की वजह से बच्चों की दैनिक पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। एक शिक्षक के ड्यूटी पर जाने के बाद उनकी कक्षाओं को संभालने के लिए अन्य शिक्षकों पर अतिरिक्त बोझ आ जाता है, जिससे पूरी शैक्षणिक व्यवस्था चरमरा जाती है। यह स्थिति तब है जब जुलाई महीने में दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट आदेश दिए थे कि शिक्षकों को केवल छुट्टियों, गैर-शिक्षण घंटों या अवकाश के दिनों में ही बीएलओ ड्यूटी सौंपी जाए। यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट तक भी पहुंचा था, जहां अदालत ने चुनाव आयोग को शिक्षकों के प्रति संवेदनशील रहने की सलाह देते हुए कहा था कि चुनावी काम इतना तनावपूर्ण नहीं होना चाहिए कि वह शिक्षकों के लिए एक 'असहनीय बोझ' न बन जाए।

बवाना स्कूल यौन शोषण मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग सख्त, दिल्ली पुलिस से 7 दिन में मांगी रिपोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी उत्तर दिल्ली के बवाना इलाके के एक निजी स्कूल में तीन वर्षीय नर्सरी छात्रा के कथित यौन शोषण के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दिल्ली पुलिस से मामले में तत्काल और सख्त कार्रवाई करने को कहा है। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र

लिखकर मामले की जल्द जांच, आरोपित से हिरासत में पूछताछ और पाक्सो तथा भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने आरोपित के जब्त मोबाइल फोन और उसमें मौजूद वीडियो की जांच कराने को कहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं अन्य बच्चे भी उसके निशाने पर तो नहीं आए। साथ ही स्कूल के सीसीटीवी फुटेज और अन्य भौतिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं। स्कूल स्तर पर बच्चों की सुरक्षा और कर्मचारियों के सत्यापन में संभावित चूक की भी जांच करने को कहा गया है। आयोग ने पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा, विशेषज्ञ मनोवैज्ञानिक परामर्श, कानूनी सहायता और नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। सात दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है, जिसमें जांच की प्रगति, फोरेंसिक निष्कर्ष, आरोपपत्र दाखिल करने की समय सीमा और स्कूल स्तर पर जवाबदेही तय करने के कदमों का विवरण देना होगा। पुलिस के मुताबिक, घटना 19 अगस्त को सामने आई, जब बच्ची के परिवार ने उसके निजी अंगों पर चोट के निशान देखे। पूछताछ में बच्ची ने स्कूल के एक व्यक्ति के बारे में बताया, जो उसे चॉकलेट देता था। 24 अगस्त को स्कूल की तस्वीरें और सीसीटीवी फुटेज दिखाए जाने पर बच्ची ने आरोपित की पहचान की। पुलिस ने स्कूल के बस चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आयोग ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता और मामले में जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।

दिल्ली में 40 प्राइवेट स्लीपर बसों में से एक में भी नहीं मिला पैनिक बटन, रियलिटी चेक में सुरक्षा नियमों की खुली अनदेखी

नई दिल्ली, एजेंसी। चलती स्लीपर बस में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद भी राजधानी की सड़कों पर दौड़ रही निजी स्लीपर बसों में सुरक्षा नियमों की अनदेखी जारी है। यात्रियों, खासकर महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा के लिए जरूरी इंतजाम कई बसों में नदारद मिले। बुधवार को की गई पड़ताल में दिल्ली भर से चलने वाली स्लीपर बसों में कहीं पैनिक बटन नहीं मिला तो कहीं सीसीटीवी कैमरे ही नहीं थे। हैरानी की बात यह रही कि कुछ बस चालकों को पैनिक बटन के बारे में जानकारी तक नहीं थी। इसके अलावा दिन में भी अधिकांश बसों की खिड़कियों पर पर्दे पड़े मिले, जिससे बस के भीतर की गतिविधियां बाहर से दिखाई नहीं देतीं।

लाल किला स्थित सुनहरी मस्जिद की पार्किंग से जम्मू और कटरा के लिए बड़ी संख्या में स्लीपर बसें चलती हैं। बुधवार को यहां करीब 40 बसें खड़ी मिलीं। लंबी दूरी की यात्रा को देखते हुए बसों में यात्रियों की सुविधा से जुड़े इंतजाम तो नजर आए, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से स्थिति चिंताजनक रही।

कई बसों में सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। जिन बसों में कैमरे लगे थे, उनकी खिड़कियों पर पर्दे लटके हुए थे। पड़ताल के दौरान एक भी बस में पैनिक बटन नहीं मिला। ऐसे में आपात स्थिति में यात्री मदद के लिए किस तरह तत्काल सूचना देंगे, यह बड़ा सवाल है। मोरी गेट से पंजाब, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के लिए चलने वाली स्लीपर बसों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं मिली। यहां सौ से अधिक बसें सवारियों के इंतजार में खड़ी थीं। कुछ बसों में पैनिक बटन और सीसीटीवी कैमरे लगे मिले। हालांकि, अधिकतर बसों में दोनों में से कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं था। कुछ चालकों से पैनिक बटन के बारे में पूछा गया तो वे इसकी जानकारी तक नहीं दे सके। ऐसे में बसों की जांच और फिटनेस प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े होते हैं। आनंद विहार में निगम के पार्किंग है। यह सिर्फ कागजों में पार्किंग है, यहां अवैध बस अड्डा चल रहा है। शीशों पर लगे पर्दे व काली फिल्म वाली बसें यहां से चल रही हैं।

दिल्ली में जिम के बाहर गोली मारकर शख्स की हत्या, सोनीपत के प्रॉपर्टी डीलर को कई दिनों से आ रहे थे रंगदारी के कॉल

नईदिल्ली, एजेंसी। आउटर नॉर्थ दिल्ली के नरेला स्थित बांकनेर में बृहस्पतिवार सुबह करीब 6 बजे एक जिम के बाहर प्रॉपर्टी डीलर की ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सोनीपत के राई विधानसभा क्षेत्र के नाहरी गांव निवासी प्रमोद कुमार के रूप में हुई है।

वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गईं और जांच शुरू कर दी। इस घटना के बाद मौके पर मृतक के रिश्तेदार और दोस्त जमा हो गए हैं और उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार, प्रमोद कुमार सुबह करीब छह बजे जिम करने के लिए जा रहे थे। वह जैसे ही जिम के बाहर पहुंचे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोलियां लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से प्रमोद कुमार से मोटी रकम की रंगदारी मांगी जा रही थी। उन्हें जान से मारने की धमकियां भी दी जा रही थीं।

इसके बाद बताया जा रहा है कि वह नरेला में रहने वाले अपने एक दोस्त की बुलेटप्रूफ गाड़ी में चलने लगे थे। इसके बावजूद बदमाशों ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखी और जिम के बाहर उन्हें निशाना बना दिया।

खंगाले जा रहे सीसीटीवी फुटेज

फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किस गिरोह ने प्रमोद कुमार को निशाना बनाया। पुलिस रंगदारी की मांग और धमकी को हत्या से जोड़कर जांच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस की कई टीमें हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी में जुटी हैं। पुलिस का कहना है कि हरियाणा निवासी मुकुल प्रॉपर्टी का संचालक 42 वर्षीय प्रमोद कुमार अपने गांव में मुकुल गार्डन के नाम से बैंक्वेट हॉल है और प्रॉपर्टी का ही काम करता था।

फर्जी दस्तावेज पर लोन लेकर एनबीएफसी को लगाया 1 करोड़ से ज्यादा का चूना, 5 के खिलाफ केस दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में फर्जी दस्तावेज के जरिये लोन लेकर एनबीएफसी को एक करोड़ से अधिक का चूना लगाने का मामला सामने आया है। मंदिर मार्ग थाना पुलिस ने दिल्ली विकास प्राधिकरण के फर्जी कन्वेयंस डीड के आधार पर एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी ''एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड'' से 1.06 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में 5 लोगों के खिलाफ दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायतों के अनुसार, जालसाजों ने द्वारका के सेक्टर-14 स्थित शहीद भगत सिंह अपार्टमेंट के दो फ्लैटों को गिरवी रखकर इस ठगी को अंजाम दिया। पहले मामले में हिमांशु

शर्मा, उसके पिता संजय शर्मा और जतिन नामक आरोपियों ने द्वारका सेक्टर-14 के एक फ्लैट के लिए 48.76 लाख रुपये का लोन स्वीकृत कराया। इन्होंने 2015 की पंजीकृत डीडीए कन्वेयंस डीड और प्रापर्टी के दस्तावेज जमा कराए। प्रापर्टी का मूल्यांकन 65 लाख रुपये लगाकर एनबीएफसी ने विक्रेता को 34.30 लाख रुपये लोन जारी कर दिए। वहीं, दूसरे मामले में इसी अपार्टमेंट के एक अन्य फ्लैट पर संजय शुक्ला और उसकी मां शशिकला शुक्ला ने 2013 की कन्वेयंस डीड के आधार पर 57.60 लाख रुपये का लोन मंजूर कराया। इस मामले में भी कंपनी ने विक्रेता के खाते में 34.90 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। लोन की राशि जारी होने के बाद जब कंपनी ने नियमित जांच की, तब धोखाधड़ी का पता चला। एक मामले में पता चला कि जिस फ्लैट पर लोन लिया गया था, वह पहले से ही अन्य बैंकों के पास गिरवी है और वहां किसी अनजान व्यक्ति का कब्जा है।

ज्वेरेव ने टाला उलटफेर

यूएस ओपनः लोरेंजो सोनेगो को 5 सेट चले मुकाबले में हराया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। टॉप सीडेड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम में यूएस ओपन 2026 के पहले राउंड में बिना सीड वाले इटैलियन लोरेंजो सोनेगो को 6-4, 3-6, 6-7(7), 7-5, 6-4 से शिकस्त दी। जीत के साथ ज्वेरेव ने अगले दौर में जगह बना ली है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे सेट में 4-5 से हार से दो पॉइंट दूर थे, फिर भी उन्होंने बाद के नियंत्रण हासिल किया और 4 घंटे, 53 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की।

जर्मन खिलाड़ी ने सोनेगो के खिलाफ 6-0 के परफेक्ट एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ मैच में एंट्री की। यह रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखता क्योंकि वर्ल्ड नंबर 89 ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ज्वेरेव की राह मुश्किल कर दी थी। मैच के दौरान सोनेगो की जोरदार शॉट-मेकिंग और हिम्मत देखने को मिली, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया था।

इस सीजन में सबसे ज्यादा 47 टूर-लेवल मैच जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव का दूसरे राउंड में फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस के साथ मुकाबला होगा।

इससे पहले, फ्लेवियो कोबोली ने यूएस ओपन में अपने करियर में पहली बार दो सेट हारने के बाद वापसी की, जहां उन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर 4 घंटे और 12 मिनट के रोमांचक खेल के बाद दूसरे राउंड में जगह बनाई। कोबोली की वापसी ने 25 साल के इटैलियन को साल के आखिरी मेजर में सिर्फ तीन दिन में, नंबर 4 नोवाक जोकोविच और नंबर 10 आर्थर फिल्स के साथ पुरुषों के ड्रॉ में शुरुआती हार से बचा लिया। इटैलियन को ग्रैंड स्लैम में कामयाबी तब मिली जब वह रोलैंड गैरोस के फाइनल में पहुंचे, जहां वह ज्वेरेव से पांच सेट में हार गए।

फ्रेंच ओपन वाली सफलता यूएस ओपन में दोहराना चाहता हूं: एलेक्जेंडर ज्वेरेव

यूएस ओपन 2026 की शुरुआत हो चुकी है। नोवाक जोकोविच का पहले राउंड से बाहर होना अब तक की सबसे बड़ी खबर है। जानिक सिनर के इंजरी की वजह से टूर्नामेंट के बाहर रहने और जोकोविच के बाहर होने से स्पेन के कार्लोस अल्काराज और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच एकल का खिताबी मुकाबला होने की प्रबल संभावना बन गई है।

अल्काराज और ज्वेरेव दोनों ही दूसरे दौर में जगह बना चुके हैं। फ्रेंच ओपन 2026 का खिताब जीतने वाले एलेक्जेंडर ज्वेरेव की नजर अपने पहले यूएस ओपन और दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने पहले मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो को हराया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ जीत के बाद जियोहॉटस्टार से बात करते हुए यूएस ओपन 2026 जीतने की इच्छा जताई है। जर्मन खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि जीत कड़ी मेहनत का नतीजा था जो मैंने इतने सालों में की है। कई बार, मैं थोड़ा पीछे रह गया। शायद इसी वजह से आखिर में पांचवें सेट में फ्लाविया के खिलाफ फर्क पड़ा। मैं जीतने के लिए सच में तैयार महसूस कर रहा था, जो दूसरे फाइनल की तुलना में एक अलग तरह की फीलिंग थी। बेशक, मैं खुश हूं कि ऐसा हुआ। अब हम न्यूयॉर्क में हैं, और मैं इसे फिर से करने की कोशिश करना चाहता हूं।' फ्रेंच ओपन 2026 ज्वेरेव का पहला ग्रैंड स्लैम था। उस अनुभव को याद करते हुए ज्वेरेव ने कहा, 'मेरे कंधों पर जरूर कुछ बोझ था, खासकर जिस उम्र में मैं हूं। आपको कभी नहीं पता होता कि यह कभी होगा भी या नहीं। इसलिए, मैं आखिरकार अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी उठाकर बहुत खुश था, लेकिन अब, एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो आप और चाहते हैं।

कार्लोस अल्काराज पहला सेट हारने के बावजूद जीते, तीसरे राउंड में जगह बनाई

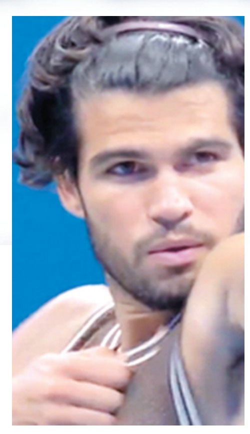

न्यूयॉर्क। कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। तीसरा यूएस ओपन जीतने की कोशिश कर रहे अल्काराज ने जैमे फारिया को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। अल्काराज की जीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने पहला सेट गंवा दिया था। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अल्काराज ने जैमे फारिया को 4–6, 6–0, 6–3, 6–2 से हराया। कलाई की चोट की वजह से चार महीने के ब्रेक के बाद लौटे नंबर 3 सीड वाले स्पेन के अल्काराज ने 72वीं रैंक वाले पुर्तगाली खिलाड़ी फारिया को हराकर टेनिस कोर्ट पर एक बार फिर अपने दबदबे को साबित किया। फारिया ने पहला सेट 6–4 से जीतकर सबका ध्यान खींचा। पहले सेट में उतार–चढ़ाव के बाद, अल्काराज ने दूसरे सेट के अपने शुरुआती सर्विस गेम में एक ब्रेक पॉइंट बचाया और फिर लगातार आठ गेम जीत, सेट 6–0 अपने नाम किया। तीसरे सेट में अल्काराज ने लगातार आठ गेम जीते और फारिया की सर्विस लगातार पांच बार तोड़कर 6–3 से अपने नाम किया। इसके बाद अल्काराज ने चौथा सेट भी 6–2 से अपने नाम किया। अल्काराज की यह जीत अमेरिकन स्लैम में उनकी 26वीं मेन–ड्रॉ जीत है, जो चार मेजर में उनका सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। अल्काराज 2004 से 2008 तक रोजर फेडरर के लगातार पांच बार जीतने के बाद यूएस ओपन टाइटल बचाने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। एटीपी नंबर 1 क्लब के सदस्य न्यूयॉर्क में दो बार के चैंपियन हैं। अल्काराज ने 2022 और 2025 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। अल्काराज सबसे कम उम्र में ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी हैं। स्पेन के कार्लोस का अगला मुकाबला चीन के वू यिबिंग से होगा, जिन्होंने जेम्स डकवर्थ को 7–5, 6–3, और 6–1 से हराया।

सीपीएल 2026

क्विंटन डी कॉक का शतक बेकार, सेंट किट्स ने बारबाडोस को 6 विकेट से हराया

सेंट किट्स। वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत

4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली।

सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1–1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए।

चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए। आंद्रे फ्लेचर ने 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से नाबाद 22 और वानिंदु हसरंगा ने 4 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौके की मदद से नाबाद 18 रन बनाकर टीम का स्कोर 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 220 तक पहुंचाया और 5 गेंद पहले 6 विकेट से जीत दिला दी।

विमेंस एशिया कप

सादिया के नाम 3 विकेट, 'लो-स्कोरिंग मैच' में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई। पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गईं। यहां से

मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

विपक्षी खेमे से थिपाचा पुत्थावोंग ने 18 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि सुलीपोर्न लाओमी ने 14 रन देकर 3 विकेट निकाले। इनके अलावा, फनिता माया ने 2 विकेट और सुनिदा चतुरोंगरात्तन ने 1 सफलता प्राप्त की। इसके जवाब में थाईलैंड 20 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 84 रन ही बना सकी।

आईसीसी रैंकिंगः पडिक्कल-मानव को भी पहुंचा फायदा

रॉबिन्सन-टंग को मिला शानदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन और जोश टंग को पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन का इनाम आईसीसी की ताजा गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में मिला है। पाकिस्तान के खिलाफ पहले दोनों ही टेस्ट मैचों में 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे रॉबिन्सन का प्रदर्शन लॉर्ड्स टेस्ट में कमाल का रहा था। उन्होंने दोनों पारियों में चार-चार विकेट लिए और मैच में कुल 35 रन देकर आठ विकेट हासिल किए। रॉबिन्सन ने गेंदबाजों की रैंकिंग में छह स्थान की छलांग लगाई है और वह अब पांचवें नंबर पर आ गए हैं। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ चौथी रैंकिंग से बस एक स्थान पीछे है, जो उन्होंने फरवरी 2023 में हासिल की थी। पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज की शुरुआत से अब रॉबिन्सन 22 पायदान की छलांग लगा चुके हैं। टंग ने भी बड़ी बढ़त हासिल की है। मैच में पांच विकेट लेने के बाद वे चार स्थान ऊपर चढ़कर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने सीरीज के दौरान 20 पायदान की बढ़त हासिल की है।

सीरीज गंवाने के बावजूद पाकिस्तान के गेंदबाजों ने भी उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। तेज गेंदबाज़ मोहम्मद अब्बास मैच में 9 विकेट लेने के बाद 10 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 15वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि मोहम्मद अली ने पांच विकेट लेने के बाद 11 स्थानों की छलांग लगाई और 81वें स्थान पर पहुंच गए।

बल्लेबाजों में पाकिस्तान के सऊद शकील ने सबसे ज्यादा बढ़त हासिल करने वालों में से एक रहे। दूसरी पारी में उनके 97 रनों की पारी ने उन्हें 15 स्थान ऊपर चढ़ाकर 18वें स्थान पर पहुंचा दिया है, जिससे वे कप्तान बाबर आजम के बाद पाकिस्तान के दूसरे सबसे ऊंची रैंकिंग वाले बल्लेबाज बन गए हैं। हालांकि, बाबर पांच स्थान नीचे खिसककर 15वें स्थान पर आ गए हैं।

इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स और डेन लॉरेंस ने भी प्रगति की है। कॉक्स छह स्थान ऊपर चढ़कर 76वें और लॉरेंस 10 स्थान ऊपर चढ़कर 92वें स्थान पर पहुंच गए।

अहमदाबाद में होगा भारत का पहला हुंडई वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज, 20 देशों के 100 से ज्यादा एथलीट लेंगे हिस्सा

अहमदाबाद(एजेंसी)। भारत में इंटरनेशनल खेलों की मेजबानी बढ़ती जा रही है। क्रिकेट के अलावा भारत अब दूसरे खेल भी काफी सफल तरीके से

आयोजित करा रहा है. जिससे उनको और ज्यादा खेलों की मेजबानी मिल रही है। हाल ही में भारत ने दिल्ली में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप की सफल मेजबानी कीअब भारत पहली बार हुंडई वर्ल्ड आर्चरी (तीरंदाजी) पैरा सीरीज की मेजबानी करेगा। ये सीरीज 5 से 9 सितंबर तक अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित की जाएगी. जिसमें 20 देशों के 100 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में, गुजरात अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है. अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सीरीज की मेजबानी से बड़े खेल आयोजनों के लिए गुजरात की बढ़ती पहचान और मजबूत होगी और पैरा-आर्चरी को एक वैश्विक मंच मिलेगा।

दलीप ट्रॉफी

कप्तान तिलक वर्मा का दमदार प्रदर्शन

नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराकर फाइनल में पहुंचा साउथ जोन

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया। नॉर्थ जोन से मिले 181 रनों के लक्ष्य को साउथ जोन ने आसानी से 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा का प्रदर्शन बल्ले से दमदार रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी रही। रिकी भुई और एन जगदीशन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई। जगदीशन 5 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकी भुई 42 रन बनाने के बाद गुरनूर बरार का शिकार बने। शेख रशीद बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा और समरण रविचंद्रन ने

साउथ जोन को कोई और झटका नहीं लगने दिया और चौथे विकेट के लिए 80 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए टीम को जीत दिलाई। पहली पारी में शतक लगाने वाले तिलक ने दूसरी इनिंग में 79 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। वहीं, समरण 42 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

BCCI ने विकल्पों के बावजूद

अनफिट खिलाड़ियों को अफगानिस्तान सीरीज के लिए क्यों चुना?

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में 13, 15 और 17 सितंबर को खेला जाना है। इस सीरीज के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को भारतीय टीम का ऐलान कर दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है। 15 सदस्यीय टीम में 4 ऐसे खिलाड़ियों को जगह दी गई है जो अनफिट हैं। ये चार खिलाड़ी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा हैं। ये चारों खिलाड़ी फिट होने की स्थिति में ही खेल पाएंगे। सवाल यह है कि विकल्प होते हुए भी अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने अफगानिस्तान सीरीज के लिए अनफिट खिलाड़ियों को क्यों चुना? फिट हो जाने की स्थिति में भी खिलाड़ियों को अपनी रिदम में आने के लिए समय चाहिए होता है। अन्यथा इंजरी का खतरा बना रहता है। नितीश रेड्डी, जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा के करियर पर नजर डालें तो इन चारों खिलाड़ियों का करियर अब तक इंजरी से बुरी तरह प्रभावित रहा है। ऐसे में इन्हें बोर्ड द्वारा पूरा समय दिया जाना चाहिए था, ताकि वापसी के बाद इनके लिए इंजरी की संभावना कम रहे।

भारत में ऐसे कई खिलाड़ी हैं जिनका आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन रहा है। उनके पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी है। उन्हें मौका दिया जा सकता था।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

कोलंबो। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले वनडे और टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की कप्तानी में टीम का ऐलान कर दिया है। सीरीज 15 सितंबर से शुरू हो रही है।

श्रीलंका को इस दौरे पर 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेलना है। चरिथ असलांका दोनों सीरीज में उपकप्तान होंगे। पथुम निसांका, जिन्होंने हाल के महीनों में वनडे में शानदार फॉर्म दिखाया है, उनसे एक बार फिर टॉप ऑर्डर में मजबूती की उम्मीद की जाएगी। उनके साथ कामिल मिशारा, कामिंडू मेंडिस, जेनिथ लियानागे और पवन रथनायके हैं। ये बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। इसके अलावा, टीम में अनुभवी ऑलराउंडर पूर्व कप्तान दासुन शनाका, ऑलराउंडर वानिंदू हसरंगा और दुनिथ वेलालागे भी हैं। ये खिलाड़ी श्रीलंकाई टीम को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभाग में मजबूती देंगे।

शनाका ने वनडे टीम में वापसी की है, जबकि टी20 टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिए श्रीलंका की टीम में उनकी वापसी अहम है। वनडे सीरीज के लिए बतौर गेंदबाज महेश तीक्षाणा, सचिंदू कोलंबेज, दुष्मंथा चमीरा, ईशान मलिंगा, असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका टीम में शामिल हैं। टी20 सीरीज के लिए लाहिरू उदारा और थारिंडू रथनायके को टीम में शामिल किया गया है, जबकि तेज गेंदबाज नुवान तुषारा और बिनुरा फर्नांडो चमीरा और ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में निसांका, कामिंडू मेंडिस, असलांका, जनिथ लियानागे, शनाका, हसरंगा, वेलालागे और तिक्षाणा भी शामिल हैं।

चमारी अटापट्टू ने एशिया कप का बदल दिया इतिहास

5 रन, 7 विकेट और हैट्रिक!

यूएई (एजेंसी)। महिला एशिया कप टी–20 टूर्नामेंट अभी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)) में चल रहा है. हाल ही में हुए एक लीग मैच में श्रीलंका का मुकाबला इंडोनेशिया से हुआ. पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने अपने 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 124 रन बनाए, जिसमें नीलाक्षी डी सिल्वा ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए।

125 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडोनेशिया की बल्लेबाजी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और श्रीलंका की जबरदस्त गेंदबाजी के सामने ताश के पत्तों की तरह बिखर गई. पूरी टीम 18.3 ओवर में सिर्फ 49 रनों पर ही ऑलआउट हो गई. श्रीलंका ने 75 रनों के बड़े अंतर से शानदार जीत हासिल की. इस मैच की सबसे बड़ी बात श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू का प्रदर्शन रहा, जिन्होंने अपने 3.3 ओवर के स्पेल में सिर्फ 5 रन देकर 7 विकेट झटके. उनके इस शानदार प्रदर्शन में एक

बेहतरीन हैट्रिक भी शामिल थी. इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया और एशिया कप के इतिहास (पुरुष और महिला दोनों टूर्नामेंटों में) में एक ही मैच में 7 विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बन गईं।

इसके अलावा, यह महिला इंटरनेशनल टी–20 के इतिहास में आईसीसी के पूर्ण सदस्य देश की किसी खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है, और कुल मिलाकर पांचवां सबसे अच्छा प्रदर्शन है. इसके अलावा उन्होंने महिला टी–20 में एक ही मैच में हैट्रिक के साथ–साथ पांच विकेट (और बाद में सात विकेट) लेने वाली पहली कप्तान बनने का अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

महिला एशिया कप में बेहतरीन बॉलिंग स्पेल

चमारी अटापट्टू (श्रीलंका) – 7/5 बनाम इंडोनेशिया, 2026
मरीना इकबाल (पाकिस्तान) – 5/10 बनाम नेपाल, 2012
वोंगपाका लिएंगप्रासर्ट (थाईलैंड) – 5/12 बनाम श्रीलंका, 2018
ओमाइमा सोहेल (पाकिस्तान) – 5/13 बनाम श्रीलंका, 2022
निदा डार (पाकिस्तान) – 5/21 बनाम श्रीलंका, 2018।

चमारी अटापट्टू का टी20 करियर

2009 में श्रीलंका के लिए अपना इंटरनेशनल टी20 डेब्यू करने के बाद से, अटापट्टू अब तक 167 मैच खेल चुकी हैं।

यह ऐतिहासिक स्पेल आधुनिक खेल की बेहतरीन ऑल–राउंडर्स में से एक के तौर पर उनकी पहचान को और मजबूत करता है, जिससे उनके करियर का कुल स्कोर 4,094 रन (जिसमें चार शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं) और 85 विकेट हो गया है।